चैत्र मास शुक्ल पक्ष, 22 वर्ष, अंक 80, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 19 अप्रैल 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

टेक्सटाइल पार्क के लिए एमओयू हस्तक्षार कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री योगी, कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल समेत अन्य महत्वपूर्ण लोग रहे मौजूद

उप्र के कलंक को सरकार ने मिटाया: योगी

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए लोकभवन में आयोजित एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की पहचान जिस वस्त्र उद्योग से थी, उस उद्योग के लिए पीएम मित्र योजना की शुरूआत के लिए उत्तर प्रदेश को चुना गया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी का इसके लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं तो विपक्ष पर भी करारा हमला बोला। पूर्ववर्ती विपक्ष की सरकारों पर सवाल खड़े किये।

कृषि के बाद वस्त्रोद्योग पर बड़ी निर्भरता: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश कृषि प्रधान राज्य रहा है। यहां की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर रहती है। कृषि के बाद वस्त्र उद्योग से बड़ी निर्भरता है। लखनऊ की चिकनकारी, भदोही का कारपेट उद्योग, कानपुर वस्त्र उद्योग का हब होता था। कानपुर प्रदेश नहीं देश का महत्वपूर्ण शहर था। विपक्ष का नाम लिए बगैर कहा कि एक ऐसा समय आया जब कानपुर के उद्योग बंद होते गये। हैण्डलूम सेक्टर भी बंद हो गया। विगत नौ वर्षों में देश ने प्रगति की है।

जल्द ही 10 लाख करोड़ को धरातल पर उतारने के लिए ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी: उन्होंने कहा कि इन्वेस्टर सम्मिट में उत्तर प्रदेश ने निवेश के बड़े प्रस्ताव प्राप्त किये। उत्तर प्रदेश आगे जल्दी ही निवेश प्रस्तावों में से 10 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी करेगा। राज्य सरकार निवेशकों की

हर जरूरत पूरी करने का कार्य कर रही है। सरकार ने मानवीय हस्तक्षेप को जीरो स्तर पर ले जाने का कार्य किया है। हम पूरी प्रतिबद्धता से आगे बढ़ रहे हैं।

उद्यमियों को बिजली में छूट देगी सरकार: हम कामगारों के लिए इंटर्नशिप की भी कार्यवाही कर रहे हैं। ऐसा शायद ही एक दो राज्य कर रहे होंगे। वस्त्र उद्योग या अन्य उद्योगों के लिए हम पावर के लिए प्रति यूनिट छूट भी देंगे। निवेशक को किसी कार्यालय के चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए भी सरकार ने व्यवस्था की है। राज्य सरकार निवेशकों के लिए, आपके पूंजी को पूरी तरह सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उत्तर प्रदेश मे कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे संचालित हैं। हमारा प्रयास है कि गंगा एक्सप्रेस-वे को हम कुंभ 2025 से पहले शुरू कर देंगे।

सीएम योगी का विपक्ष पर कड़ा हमला विपक्ष पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा उत्तर प्रदेश की पहचान 2017 से पहले दंगे के लिए जाना जाता था। हर दूसरे दिन दंगा होता था। 2012 से 17 के बीच 700 से ज्यादा दंगे हुए। 2017 के बाद दंगे की नौबत ही नहीं आई। आज कोई भी अपराधी व्यापारी को धमका नहीं सकता। उत्तर प्रदेश के कलंक को हम मिटा चुके हैं। पहले कहा जाता था कि जहां से अंधेरा शुरू हो, वहां से उत्तर प्रदेश शुरू होता था। आज ये दूर हो गया है। 75 में से 71 जनपद अंधेरे में होते थे। आज प्रदेश के गांवों में स्ट्रीट लाइट्स जगमगाती हैं। इससे पहले पीएम मेगा

उप्र के कामगारों के हुनर में जो शक्ति है, वह कहीं और नहीं : पीयूष गोयल

लखनऊः केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश के कामगारों के हुनर में जो शक्ति है, वह कहीं और नहीं है। पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र एवं परिधान(पीएम मित्र) योजना के तहत मंगलवार को यहां लोकभवन में वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता कार्य एवं कपड़ा केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में लखनऊ एवं हरदोई जिले में एक हजार एकड़ में विस्तृत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए एमओयू साइन हुआ है। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के कामगार स्किल्ड हैं। उनकी स्किल में जो शक्ति है, वह किसी और राज्य में नहीं है। उत्तर प्रदेश अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तेजी से कार्य हो रहा है। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था ठीक होने से माहौल बदला है। उत्तर प्रदेश में तेज गति से एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं। कॉरिडोर स्थापित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 24 घंटे प्रदेश के विकास कार्य को बढ़ाने में लगे हुए हैं। जो एयरवेज, हाईवेज, एकीकृत वस्त्र एवं परिधान(पीएम मित्र) योजना के तहत लखनऊ एवं हरदोई जिले में एक हजार एकड़ में विस्तृत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए एमओयू साइन हुआ है। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल, उप्र के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान समेत अन्य महत्वपूर्ण लोग उपस्थित रहे।

मैं पूरी तरह से एनसीपी के साथ हूं और रहूंगा: अजित पवार

मुंबईः एनसीपी नेता और शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने पार्टी छोड़ने की अटकलों को खारिज कर दिया है। अजित ने कहा कि बेवजह गलतफहमी फैलाई जा रही हैं। किसी विधायक का हस्ताक्षर नहीं लिया गया है। भाजपा के साथ जाने की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। जब तक जान में जान है तब तक एनसीपी से जुड़ा रहूंगा। चाहो तो एफिडेविट पर लिख कर दे दूं! इधर, एनसीपी चीफ शरद पवार ने भी भतीजे के भाजपा के साथ जाने की खबरों को सिर्फ अटकलें बताया। उन्होंने कहा कि इस बारे में सिर्फ मीडिया में बात हो रही है। पार्टी को मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। इसलिए अजित चुनाव में व्यस्त हैं। इस बीच, अजित ने फेसबुक और ट्विटर अकाउंट से एनसीपी का बैनर हटा दिया है।

ओखला इंडस्ट्रियल एरिया में कबाड़ के गोदाम में लगी आग

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी दिल्ली के ओखला इंडस्ट्रियल एरिया इलाके में कबाड़ के ओपन गोदाम में भयंकर आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें बाहर तक निकलने लगी। इसी बीच फायर कंट्रोल रूम को मामले की सूचना दी गई और मौके पर ओखला और आसपास के दमकल स्टेशनों से आग बुझाने वाली कई गाड़ियां तुरंत भेजा गया। दमकल से मिली जानकारी के अनुसार, कंट्रोल रूम को 4:40 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। आग बुझाने का काम अभी किया जा रहा है।

दो दिन इंटरनेट सेवा बन्द होने से प्रयागराज में 500 करोड़ का नुकसान

प्रयागराजः माफिया अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के बाद शनिवार देर रात को ही इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई थीं। यह सिलसिला रविवार और सोमवार तक रहा। मंगलवार सुबह इंटरनेट सेवाएं पुनः चालू हो गई। दो दिनों तक नेट सेवा बंद रहने से कारोबार से जुड़े लोगों को लगभग 500 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा है। प्रयाग व्यापार मंडल के मीडिया प्रभारी मोहम्मद अकरम शगुन के मुताबिक वर्तमान दौर में ऑनलाइन ट्रांजेक्शन अधिकतर लोगों की आदत में शामिल हो गया है। चाय की दुकान से लेकर पान की ढाबली और शापिंग मॉल तक लोग ऑनलाइन पेमेंट करते हैं। शनिवार की देर रात अतीक और अशरफ की हत्या के बाद कुछ घंटे बाद ही इंटरनेट सेवाएं अगले आदेश तक बंद कर दी गई थीं। इससे पहले दिन ऑनलाइन कारोबार पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा। क्योंकि उस दिन रविवार रहा लेकिन सोमवार को दूसरे दिन भी नेट सेवा बंद होने के कारण समस्या कई गुना बढ़ गई। इससे व्यापारियों को लगभग 500 करोड़ रुपये के कारोबार का नुकसान उठाना पड़ा। ऑनलाइन लेनदेन, बुकिंग, बिलिंग सहित कई सेवाएं ठप रहीं। शहर के सभी साइबर कैफे पर ताला लटकता रहा। इंटरनेट की सेवाएं बंद होने से प्रयागराज में ओला और ओवन की कारें खड़ी रहीं। गल्ला तिलहन व्यापार, कम्प्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक सामानों के कारोबार, मोबाइल, रिचार्ज व एसेसिरीज बेचने वाले व्यापारियों को कई करोड़ रुपये का घाटा हुआ है।

समलैंगिक विवाह मामले में कल भी जारी रहेगी सुनवाई

नई दिल्ली। समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान बेंच के समक्ष आज की सुनवाई पूरी हो गई। मामले की अगली सुनवाई कल यानी 19 अप्रैल को होगी। सुनवाई के दौरान याचिकाकताओं की ओर से मुकुल रोहतगी ने कहा कि गरिमापूर्ण जीवन जीने के अधिकार, निजता का सम्मान और अपनी इच्छा से जीवन जीने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा, परिवार और विरासत को लेकर भी कोर्ट के दिशा-निर्देश स्पष्ट हैं। अब समलैंगिक जोड़ों को शादी की मान्यता देनी चाहिए ताकि समाज और सरकार इस तरह के विवाह को मान्यता दे। चीफ जस्टिस ने रोहतगी से पूछा कि सरकार और समाज की मान्यता के बाद भी कई कानूनी सवालों के जवाब नहीं मिल रहे हैं, क्योंकि वो व्यावहारिक सवाल हैं। तब रोहतगी ने कहा कि विवाह के कई प्रकार हैं लेकिन समय-समय पर इसमें सुधार के आधार पर बदलाव भी हुए हैं। बहु विवाह, अस्थाई विवाह जैसी चीजें भी थी जो अब इतिहास का हिस्सा हैं।

मंत्री पर लगा साजिश रचने का आरोप

शाइस्ता परवीन की चिट्ठी

लखनऊः पुलिस सुरक्षा में अतीक अहमद और उसके भाई की हत्या के बाद मंगलवार को एक पत्र सोशल मीडिया में सार्वजनिक हुआ है। हालांकि वायरल पत्र की पुष्टि नहीं करता है। लेकिन इस पत्र में जो बातें लिखी है वो चौकाने वाली हैं। मुख्यमंत्री योगी को लिखे गए इस पत्र के जरिए शाइस्ता ने कहा कि साजिशन के तहत उनके पति और देवर की हत्या की जा सकती है। इसमें सरकार के मंत्री और उच्च पद पर बैठे पुलिस अधिकारी शामिल हैं। लिहाजा मुकदमें की सुनवाई वीडियो कांफ्रेसिंग से कराई

अतीक अहमद | शाइस्ता परवीन

जाए। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि 24 फरवरी को उमेश पाल और उनके सुरक्षा में हुई दो गनरों की हत्या दुखद एवं निदंनीय है। इस घटना में उनके पति अतीक, देवर अशरफ, मुझे और मेरे पुत्रों सहित नौ लोगों को नामजद और नौ अज्ञात लोगों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। एफआईआर में मेरे पति और देवर जेल में बंद पुत्रों अली और उमर के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया है। एक सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बेटे अली को शूटर बताया गया है। जबकि यह आरोप बिल्कुल निराधार है। उन्होंने बताया कि सत्यता ये है कि जबसे बसपा से मुझे प्रयागराज से महापौर का उम्मीदवार बनाया है तब से यहां के एक स्थानीय नेता आपकी सरकार में काबीना मंत्री ने ।

अतीक-अशरफ हत्याकांड पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्लीः पुलिस हिरासत में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या किये जाने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वकील विशाल तिवारी ने दायर याचिका में इस हत्याकांड की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज से कराने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट इस पर 24 अप्रैल को सुनवाई करेगा। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने भी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अमिताभ ठाकुर ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिख कर इस मामले पर संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। साथ ही मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की है। वकील विशाल तिवारी ने एक याचिका

दायर करके अतीक-अशरफ हत्याकांड की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज से कराने की मांग की है। याचिका में उत्तर प्रदेश में 2017 के बाद हुए 187 एनकाउंटर की जांच करने की भी मांग की गई है। यूपी सरकार ने इस हत्याकांड की जांच इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस अरविंद तिवारी की अध्यक्षता में गठित न्यायिक आयोग को सौंपी है। प्रयागराज में 15 अप्रैल की रात अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ पर हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर हत्या कर दी थी, जब पुलिस दोनों की मेडिकल जांच करवाने के लिए अस्पताल लेकर गई थी।

बिलकिस गैंगरेपः दोषियों की रिहाई के खिलाफ 2 मई को अंतिम सुनवाई

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट बिलकिस बानो गैंगरेप केस के दोषियों की रिहाई के खिलाफ दायर याचिका पर 2 मई को अंतिम सुनवाई करेगा। आज गुजरात सरकार ने रिहाई से जुड़ी फाइल दिखाने के आदेश का विरोध किया। राज्य सरकार की दलील है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आधार पर ही गैंगरेप के दोषियों की रिहाई हुई है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि आज बिलकिस का तो कल किसी और का मामला हो सकता है, इसलिए आप दोषियों की रिहाई की वजह बताएं। कोर्ट ने कहा कि ऐसे जघन्य मामलों में दोषियों की रिहाई समाज को प्रभावित करती है। इसलिए शक्तियों का इस्तेमाल जनहित में होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि चूंकि केंद्र सरकार का फैसला राज्य सरकार को मानना है, इसका मतलब ये नहीं कि राज्य सरकार अपना दिमाग नहीं लगाएगी। 27 मार्च को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा

था कि बिलकिस के साथ जो हुआ वह भयावह था। सुनवाई के दौरान दोषियों के वकील ने सुभाषिनी अली और महुआ मोइत्रा की याचिका का विरोध किया था। दरअसल, 4 जनवरी को जस्टिस बेला त्रिवेदी ने इस मामले पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। 21 अक्टूबर, 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वुमन की ओर से दाखिल याचिका को मुख्य याचिका के साथ टैग करने का आदेश दिया था। याचिका में गुजरात सरकार के दोषियों की रिहाई के आदेश तत्काल रद्द करने की मांग की गई है। 17 अक्टूबर, 2022 को गुजरात सरकार ने हलफनामा दाखिल कर कहा था कि बिलकिस बानो गैंगरेप केस के दोषियों को उनकी सजा के 14 साल पूरे होने और उनके जेल में अच्छे व्यवहार की वजह से रिहा किया गया। हलफनामे में कहा गया है कि दोषियों की रिहाई केंद्र सरकार की अनुमति के बाद की गई। गुजरात सरकार ने कहा था कि दोषियों की रिहाई का फैसला कैदियों को रिहा करने के सुप्रीम कोर्ट के 9 जुलाई, 1992 के दिशा-निर्देश के आधार पर किया गया है न कि आजादी के अमृत महोत्सव की वजह से। गुजरात सरकार ने कहा कि बिलकिस बानो केस के दोषियों की समय से पहले रिहाई का एसपी, सीबीआई, सीबीआई के स्पेशल जज ने विरोध किया था। 24 सितंबर, 2022 को बिलकिस बानों गैंगरेप केस के दोषियों ने सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया था। जवाब में कहा गया था।

भाजपा ने कहा- पंडित नेहरू से लेकर मनमोहन सरकार तक किया गया इसका विरोध

जाति जनगणना पर सियासी घमासान

नई दिल्लीः जाति जनगणना और आरक्षण की सीमा बढ़ाए जाने को लेकर तेज हुई राजनीति के बीच भाजपा दो मोर्चों पर तैयारी में जुट गई है। एक तरफ जहां क्षेत्रीय दलों सामाजिक न्याय पर भारी परिवारवाद का उदाहरण पेश किया जाएगा। वहीं एकबारगी मुखर हुई कांग्रेस को इतिहास के पन्नों के सहारे कठघरे में खड़ा किया जाएगा। तथ्यों के साथ बताया जाएगा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर अब तक कांग्रेस ने जाति जनगणना का विरोध ही किया है। इंदिरा गांधी ने भी मंडल कमीशन की रिपोर्ट दबाकर रखी थी। अब केवल वोट की खातिर मुद्दा उछाला जा रहा है। न्याय पहुंचाने की मंशा

नहीं है। कुछ महीने पहले रामचरित मानस को लेकर कुछ क्षेत्रीय दलों ने विवाद खड़ा किया था। माना जा रहा था कि दलितों में भाजपा के बढ़े प्रभाव को सीमित करने के लिहाज से ही वह मुद्दा उछाला गया था। दलित और ओबीसी वर्ग के कारण ही भाजपा लगातार दो कार्यकाल से स्पष्ट बहुमत पा रही है। यही कारण है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के स्तर से जाति जनगणना की बात करते हुए आरक्षण की सीमा भी तोड़ने की बात कही गई है। जो सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई है।

प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने भी जाति जनगणना का किया था विरोधः सूत्रों के अनुसार भाजपा ने क्रोनोलाजी तैयार की है। वह जनता को दिखाया जाएगा और कहा जाएगा कि कांग्रेस पारंपरिक रूप से इसका विरोध करती रही है।

एमपी पर साढ़े तीन लाख करोड़ का कर्जः कमलनाथ

खातेगांव/भोपालः पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ मंगलवार को खातेगांव में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि पूरा इलाका कृषि क्षेत्र से जुड़ा हुआ है जो नौजवान कृषि परिवारों से आते हैं वह अच्छे से जानते हैं कि यदि कृषि क्षेत्र कमजोर रहा तो नौजवानों के भविष्य का क्या होगा? अगर खातेगांव के किसान को समय पर खाद-बीज ना मिले, फसलों का सही मूल्य ना मिले, सही सिंचाई की सुविधा ना मिले तो कैसे विकास होगा हमारे कृषि क्षेत्र का? शिवराज जी तो घोषणा मशीन ही नहीं है, बल्कि झूठ बोलने की मशीन भी हैं। कमलनाथ ने

कहा कि खातेगांव नेमावर कृषि क्षेत्र है, यहां की पावन भूमि और यहां के अन्नदाताओं को नमन करता हूं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं लंबे समय बाद यहां आया हूं पर इस बात का बहुत दुख भी है कि नेमावर की घटना के कारण यह पावन भूमि पूरे प्रदेश में बदनाम हुई। उन्होंने कहा कि चुनाव आता देख रोज नई घोषणाएं कर रहे हैं ।

खबर संक्षेप

चार धाम यात्रा के लिए रवाना हुआ यात्री जत्था

सहसों। क्षेत्र के चारों धाम यात्रा के लिए मंगलवार की सुबह तीर्थ यात्रियों का एक जत्था रवाना हुआ। जिसमें उमरी मय टटिहरा गांव के शिक्षक योगेन्द्र मिश्र व पत्नी आशा देवी को परिजनों सहित गांव के लोगों ने गाजे-बाजे के साथ मंगल गीत गाते हुए तथा भगवान के जयकारों के साथ तीर्थ यात्रा को सुगम बनाने के लिए मंगल कामनाओं के साथ विदा किया गया। इस अवसर पर विजय शंकर सिंह, ब्रह्म प्रसाद शुक्ला, अंबरीश मिश्रा, राधेश्याम मिश्रा, अनिल तिवारी, रामफेर तिवारी, सुशील कांत तिवारी आदि ने विदा किया।

विद्यालय की रसोई से उपकरण चोरी

घूरपुर। क्षेत्र के इरादतगंज स्थित एक विद्यालय की रसोई का ताला तोड़ चोरों ने रसोई से गैस सिलेंडर समेत हजारों कीमत के रसोई के उपकरण चोरों ने पार कर दिया । सोमवार की सुबह जब विद्यालय खोला गया तो चोरी होने की पुष्टि हुई। मामले की शिकायत घूरपुर पुलिस से की गई है। इरादतगंज स्थित जवाहर लाल नेहरू विद्यालय में रात में चोरों ने रसोई का ताला तोड़ अंदर रखे गैस सिलेंडर समेत थाली भगोना आदि कई रसोई के उपकरण चोरों ने पार कर दिया।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया टीएचआर प्लांट का निरीक्षण

फूलपुर विकास खण्ड में कर्मचारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। फूलपुर विकास खण्ड में विकास कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे सीडीओ गौरव कुमार ने मंगलवार को अधीनस्थों संग बैठक कर विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधीनस्थों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विकासपरक योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखने के साथ ही कार्यों को ससमय पुरा करने का निर्देश दिया। प्रत्येक गांव में अमृतसरोवर तालाब पर अधिक से अधिक मजदूरों को काम देने के साथ ही उसे अतिशीघ्र पूर्ण करने को कहा। इस दौरान उन्होंने खोजापुर गांव स्थित टीएचआर प्लांट का भी निरीक्षण किया। सीडीओ के आने की खबर सुन सुबह से ही कर्मचारियों में अफरातफरी का माहोल रहा। मौके पर बीडीओ एचपी वर्मा,एडीओ पंचायत गुलाब चन्द पाण्डेय,एडीओ सहकारिता, एडीओ समाज कल्याण, ग्राम पंचायत अधिकारी धीरेन्द्र कुशवाहा, शशि यादव,अमित सिंह,मनोज वर्मा,अनिल मौर्य तकनीकी सहायक नन्द गोपाल,काशी नाथ, विरेन्द्र,मानिक सिंह, पन्ना लाल प्रजापति सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

फूलपुर विकास खण्ड में अधीनस्थों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की समीक्षा करते सीडीओ

नगर निगम चुनाव में बीजेपी व निषाद पार्टी आमने सामने

झूंसी। यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा से निषाद पार्टी का गठबंधन हुआ था। विधानसभा चुनाव में दोनों पार्टियों ने मिल कर चुनाव लड़ा था वही नगर निगम चुनाव में कुछ सीटो पर दोनों पार्टियां आमने सामने चुनाव मैदान में है। प्रयागराज में निषाद पार्टी ने चार पार्षद प्रताशियो को चुनाव मैदान में उतारा है उन सीटों पर बीजेपी के भी प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष राम टहल निषाद ने जानकारी देते हुए बताया कि छतनाग वार्ड 45 से पूर्व जिला पंचायत सदस्य शिवनारायण यादव उर्फ धुन्नू, वार्ड 84 से सुषमा देवी, 85 से मेनका निषाद, 89 से अनिता निषाद को पार्षद पद का प्रत्याशी घोषित किया है। इसी तरह लखनऊ, गोरखपुर, जालौन, वाराणसी, आगरा में भी निषाद पार्टी चुनाव मैदान में है। जिला अध्यक्ष ने बताया कि निषाद पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन बरकरार है। पंचायत चुनाव में भी दोनों पार्टियां आमने-सामने चुनाव लड़ चुके हैं। वही टिकट न मिलने से कई दावेदार बागी होकर निर्दल मैदान में ताल ठोक रहे है।

न्यूज झरोखा

भगवान श्रीराम के चरित्र को सुनाना, समझना, आत्मसात करना बहुत आवश्यक : रसराज मृदुल महाराज

जंघई। गरियांव गांव में मुख्य यजमान शोभनाथ मिश्र के निवास पर 9 दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा वेदी पूजन, कलश स्थापना एवं तुलसी महात्म्य चरित्र से शुभारंभ हो गया। महिलाएं अपने सिर पर मंगल कलश रखकर डीजे, बैंडबाजों और ढोल नगाड़ों के साथ पूरे गांव में परिक्रमा करते हुए कथा स्थल पहुंची। कथा के प्रथम दिवस में कथा वाचक ब्रहास्त्र विद्या शक्ति पीठाधीश्वर अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता रसराज मृदुल जी महाराज श्री धाम वृंदावन ने मंगलाचरण के बाद कथा के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया कि भगवान श्री राम के चरित्र को सुनाना, समझना तथा आत्मसात करना समाज के लिए बहुत आवश्यक है भगवान राम की कथा सुनने तथा उसे आत्मसात करने के बाद व्यक्ति के मन से हर प्रकार की शंका स्वतः ही दूर हो जाती है, यह भूमि तुलसी की जन्मभूमि है जिन्होंने रामचरितमानस लिखी। कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने प्रारंभ में गुरु के चरणों की रज की वंदना की है। अतः गुरु सर्वश्रेष्ठ है इस जगत में ब्रह्मा विष्णु और महेश के साक्षात स्वरूप गुरु को ही कहा गया है ।रामचरितमानस की सुंदर और मधुर चौपाइयां सुनकर श्रोता भाव विभोर नजर आए। कथा के पश्चात आगंतुकों का स्वागत करते हुए आयोजक भरत मिश्र एवं परिजनों द्वारा आरती प्रसाद वितरण किया गया ।इस अवसर पर जटाशंकर मिश्र, रमेश कुमार मिश्र, दिनेश कुमार मिश्र, अशोक कुमार मिश्र, आशीष मिश्र, उत्तम मिश्र, अंकित, आलोक, मध्यम, श्लोक, उत्सव, शुभम, कुशल, आयुष, कृष्णा, यश, समीक्षा, स्वीटी, मुक्ता, सनाया, रिद्धि, सिद्धी मिश्र सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे।

आग से खलिहान में रखी गेहूं की फसल खाक

लेड़ियारी। यमुनानगर के खीरी थानान्तर्गत किहुनी कलां ग्राम मे सोमवार की रात एक किसान के खलिहान में अचानक आग लग जाने से खलिहान में रखा 8 बीघे गेहूं का फसल जलकर खाक हो गया । आग की लपट देखकर गांव तथा पास पड़ोस के लोगों द्वारा शोर मचाया गया `ग्राम वासी जब तक दौड़कर फसल को बचाने का प्रयास करते `उसके पहले आखों के सामने देखते पूरी फसल जलकर राख हो गई । पीड़ित किसान ने शंका जाहिर करते हुए गाँव के ही दो लोगों के खिलाफ खीरी थाने में तहरीर दी है। पीड़ित किसान कमला शंकर तिवारी पुत्र स्व.संगम लाल तिवारी निवासी ग्राम किहुनी कलां के अनुसार उसके खलिहान में बीती रात सोमवार को लगभग 12 बजे अचानक किसी ने आग लगा दियो आग की लपटें इतनी तेज थी कि देखते ही देखते सब कुछ स्वाहा हो गया। पीड़ित का पूरा परिवार घटना से काफी दुः खी है । खीरी पुलिस का कहना है कि वह तहरीर के आधार पर जांच कर रही है ।

बच्चों को निपुण बनाने के लिए सभी शिक्षक हों समर्पित

बारा/लालापुर। शिक्षक संकुल परसरा की मासिक बैठक उच्च प्राथमिक विद्यालय तातारगंज, जसरा, प्रयागराज में विद्यालय के प्रधानाध्यापक शंकर चंद्र द्विवेदी के संयोजकत्व में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना से हुआ ।सत्र आधारित बैठक में संकुल के सभी विद्यालयों के अध्यापकों ने प्रतिभाग किया ।बैठक की पृष्ठभूमि के विषय में डा०रवि शिवम् द्विवेदी ने प्रकाश डाला। विद्यालय के छात्र अभिषेक भारतीय ने प्रेरणा गीत प्रस्तुत किया ।कक्षा में दीक्षा एप व रीड एलांग एप के प्रयोग पर नीरू सिंह ने हिन्दी शिक्षण योजना ममता गुप्ता ने गणित शिक्षण योजना जितेन्द्र कुमार शर्मा ने अकादमी प्रयासों पर अनुभव अलका शर्मा ने प्रस्तुत किया। निपुण विद्यालय की कार्ययोजना व लक्ष्य प्राप्त करने की योजना पर विस्तार से प्रकाश एआरपी प्रमोद कुमार मिश्र ने डाला था। बैठक में प्रमुख रूप से शिवकुमारी, रमाशंकर त्रिपाठी, पवित्र कुमार, रंजना यादव, अवधेश कुमार, शोभाराम, अरूण कुमार यादव, विनोद कुमार यादव,नाहिद सुल्ताना, अभिषेक कुमार, कमलेश कुमार, पल्लवी त्रिपाठी गुरूदयाल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भारतेन्द्र त्रिपाठी ने किया।

सांस्कृतिक समारोह में नवाजी गईं बाल प्रतिभाएं

अखंड भारत संदेश

करछना। क्षेत्र के देवरी कलां स्थित पं.बद्री प्रसाद मिश्र इण्टर कॉलेज में आयोजित सांस्कृतिक समारोह के दौरान बच्चों ने खूब समां बांधी ।विगत दिनों विद्यालय में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के जूनियर और सीनियर वर्ग के स्थान प्राप्त बाल प्रतिभाओं को मंच पर पुरस्कृत और सम्मानित किया गया ।बतौर मुख्य अतिथि मौजूद ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन कर बच्चों में बौद्धिक क्षमता, तर्क शक्ति बढ़ाने और प्रतिभाओं को तराशने के साथ साथ सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़े रखने पर विशेष शैक्षिक माहौल तैयार होता है। उन्होंने समय समय पर ऐसे आयोजन किये जाने हेतु विद्यालय परिवार की प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि पूर्व मुख्य महाप्रबंधक रिपुंजय नारायण तिवारी ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रसंशा करते हुए आयोजन की सराहना की। इसके पूर्व संजना, मानसी, रिया, नव्या द्वारा प्रस्तुत वाणी वंदना से शुरू हुए कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने राष्ट्रीय गीत, लोकगीत, भजन, भाषण और लोकनृत्य की प्रस्तुतियों पर खूब वाहवाही लूटी। शिवानी, जागृति, नैन्शी, राधिका, साक्षी ने देश मेरा रंगीला गीत पर खूब तालियां बटोरी। आयूष, अंश,अंकित आभाष और साथियों की प्रस्तुतियां खूब सराही गई। इसके उपरांत सामान्य ज्ञान सीनियर वर्ग प्रतियोगिता के प्रथम द्वितीय एवं तृतीय विजेता अनिल निषाद, हिमांशु पाण्डेय,यशस्वी शुक्ला को क्रमशः रेंजर साइकिल, लगेज बैग और स्टापवाच एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। जूनियर वर्ग में भी पार्थ पाण्डेय, मांसी सिंह और शिवजी यादव को भी इसी तरह पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा भी प्रधानाचार्य द्वारा दोनों वर्गों में 51-51प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य कृष्णचन्द्र शुक्ल और संचालन मशहूर हास्य कवि अशोक बेसरम ने किया। आलोक शुक्ल ने सभी के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया। इस मौके पर प्रबंधक निर्मल शुक्ल, गुलाब चन्द शुक्ल, ओपी मिश्रा, घनश्याम तिवारी, प्रेमचंद मिश्र, मानेंद्र शुक्ल, मनोज पाण्डेय, राजन शर्मा, विजय गुप्ता, शिव बहादुर पटेल, रामबाबू मिश्र, रामजी यादव, राम सहाय पाण्डेय, रमाकांत निषाद, समेत शिक्षक, अविभावक और बच्चे मौजूद रहे।

बिजली की भारी कटौती से, आम लोग गर्मी से बेहाल

सहसों। प्रचंड धूप व गर्मी के बीच बिजली की भारी कटौती से आम लोगों के जन जीवन पर गहरा असर पड़ रहा है। स्थानीय उप केंद्र सहसों मलावां,थानापुर, उमरी से जुड़े गांव में देर रात नींद आते ही बिजली चली जाती है। किसानों की माने तो जहां एक ओर जन जीवन पर असर पड़ा है वहीं हरी सब्जी, मूंग, उड़द व मवेशियों के लिए रोपित चरी की सिंचाई नहीं हो पा रही है। किसानों ने बताया कि दिन में प्रचंड गर्मी से फसलों की सिंचाई ना होने के कारण हानिकारक हो रहा है। देर रात मौसम ठंडा होने पर लोग कुछ राहत की नींद लेते हैं। परंतु हरी सब्जी के साथ दलहन की फसलों की हरियाली सिंचाई से ही संभव है। बिजली की कटौती से रमजान के महीने में रोजेदारों के सामने भी संकट उत्पन्न हो गया है। बिजली व पानी की आपूर्ति ठीक ढंग से न होने से आम लोग परेशान हैं। इस बाबत स्थानीय अधिकारियों से जानने की कोशिश की गई तो बताया गया कि बिजली आपूर्ति का रोस्टर व कटौती स्थानीय स्तर पर तय नहीं हुआ करती। मैसेज आते ही उसका अनुपालन किया जाता है।

शुआट्स में पांच दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन

नैनी। सैम हिंगिनबॉटम विश्वविद्यालय के बायोकेमिस्ट्री एवं बायोकेमिकल इंजीनियरिंग विभाग के द्वारा पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है जो 17अप्रगैल से 21 अप्रैल तक चलेगी । इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों और छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यशाला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉक्टर सयैद इब्राहिम रिजवी (डायरेक्टर, रिसर्च एवं डेवलपमेंट, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) ने विभिन्न प्रकार के बेसिक एक्सट्रैक्शन टेक्निक्स के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए ये बताया की किस प्रकार से ये टेक्निक्स मॉर्डन साइंस के प्रचार और प्रसार में योगदान दिया। सैम हिंगिनबॉटम विश्वविद्यालय के ही डायरेक्टर रिसर्च डॉक्टर शैलेश मार्कस जी इस बात की गहन विवेचना करते हुए ये बताया किस प्रकार से ये विभिन्न प्रकार की बेसिक एक्सट्रैक्शन टेक्निक्स कृषि संबंधित गुणवत्ता अनुसंधान में सहायता प्रदान करती है। डॉक्टर सुशील कुमार (मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद) ने अलग अलग प्रकार के उच्चीकृत एक्सट्रैक्शन टेक्निक्स का उद्योग संबंधित अनुसंधान के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा किया। बायोकेमिस्ट्री एवं बायोकेमिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर वीरू प्रकाश ने अतिथियों का स्वागत करते हुए इस इस बात पर प्रकाश डाला की किस प्रकार से ये बेसिक एक्सट्रैक्शन टेक्निक्स नए वैज्ञानिकों के लिए महत्वपूर्ण है। आयोजन सचिव डॉक्टर अभिषेक शरण ने कार्यशाला के उद्देश्य पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रीना लॉरेंस के द्वारा किया गया एवं डॉक्टर यशोधरा वर्मा ने इस कार्यशाला के आयोजन में सम्मलित सभी लोगो को धन्यवाद प्रेषित किया। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह के अवसर पर डॉक्टर रुबीना लारेन्स (एसोसिएट डीन, शैक्षणिक) डॉक्टर आलोक मिल्टन लाल, डॉक्टर कपिल लॉरेंस, डॉक्टर सुषमा ,डॉक्टर राजीव कांत , डॉक्टर प्रगति मिश्रा, डॉक्टर शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, डॉक्टर अखिलेश बिंद एवं डॉक्टर देवेंद्र प्रसाद मौर्य भी मौजूद थे। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में छात्रों और छात्राओं पूरे उत्साह और जिज्ञासा के सम्मिलित हुए।

पुलिस किशोरी के अपहरण का पता लगाने में नाकाम

मऊआइमा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासिनी एक किशोरी को पचीस दिन पूर्व दूसरे गांव का युवक बहला फुसलाकर कर अपहरण कर ले गया । किशोरी की माता ने 21 मार्च को दो के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया था ।लेकिन मऊआइमा पुलिस आज तक अपहरण किशोरी का पता लगाने में नाकाम रही। मऊआइमा के पूरे रूद्वशाह घीनपुर निवासनीय एक महिला का आरोप है कि उसकी सोलह वर्षीय पुत्री को सराय खान देव निवासी सोनू पासी पुत्र गामा पासी, उसका मित्र सूरज धोबी पुत्र जिलाजी बहलाफुसला कर भगा ले गए हैं। महिला ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा रखा है। अपहृत किशोरी की माता ने आला अधिकारियों को तहरीर देकर कहा है उसकी बेटी का सोमवार को सुबह फोन आया कि उसे कानपुर देहात थाना क्षेत्र के ग्राम रनिया में एक कमरे में बंधक बनाकर कर रखा गया है और निरंतर दुराचार किया जा रहा है। महिला का आरोप है कि उसकी बेटी का जीवन संकट में है। मऊआइमा थाने में निरंतर फरियाद करने के बावजूद आज तक कोई सुनवाई नहीं हो रही है। महिला की नाबालिग पुत्री ने एक आडियो भी जारी की है।

कालेज के प्रबंधक को मिली जान से मारने की धमकी

मऊआइमा। मऊआइमा के इन्दिरा गांधी इंटर मीडिएट कालेज के प्रबंधक ने कतिपय लोगों पर गालियां देने और जान से मारने की धमकी देते हुए पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बेनी हासिमपुर जाम्हा में स्थित इन्दिरा गांधी इंटर मीडिएट कालेज के प्रबंधक शैलेश द्विवेदी का आरोप है कि विधालय परिसर में गेंहू काटने से मना करने पर कतिपय लोगों ने उन्हें गालियां दी और जान से मारे की धमकी भी दिए। प्रबंधक शैलेश द्विवेदी ने बेनीपुर निवासी हेमराज, हेमराज की पत्नी नाम अज्ञात, दुर्गावती, राहुल द्विवेदी, राजीव के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

शंकरगढ़ : चेयरमैन पद के सभी दावेदारों का पर्चा वैध, सभासद के तीन प्रत्याशियों का पर्चा खारिज

भाजपा, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी के साथ तीन निर्दल प्रत्याशी

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। नगर निकाय चुनाव के प्रथम फेज में होने वाले चुनाव के नामांकन के बाद मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच की गई। नगर पंचायत शंकरगढ़ से अध्यक्ष पद के लिए छह लोगों ने नामांकन किया था और मंगलवार को की गई नामांकन पत्रों की जांच में सभी फार्म वैध पाए गए हैं। नामांकन पत्र वैध पाए जाने के बाद अब शंकरगढ़ में भाजपा प्रत्याशी अंजू देवी, समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी कंचन कुमारी, आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी शिखा समद्दार के अलावा तीन निर्दल प्रत्याशी के रूप में कुसुम कली, पार्वती और लीला देवी चुनाव मैदान में हैं।

अध्यक्ष पद के अलावा सभासद के लिए दाखिल सभी पर्चों की जांच की जा रही थी। जांच के दौरान कुछ पर्चों में खामी मिली है, जिसकी जांच की गई। अंत में वार्ड दो से खुर्शीद, वार्ड 12 से सुनील केसरवानी और समेत तीन लोगों का पर्चा खारिज हुआ है। शंकरगढ़ के दर्जनभर वार्ड सभासद के लिए कुल 63 लोगों ने सोमवार को अंतिम दिन नामांकन किया था। इसमें वार्ड संख्या एक से चार, वार्ड दो से आठ, तीन से तीन प्रत्याशी, वार्ड चार से छह, पांच से चार, वार्ड छह से दो प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

इसी तरह वार्ड संख्या सात से कुल नौ प्रत्याशी, वार्ड संख्या आठ से छह, वार्ड संख्या नौ से पांच, दस से छह, वार्ड संख्या 11 से तीन और वार्ड संख्या 12 से सात दावेदार नामांकन के लिए बारा तहसील पहुंचे थे। आज नामांकन पत्रों की जांच के बाद 20 अप्रैल को नाम वापसी होगी और 21 अप्रैल को प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह दिया जाएगा। इसके बाद मतदान चार मई और मतगणना 13 मई को पूरे प्रदेश में एक साथ होगी।

बीजेपी : नगर पंचायत शंकरगढ़ से अंजू को मिला टिकट, वार्ड सभासदों के भी नाम हुए जारी

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने नगर पालिका और नगर पंचायत के प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। जनपद प्रयागराज में यमुनापार और गंगापार में चार-चार नगर पंचायतों के चेयरमैन और सभासद के प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए हैं। भारतीय जनता पार्टी, काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल की तरफ से जारी की गई सूची में यमुनापार के शंकरगढ़ नगर पंचायत से अंजू (पत्नी लवलेश) को प्रत्याशी बनाया गया है। यहां की सीट अनुसूचित जाति महिला के आरक्षित की गई है। नगर पंचायत शंकरगढ़ की सीट के सामान्य होने का अनुमान लगाया जा रहा था, लेकिन पिछले चुनाव की तरह इस वर्ष भी चक्रानुक्रम आरक्षण के तहत यहां की सीट सामान्य के खाते में नहीं आ पाई। जबकि इसे लेकर कई आपत्तियां भी दाखिल की गई थीं। बहरहाल नगर पंचायत शंकरगढ़ से चेयरमैन के पद पर भाजपा के

प्रत्याशी का नाम घोषित होने के बाद अब सारी चर्चा अन्य प्रत्याशियों के साथ मुकाबले पर टिक गई है। नगर पंचायत शंकरगढ़ के वार्ड सभासदों की भी सूची भाजपा की तरफ से जारी की गई है। वार्ड संख्या एक चिकान टोला से पूजा साहू, वार्ड दो चमरौटी टोला से मसुरियादीन वर्मा, वार्ड तीन गुड़िया तालाब से मीना आदिवासी, वार्ड चार लाला का पुरवा से विजय कुमार वर्मा, पांच मोटियान टोला से ज्योति कनौजिया, वार्ड छह धरमनगर से रामपाल, सात मोदीनगर से सतीश कुमार विश्वकर्मा, वार्ड आठ पटेलनगर से अनुपम पटेल, नौ राजा कोठी से सतीश कुमार त्रिपाठी, वार्ड 10 हज्जी टोला से रंगीता केसरवानी, वार्ड 11 सदर बाजार से वैशाली केसरवानी और वार्ड 12 सिंधी टोला से रीता केसरवानी को प्रत्याशी बनाया गया है।

नरसिंह केसरी को पुनः भाजपा उम्मीदवार बनाए जाने पर कार्यकताओं में उत्साह

विधायक राजमणि कोल समेत संगठन के पदाधिकारियों ने दी बधाई

पसना। नगर पंचायत कोरांव से नरसिंह केसरी को भाजपा द्वारा पुनः उम्मीदवार बनाए जाने पर कार्यकताओं में उत्साह देखा जा रहा है। नरसिंह केसरी उर्फ गोपाल जी को पुनः उम्मीदवार बनाए जाने पर विधायक राजमणि कोल ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व एवं स्थानीय पदाधिकारियों के प्रति आभार ज्ञापित किया है। भारतीय किसान संघ काशी प्रांत के प्रांत मंत्री भोला सिंह ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा निवर्तमान चेयरमैन नरसिंह केसरी को उम्मीदवार बनाए जाने पर बधाई दी है। ज्ञातव्य हो कि नगर पंचायत कोरांव की सीट पर भारतीय जनता पार्टी को नरसिंह कुमार केसरी ने ही जीत दिलाई थी। जिससे संगठन ने पुनः उन्हीं पर भरोसा जताते हुए दोबारा उम्मीदवार बनाया है। नगर पंचायत कोरांव सीट पर जैसे ही उम्मीदवार की घोषणा हुई वैसे ही विधायक राजमणि कोल के आवास पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं पदाधिकारियों का बधाई देने के लिए तांता लग गया। सभी कार्यकताओं ने पुनः नरसिंह कुमार केसरी को उम्मीदवार बनाए जाने पर विधायक राजमणि कोल समेत संगठन के शीर्ष नेताओं के प्रति आभार जताया है। उम्मीदवार बनाए जाने पर बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से विधायक पीआरओ रामाश्रय शुक्ल, मंडल अध्यक्ष संजय सिंह पटेल, मंडल अध्यक्ष रवि द्विवेदी, मंडल अध्यक्ष रेवती पाल, सभासद उम्मीदवार शैलेश सिंह शैलू, राजू केसरी, आनंद केसरी, जगदीश प्रसाद केसरी, अखिलेश जायसवाल, घनश्याम स्वर्णकार, सचिन केसरी, धीरज सागर, रामबाबू केसरवानी समेत नगर के व्यापारियों ने बधाई दी है।

निकाय चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों को विजय श्री दिलवाएं

प्रतापपुर। हंडिया से फूलपुर जाते समय प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का वारी चौराहे पर भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं द्वारा मंगलवार को भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष प्रयागराज कुंवर वीके सिंह एवं संचालन बरियावां प्रधान राजीव दुबे मटरू ने किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि 2024 तक देश के सभी घरों तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य सरकार ने लिया है सभी को शुद्ध पेय जल पहुंचेगा केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार लगातार जल संरक्षण को लेकर के प्रयासरत है ताकि बरसात के पानी को संरक्षित किया जा सके। जल की समस्या को दूर किया जा सके क्योंकि जल संरक्षण से जीवन संरक्षित होता है। इसीलिए आप सभी लोग अपने आसपास तालाबों में जल संरक्षित करने का प्रयास करें इसके लिए सरकार भी लगातार प्रयासरत है। उन्होंने नगर पंचायत चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों को विजयी बनाने की अपील किया? इस अवसर पर अश्विनी द्विवेदी जिलाध्यक्ष भाजपा गंगापार, ब्लॉक प्रमुख प्रतापपुर शैलेश यादव, मनोज निषाद महामंत्री गंगापार, अजय पांडेय, बिंदू सिंह, हरिभूषण सिंह, राजकुमार पटेल, बब्बू शुक्ला, अशोक दुबे, जितेन्द्र दुबे, बबलू सिंह, बबलू पांडेय, संतोष पाठक, राजा मौर्या, शुभम शुक्ला, मनीष केसरवानी, दीपक सिंह, मनीष तिवारी, प्रवीन सिंह, पंकज दुबे, मुन्ना तिवारी, बबलू गुप्ता, रजत सिंह, दिनेश सिंह, रिंकू सिंह, उदयराज गौतम प्रधान वारी, रामलाल पाल प्रधान पूरेमिश्र, आशुतोष सिंह अंबुज, मनीष दुबे, किशन पाठक, बृजेश यादव शेरा, अनुराग शुक्ल, सनी तिवारी, विकास मिश्रा, सूरज मिश्रा, मोनू तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

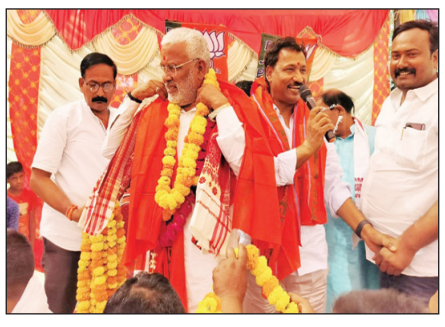

जंघई जंक्शन आरक्षण केंद्र पर अव्यवस्था, टिकट न मिलने से यात्रियों में आक्रोश

जंघई। रेलवे स्टेशन जंघई जंक्शन प्रयागराज, भदोही, जौनपुर की सीमा पर स्थित है यहां प्रतिदिन देश के विभिन्न हिस्सों के लिए रोज ट्रेन से आवागमन करते हैं। लंबी दूरी की यात्रा करने के लिए जब यात्री रेलवे स्टेशन जंघई आरक्षण केंद्र पर टिकट लेने जाते हैं तो काउंटर नंबर 1142 लगभग एक वर्ष से रेल अधिकारियों की उदासीनता के कारण बंद होने से टिकट नहीं मिल पाता ।विगत एक वर्ष से दो आरक्षण काउंटर में से एक को विभाग ने बंद कर दिया है ।देश के कोने कोने तक आने जाने के लिए जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन यात्रियों के लिए एक बड़ा विकल्प है। यहां की सालाना आय लगभग एक सौ करोड़ रुपये से अधिक की है। आरक्षित टिकट का एक काउंटर बंद हो जाने से आये दिन यात्रियों में धक्कामुक्की आम बात हो गई है ।जबकि उच्चाधिकारियों द्वारा कर्मचारियों का अभाव बताया जा रहा है ।टिकट आरक्षण एक ही खिड़की नंबर 1143 खुलने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है 24 घंटे पूर्व लाइन लगाकर खड़े लोगों को अधिक भीड़ होने के कारण सुबह टिकट नहीं मिल पाता ।बंद आरक्षण टिकट काउंटर 1142 खोले जाने के लिए जब सीएमआई वाराणसी से बात की गई तो वे विगागीय रेलकर्मियों की कमी बता कर पल्ला झाड़ लिया गया ।जनकल्याण सेवा संघ के संस्थापक रोहित ब्राह्मण ने कहा कि यदि आरक्षण काउंटर 1142 शीघ्र नही खोला गया तो वे साथियों के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने को मजबूर होंगे।

खबर संक्षेप

स्वतंत्र देव सिंह ने दिया जीत का मंत्र, कहा- मेयर कैसा होना चाहिए, अभिलाषा ने काम करके दिखाया

प्रयागराज। नगर निकाय चुनाव में सफलता पाने के लिए मंगलवार को भाजपा के द्वारा निकाय चुनाव प्रत्याशी परिचय सम्मेलन एवं संवाद का आयोजन किया गया। राजापुर के बहुगुणा मार्केट के नजदीक (सर्किट हाउस के सामने) आयोजित विशाल कार्यक्रम को बतौर चीफ गेस्ट जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने संबोधित किया। प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा, भाजपा के लिए राष्ट्रवाद और देश सर्वप्रथम है। हम सभी जनता के सेवक हैं और नगर निकाय चुनाव में सफलता अर्जित करने के लिए पूरे मनोयोग से जुट जाएं और विकास के रथ को आगे बढ़ाने का काम करें। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद आप सभी प्रत्याशी पार्षद और मेयर बनेंगे, लेकिन उसके पहले आपको जनता के बीच जाना होगा और उनसे मिलकर अपनी प्राथमिकताएं गिनानी होंगी। निवर्तमान मेयर अभिलाषा गुप्ता नंदी के कार्यकाल की सराहना करते हुए स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि शहर का मेयर कैसा होना चाहिए, यह हम सभी को अभिलाषा गुप्ता से सीखने की जरूरत है। अभिलाषा गुप्ता ने कार्य करके दिखाया है। शहर को स्मार्ट बनाया।

नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु आरओ एवं एआरओ का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

संगम सभागार में मंगलवार को जिलाधिकारी/ जिलानिर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन आरओ एवं एआरओ के प्रशिक्षण का चल रहा कार्यक्रम

प्रयागराज। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु आरओ एवं एआरओ का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी आरओ एवं एआरओ को निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्धारित किये गये दिशा निदेशों का अक्षरशः पालन करते हुए निर्वाचन प्रकिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने जाने के लिये कहा, उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में बतायी गयी जानकारी को ध्यान में रखे। उन्होंने कहा कि जितनी सूक्ष्मता एवं गहनता से जानकारी प्राप्त करेगें उतनी ही असानी से निर्वाचन प्रक्रिया को सकुशल, ढंग सम्पन्न करा सकेगें। इस अवसर पर एडीएम वित्त एवं राजस्व श्री जगदम्बा सिंह तथा सभी आरओ एवं एआरओ गण उपस्थित रहे।

ब्यूटी पार्लर संचालिका ने किया सुसाइड

प्रयागराज। बीती रात एक ब्यूटी पार्लर संचालिका ने गमछे के फंदे से फांसी लगा लिया। घरवाले उसे फंदे से उतार कर अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान एसआरएन अस्पताल में मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि डेढ़ साल पहले मृतका के भाई की हत्या हो गई थी। जिसके दो आरोपी जमानत पर जब से बाहर आए हैं, लगातार मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। धमकी दे रहे हैं। जिसकी वजह से मृतका बहुत परेशान थी। पुलिस ने आरोप के आधार पर जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। नगर के मुट्ठीगंज थाना के सालिकराम मंडी मोहल्ला निवासी नरेंद्र कुमार जायसवाल प्राइवेट काम कर-के परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनके तीन बच्चे थे। दो बेटों के बीच इकलौती बेटी शालू जायसवाल (22) पढ़ाई करने के बाद ब्यूटी पार्लर चलाती थी। 17 अप्रैल की रात में खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में गई। रात में 11 बजे के आस पास मां रेनू जायसवाल ने उसके कमरे से अजीब सी आवाज सुनी। ऐसा लग रहा है जैसे उसका कोई गला दबा रहा हो।रेनू ने खिड़की से अंदर देखा तो शालू पंखे के चुल्ले में गमछे के फंदे से लटक रही थी। रेनू चीखी तो घरवाले दौड़ाकर पहुंचे। किसी तरह से दरवाजा खोलकर उसे नीचे उतारा और एसआरएन अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान 18 अप्रैल को उसकी मौत हो गई। जिससे घर में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया।

राजस्थान के ट्रक मालिक की हत्या,पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाने से मौत की पुष्टि

प्रयागराज। 15 अप्रैल को मृत मिले ट्रक मालिक की गला दबाकर हत्या की गई थी। दो डाक्टरों के पैनल ने मंगलवार को वीडियोग्राफी के साथ शव को पोस्टमार्टम किया। जिसमें गला घोट कर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई। मृतक के भाई ने आरोप लगाया है कि उसके भाई के पास 30 हजार रुपए नकद, एटीएम कार्ड और पर्स था। जो गायब है। आशंका है कि लूट की नियत से उसकी हत्या की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। **कोटा राजस्थान से मुर्गी दाना लादकर जा रहा था पटना :** राजस्थान के सवाई माधू सिंह अंतर्गत रामडीह, मान टाउन आसाराम मीणा (42) पुत्र सीताराम मीणा दो भाइयों में बड़ा था। उसके छोटे भाई प्रेम राम मीणा ने बताया कि उसके एक बेटा और एक बेटी है। वह अपना ट्रक खरीद कर स्वयं चलाता था। 15 अप्रैल को आसाराम मीणा कोटा राजस्थान से मुर्गी दाना लादकर अकेले ही पटना बिहार जा रहा था। 15 अप्रैल को प्रयागराज के वाराणसी हाईवे पर बरौत पुलिस चौकी के पास उसका ट्रक लावारिस हालत में खड़ा मिला था। कुछ दूर नाले में उसकी लाश पड़ी थी।मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे उसके भाई प्रेम राम मीणा और अन्य लोगों ने उसकी शिनाख्त की। उसके बाद डॉक्टरों ने वीडियोग्राफी के मध्य उसकी लाश का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें गला दबाने से उसकी मौत की पुष्टि हुई। प्रेम राम मीणा ने बताया कि उसका भाई घर से खर्च के लिए 30 हजार रुपए लेकर निकला था। उसके पर्स में एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड था। जिनमें से कुछ भी नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद पता चलेगा कि हत्या की वजह क्या है।

शाइस्ता की तलाश में प्रयागराज में दबिश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रहे आरोपी गुड्डू मुस्लिम के घर पर बुलडोजर चल सकता है। प्रयागराज प्राधिकरण ने गुड्डू के घर पर एक नोटिस चस्पा किया है। नोटिस में गुड्डू मुस्लिम को सरेंडर करने के लिए 18 अप्रैल तक का समय दिया गया है। नोटिस के अनुसार 18 अप्रैल तक सरेंडर नहीं हुआ तो प्राधिकरण घर गिरा देगा। गुड्डू मुस्लिम पर 5 लाख का इनाम है। उधर, अतीक की पत्नी 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन के छुपे होने की सूचना पर धूमनगंज के मरियाडीह व भरेठा में पुलिस ने दबिश दी है।हालांकि इससे पहले दावा किया गया था कि गुड्डू मुस्लिम की लोकेशन पुलिस को मिल गई है। उसकी अंतिम लोकेशन कर्नाटक में मिली थी। जिसके बाद एसटीएफ की टीम उसे पकड़ने के लिए नासिक से कर्नाटक गई थी। एसटीएफ की टीम ने गिरफ्तार के लिए इलाके की घेराबंदी भी करनी शुरू कर दी थी।गुड्डू मुस्लिम की तलाश यूपी पुलिस को उमेश पाल की हत्या के बाद से ही है। उमेश पाल की हत्या बीते 24 फरवरी को प्रयागराज में कर दी गई थी। इस हत्याकांड के बाद से ही लगातार छापेमारी जारी है लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

अतीक के वकील ने कहा-अशरफ ने बताया था जान का खतरा : 28 मार्च को अशरफ को बरेली जेल प्रयागराज की एमपी एमएलए कोर्ट लाया गया था। इस दौरान अशरफ ने कहा था, मुझे एक अधिकारी ने धमकी दी है। उसने कहा कि दो हफ्ते के बाद किसी बहाने से निकाला जाएगा और निपटा दिया जाऊंगा। मुझ पर लगे आरोप फर्जी हैं। यह मुझे, मेरे परिवार को और यूपी सरकार को बदनाम करने की साजिश है।

लेटर में क्या लिखा, मुझे जानकारी नहीं : अब इस मसले पर अतीक के वकील विजय मिश्रा ने कहा कि जेल में मुलाकात के दौरान मुझसे भी अशरफ ने ऐसा कहा था। हालांकि वो लेटर किसके पास है, क्या लिखा है, इसकी मुझे जानकारी नहीं है। विजय के मुताबिक अशरफ को शक था कि ये सब कौन करवाने वाला है, लेकिन उसने उस आदमी का नाम नहीं लिया। विजय ने आगे बताया कि जब वो जिला जेल बरेली अशरफ से मिलने गए थे तो उन्होंने इस घटना के बारे में अशरफ से पूछा था। विजय के मुताबिक अशरफ ने उनसे कहा था, आप मेरे वकील हैं। मैं आपको नहीं बताऊंगा। आपको परेशानी हो सकती है। लेकिन मुझे धमकी पुलिस लाइन में दी गई थी।

गुड्डू मुस्लिम के घर पर चल सकता है बुलडोजर

अतीक का साबरमती जेल से किया चैट हो रहा वायरल, बोला-

इंशाअल्लाह सबका हिसाब होगा । अतीक अहमद का एक वॉट्सऐप चैट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अतीक के इस चैट को देखने से साफ पता चलता है कि यह धमकी से भरा चैट है। इसमें वह एक बिल्डर को धमकाते हुए लिखता है कि समय बदलेगा और हम फिर देंखेंगे। चैट में लिखा है कि ये सब कुछ पुलिस के शह पर ही हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि चैट 7 जनवरी 2023 का है। जो साबरमती जेल से किया गया है। हालांकि दैनिक भास्कर इस चैट की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। चैट में एक बिल्डर से अतीक पैसे वापस देने को कहता है और धमकी वाले शब्दों का इस्तेमाल भी करते देखा जा सकता है।

चैट में हिसाब करने की बात :

अतीक अहमद ने बिल्डर को धमकाते हुए इस चैट में लिखा, बहुतों ने हमसे पूरे इलाहाबाद में फायदा उठाया, पर सबसे ज्यादा तुम्हारे घर ने। हमारे खिलाफ आज लिखा रहे हैं। ये सब पुलिस के शह पर काम हो रहा है। पुलिस ने शह देना बंद कर दिया...। आपको आखिरी बार समझाता हूं। समय जल्दी बदलेगा। मैंने तो सब्र किया लेकिन मेरा कोई लड़का न तो डॉक्टर बनेगा और न ही वकील। केवल हिसाब होना है। जल्दी हिसाब शुरू करुंगा, इंशाअल्लाह।

शाइस्ता का खत हो रहा वायरल, सीएम से जताई थी बेटों के एनकाउंटर की आशंका

उमेश पाल की हत्या के ठीक 3 दिन बाद 27 फरवरी 2023 को अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन ने उट योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखा था। अब यह पत्र सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें शाइस्ता ने लिखा था- उमेश पाल हत्याकांड से उसके परिवार का कोई लेना-देना नहीं है। उनके दो नाबालिग बेटों को पुलिस कई दिन से उठाए है। उनके बच्चों की जान को खतरा है। पुलिस उनके बेटों का एनकाउंटर कर सकती है। पति अतीक अहमद और देवर अशरफ की पुलिस जेल में ही हत्या करा सकती है। शाइस्ता ने सीएम से इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की थी।

सबसे बड़ा सवाल, कहां हैं हमलवारों के फोन

बिना मोबाइल कैसे मिली दोनों भाइयों की लोकेशन

प्रयागराज। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या में रोजाना चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। नया खुलासा यह है कि देश भर में चर्चित इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले शूटरों के पास मोबाइल तक नहीं था। पुलिस को उनके पास से कोई मोबाइल नहीं मिला है। सवाल यह है कि आखिर मोबाइल नहीं होने के बावजूद उन्हें माफिया भाइयों की लोकेशन आखिर कैसे मिली।पुलिस ने तीनों शूटरों से जो बरामदगी दिखाई है, उनमें तीन पिस्टल हैं। मोबाइल के संबंध में कोई जिक्र नहीं है। सवाल यह है कि आखिर यह कैसे हो सकता है कि कासगंज, बांदा और हमीरपुर जनपदों के रहने वाले शूटरों के पास मोबाइल न हो। वह बिना मोबाइल के प्रयागराज आए हों, इसकी भी संभावना न के बराबर है। प्रयागराज से उनका कोई कनेक्शन कभी नहीं रहा, यह बात तीनों के घरवाले भी बता चुके हैं। यह भी बताया कि तीनों कभी प्रयागराज नहीं गए। ऐसे में तीनों के यहां बिना मोबाइल के आने की बात गले नहीं उतरती। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर उनके पास मोबाइल फोन नहीं था, तो उन्हें कैसे पता चला कि अतीक व अशरफ कॉल्विन अस्पताल पहुंचने वाले हैं।

लवलेश, सनी, अरुण, प्रतापगढ़ जेल भेजे गए तीनों हत्यारोपी

नैनी जेल से प्रतापगढ़ जेल में शिफ्ट कर दिया गया, वहां पर उन्हें अन्य कैदियों से अलग रखा गया है

अखंड भारत संदेश

नैनी। अतीक अहमद एवं अशरफ की हत्या के आरोप में पकड़े गए तीनों हमलावरों लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्या को सुरक्षा कारणों से सोमवार को नैनी जेल से प्रतापगढ़ जेल में शिफ्ट कर दिया गया। वहां पर उन्हें अन्य कैदियों से अलग रखा गया है। सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है। नैनी जेल में अतीक के गुर्गों के कारण तनाव की स्थिति थी। नैनी जेल में अतीक अहमद की कभी तूती बोलती थी। वर्तमान में अतीक अहमद का बेटा अली नैनी जेल में बंद है। चर्चा होने लगी कि अली ने जेल की बैरक से अपना सिर लड़ाकर खुद को घायल कर लिया है। हालांकि डीजी जेल एसएन साबत का कहना है कि अली बिल्कुल स्वस्थ है। उसके स्वास्थ्य के संबंध में हो रही चर्चाएं गलत हैं। अली के अलावा अतीक के गुर्गे भी इसी जेल में हैं। उमेश पाल हत्याकांड में पकड़े गए सदाकत, मुंशी राकेश, चालक कैश, बहनोई डॉ. अखलाक समेत अन्य आरोपी हैं। इसी बीच 15 अप्रैल को अतीक अहमद और अशरफ की हत्या में अरुण, लवलेश और सनी पकड़े गए। 16 अप्रैल को पुलिस ने इन तीनों शूटरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

हत्यारों की बात न्यायालय में पेशी, कचहरी से कोर्ट तक चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेगा सुरक्षाबल

प्रयागराज। माफिया अतीक और अशरफ की ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या करने वाले लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्य की बुधवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेशी होगी। मंगलवार को हत्याकांड की जांच के लिए गठित एसआईटी टीम ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) दिनेश कुमार गौतम की कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों को तलब करने की मांग की है।सीजेएम ने पुलिस को आदेश दिया है कि आरोपियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में बुधवार को पेश किया जाए। कस्टडी में ही अतीक और अशरफ की हत्या के कारण देर शाम तक कचहरी की सुरक्षा व्यवस्था का पुलिस अधिकारियों ने जायजा भी लिया। फिलहाल, तीनों आरोपी प्रतापगढ़ जेल में बंद हैं। अतीक के गुर्गों के खौफ के कारण चारों को नैनी जेल से सोमवार को ही प्रतापगढ़ भेजा गया था। अब वहां से कचहरी तक लाए जाने के दौरान पूरे रास्ते चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात रखने की तैयारी है। पेशी के दौरान कचहरी छावनी में तब्दील रहेगी। उस वक्त जांच एजेंसियों के साथ-साथ आरएएफ और पीएसी के जवानों की तैनाती रहेगी।

एम एल पब्लिक स्कूल में छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

सिरसा। मेजा क्षेत्र के उरूवा ब्लाक बगहा, चौकी स्थित एम एल पब्लिक स्कूल में आज सत्र 2022 - 23 में प्रथम ,द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चो को मेजा के फायर कर्मी रामकुमार यादव,सुनील पांडेय, शिवकुमार द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया कक्षा एल के जी में दिव्यांश सोनकर प्रथम,शुभी पांडेय द्वितीय,अमन तृतीय, यू केजी में आयुष यादव प्रथम,आदित्य द्विवेदी, द्वितीय,अंजली पांडेय तृतीय,कक्षा एक में इशिता पाण्डेय प्रथम, वंशिता पांडेय द्वितीय, शिवांश द्विवेदी तृतीय ,दो में राहुल यादव प्रथम, आर्यन सिंह द्वितीय, गौरव सिंह तृतीय, तीन में आयु पांडेय प्रथम,श्रुति द्विवेदी द्वितीय, सृष्टि सैनी तृतीय, कक्षा चार में सागर शर्मा प्रथम,अभिनव यादव द्वितीय,आयुष पांडेय तृतीय, कक्षा पांच में हर्ष शुक्ला प्रथम, भूमि जैसल द्वितीय, प्रियल पांडेय तृतीय, कक्षा छह में अनुराधा यादव प्रथम, हिमांशु पटेल द्वितीय, स्वतंत्र सिंह तृतीय, कक्षा सात में अनुराग यादव प्रथम, रिया यादव द्वितीय, रीमी पांडेय तृतीय, आठ में हर्षिता शुक्ला ने प्रथम, मिलिंद कुमार द्वितीय,जय यादव तृतीय स्थान प्राप्त किया स्कूल के प्रधानाचार्य सतीश उपाध्याय ने बच्चो को बताया की आप सभी लोग हमेशा कड़ी मेहनत करके पढ़ाई करें जिससे की भविष्य में आप सभी लोग भी डाक्टर, इंजीनियर, आई ए एस, पी सी एस, बनकर स्कूल और क्षेत्र का नाम रोशन कर सके प्रबंधक दुर्गा प्रसाद गुप्ता ने बच्चो के बेहतर भविष्य ले लिए प्रोजेक्टर कक्षाएं चलकर अच्छी शिक्षा देने के लिए कहा और बच्चो को भी संस्कार में रहते हुए अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया इस दौरान स्कूल के शिक्षक विपिन शुक्ला, अभिरंजन गुप्ता, मनोज कुमार, रिशु, गौरव, आकाश मिश्रा, बिजेंद्र राय, पप्पू मिश्रा, अविनाश, नवदीप, कमलेश शर्मा, दिव्यांशु गुप्ता, धीरेंद्र कुमार, सविता, पूजा, इति सिंह, सरिता, मीनाक्षी, रीना यादव सहित कई लोग उपस्थित रहे।

विपरीत परिस्थितियों में भी किसानों द्वारा की जा रही खेती सराहनीय : दया शंकर त्रिपाठी

प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

फूलपुर। राजस्थान के किसान सिंचाई जल की विपरीत परिस्थितियों में भी खेती में अच्छा काम कर रहे हैं । उनकी यह मेहनत बहुत ही सराहनीय है । राजस्थान की माताएं बहने वीरांगना है। यह बातें वरिष्ठ मंगलवार को कारडेट फूलपुर के सभागार में निमोद ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड जिला नागौर राजस्थान की 43 महिला प्रतिभागियों के चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन के अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार दयाशंकर त्रिपाठी ने कहीं । उन्होंने इफको के विषय में अपने अनुभव साझा किए साथ ही इफको द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की भी चर्चा की। इस दौरान कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली महिलाओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान भी किए गए। समापन कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने उपस्थित मुख्य अतिथि एवं कारडेट टीम को राजस्थानी पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया । इस अवसर पर कारडेट प्रधानाचार्य राजेंद्र यादव, सुभाष चंद्र आर्य सदस्य आमसभा इफको, खेमाराम अध्यक्ष पैक्स निमोद,शुभ कवर निदेशक पैक्स निमोद कमला देवी निदेशक पैक्स निमोद, कारडेट के सुमित तेवतिया, राजेश कुमार सिंह,नंद जी जयसवाल वीरेंद्र सिंह सहित इफको के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत मलाक रेजमा विकास खण्ड सिराथू जनपद कौशाम्बी

अल्पकालिक निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मलाक रेजमा विकास खण्ड सिराथू जनपद कौशाम्बी में 15 वा केंद्रीय वित्त पंचम राज्य वित्त आयोग,मनरेगा योजना,कायाकल्प योजना,राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन के अन्तर्गत शौचालय निर्माण व मरम्मत,नाली निर्माण,नाली मरम्मत,खडन्जा निर्माण,हैण्डपम्प मरम्मत,हैण्डपम्प रिबोर,इण्टरलाकिंग,स्कूल निर्माण व मरम्मत,पंचायत भवन मरम्मत,आंगनबाडी केन्द्र निर्माण व मरम्मत,सोलर लाइट,सोलर पम्प स्ट्रीट लाइट इंटरलॉकिंग स्कूल बाउंड्री एमडीएम सेट कैटल शेड व अन्य कार्यो में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो द्वारा दिनांक 20/04/2023 से 27/04/2023 तक सील बन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 28/04/2023 को 12 बजे दिन में उपस्थित फर्मो के समक्ष खोली जायेगी। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा सामग्री की मात्रा ग्राम पंचायत में स्वीकृत प्राक्कलन के अनुसार पृथक पृथक होगा। निविदा ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष 2023-24 में कराये जाने वाले सभी कार्यो हेतु प्रभावी होगा।

संतोष कुमार
पंचायत सचिव
विकास खण्ड सिराथू
जनपद कौशाम्बी

नीतू मिश्रा
ग्राम प्रधान मलाक रेजमा
विकास खण्ड सिराथू
जनपद कौशाम्बी

खंडहर हो चुकी हवेली, अतीक के पुश्तैनी इलाके में सन्नाटा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अतीक-अशरफ हत्याकांड के बाद प्रयागराज में उसके पुश्तैनी इलाके चकिया और कसारी-मसारी में 48 घंटे कैसे बीते? पुश्तैनी इलाका इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि ये वही इलाका है, जहां अतीक-अशरफ पैदा हुए, विधायक बने और दफनाए गए। यहीं की इलाहाबाद पश्चिमी सीट से अतीक 5 बार और अशरफ एक बार विधायक चुना गया।

हत्याकांड के अगले दिन यानी रविवार सुबह भास्कर रिपोर्टर प्रयागराज रेलवे स्टेशन से 4 किमी दूर अतीक के हवेलीनुमा पुश्तैनी मकान पहुंचे, जो अब खंडहर में तब्दील हो चुका है। अहाते और सड़क पर पुलिस तैनात है। अंदर बाड़े में बंद अतीक के पाले 2 कुत्ते हैं। दोनों भूखे हैं। किसी की आहट पाते ही भौंकने लगते हैं।चकिया से कसारी तक करीब हर 500 मीटर पर एक-एक खंडहरनुमा घर हैं। ये घर अतीक के गुर्गों के हैं, जिन्हें बुलडोजर से गिराया गया है। गलियों में सन्नाटा है। माइक आईडी लिए हम लोग बढ़ रहे थे, तभी एक घर की खिड़की के अंदर से आवाज आई। जो है ठीक है, लेकिन जो हुआ वो ठीक नहीं है। हमने पूछा बाहर आकर कुछ बोलिए..लेकिन फिर वे न बाहर आए न कोई जवाब आया। अतीक-अशरफ को जिस कॉल्विन हॉस्पिटल के गेट पर शनिवार रात को गोलियां मारी गई थीं। यह इलाका कभी अतीक का गढ़ हुआ करता था। अतीक के पुश्तैनी मकान से बमुश्किल 2 से 3 किमी दूर है। स्थानीय लोग बताते हैं कि अतीक का काफिला पहले जब यहां से गुजरता था, तो सड़क के दोनों तरफ लोग खड़े होकर सलाम बोलते थे। उसकी हत्या के बाद यहां दुकानों के शटर गिरे हुए हैं। बाजार में सन्नाटा पसरा है। इंटरनेट शटडाउन है। ऐसा लग रहा कि मानो सुबह ही नहीं हुई। कॉल्विन से चकिया की ओर बढ़ते हैं, तो एक से डेढ़ किमी की दूरी पर एक हवेलीनुमा ढहा मकान दिखता है। पूछने पर पता चलता है कि यह अतीक का दफ्तर था। जिसे प्रशासन ने गिरवा दिया।बगल में खड़ा एक शख्स तेज आवाज में कहता है, नहीं ये अतीक का टॉर्चर रूम था। यहीं पर अतीक लोगों को बंधक बनाकर रखता था। उमेश पाल को जब किडनैप किया था न, तो यहीं पर रखा था। अभी भी खंडहर के ऊपर अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन का नीले रंग का पोस्टर और बसपा का झंडा लहरा रहा है। अतीक अहमद इसी की बालकनी से निकलकर लोगों का सलाम कबूल करता था।यहां से आगे बढ़ते हैं तो लगने लगता है कि चकिया में एंट्री हो चुकी है। कदम-कदम पर फोर्स। जगह-जगह बैरिकेडिंग। हर 500 मीटर पर एक मकान पर बुलडोजर चला हुआ। ये अतीक और उनके गैंग से जुड़े लोगों के घर हैं, जो 2017 में योगी सरकार के आने के बाद गिराए गए हैं। ऑफिस से डेढ़ से 2 किमी आगे आने पर अतीक का पुश्तैनी घर है। वहां अब बस घर के निशान हैं, लेकिन आकार किसी शाही हवेली जैसा दिखता है।अतीक के रुतबे का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि खंडहर में पड़ी पुरानी साइकिल, लोहे के रॉड तक ले जाने की किसी ने हिम्मत नहीं की। आसपास के लोग बिना कैमरे में सामने आए बताते हैं कि यहीं पर अतीक की अदालत लगती थी। हनक ऐसी थी कि सड़क पर कोई हॉर्न भी नहीं बजाता था। मोहल्ले के कुछ लोग अतीक हत्याकांड से नाराज नजर आए। इन्हीं में एक कहते हैं, आप पता कर लीजिए अतीक के इलाके में 5 किमी के दायरे में कभी किसी बहन-बेटी का कोई सामान छीना गया हो कभी। या कोई गलत बात हुई हो। पुश्तैनी मकान के करीब एक बीघे में फैले अहाते के अंदर 7-8 जवान बैठे हैं। पूछने पर बताते हैं कि यहां सब नॉर्मल है। एक बाड़े के अंदर तीन कुत्ते बंद हैं। पुलिसवाले ही बताते हैं कि ये अतीक के कुत्ते हैं, ऑस्ट्रेलियन ब्रीड हैं, दो कुत्तों की कुछ दिन पहले भूख से मौत हो गई थी। अब यही बचे हैं, इनकी देखभाल की जिम्मेदारी हीरा को दी गई है। हीरा बगल में ही झाड़ू लगा रहे होते हैं। हीरा अतीक के नौकर थे, कुत्तों की देखभाल वही करते थे, अब नगर निगम ने उन्हें सैलरी पर रखा है। हीरा कहते हैं कि 3 महीने से सैलरी नहीं मिली है। इंतजार है।अब अतीक की खंडहर हवेली के अंदर चलते हैं, तो उसमें सिर्फ अतीक के साम्राज्य के निशान दिखते हैं। अंदर टूटी बैठक है, पुराना ट्रैक्टर खड़ा है। जिसके चारों तरफ अब घास उग आई है। एक कार भी खड़ी है। बताया गया कि इसे कभी अतीक के अब्बू चलाया करते थे। अतीक के घर के सामने स्कूल है, जो बंद है। आस-पास के मकानों में लोग घरों में कैद हैं, लेकिन नजर सड़क पर है। कुछ जगहों पर युवाओं की छोटी टोलियां कानाफूसी कर रही हैं।

जिले में लू से बचने के लिये अपर जिलाधिकारी ने जारी की एडवाइजरी, लू से बचने के बताए उपाय

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि भारतीय मौसम विभाग के अनुसार जब किसी जगह का स्थानीय तापमान लगातार तीन दिनों तक वहॉ के सामान्य तापमान से 03 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक रहे तो उसे लू या हीट वेव कहते है। जब वातावरणीय तापमान 37 डिग्री0 सेल्सियस तक रहता है तो मानव शरीर पर उसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है पर जैसे ही तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बढ़ता है तो हमारा शरीर वातावरणीय गर्मी को शोषित कर शरीर के तापमान को प्रभावित करने लगता है। गर्मी में सबसे बड़ी समस्या होती है लू लगना। गर्मी में उच्च तापमान में ज्यादा देर तक रहने से या गर्म हवा के झोकों के सम्पर्क में आने पर लू लगती है।

अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) ने लू (हीट वेव) से बचने के उपाय के सम्बन्ध में बताया है कि अधिक से अधिक पानी पियें, यदि प्यास न लगा हो तो भी पानी पिये ताकि शरीर में पानी की कमी से होने वाली बीमारियों से बचा जा सके। हल्के रंग के पसीना शोषित करने वाले हल्के वस्त्र पहनें। धूप में गमछे, चश्मे, छाता, टोपी व पैरों में चप्पल का उपयोग अवश्य करें, अगर आप खुले में कार्य करते है तो सिर, चेहरा, हाथ-पैरों को गीले कपड़े से ढके रहे तथा छाते का प्रयोग करें। लू से प्रभावित व्यक्ति को छाये में लिटाकर सूती गीले कपड़े से पोछे अथवा नहलायें तथा चिकित्सक से सम्पर्क करें। यात्रा करते समय पीने का पानी अवश्य साथ रख लें, गीले कपड़े को अपने चेहरे, सिर और गर्दन पर रखें। शराब, चाय, काफी जैसे पेय पदार्थो का इस्तमाल न करें, यह शरीर को निर्जलित कर सकते हैं। ओ0आर0एस0 घोल घर में बने हुये पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी (माड़), नीबू पानी, छाछ, कच्चे आम से बना पन्ना आदि का

जू से बचने के लिए चेहरे को पकड़े से ढक कर जाती युवतियां।

उपयोग करें जिससे कि शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके। अगर आपकी तबियत ठीक न लगे तो गर्मी से उत्पन्न होने वाले विकारों, बीमारियों को पहचाने और किसी भी प्रकार की तकलीफ होने पर तुरन्त चिकित्सकीय परामर्श लें। अपने घरों को ठण्डा रखें, पर्दे, दरवाजे आदि का उपयोग करें तथा शाम/रात के समय घर तथा कमरों को ठण्डा करने हेतु इसे खोल कर रखें। पंखे, गीले कपड़ों का उपयोग करें तथा बारम्बार आवश्यकतानुसार स्नान करें। कार्य स्थल पर ठण्डे पीने का पानी रखें और उसका नियमित उपयोग करते रहें। घर से बाहर होने की स्थिति में आराम करने की समयावधि तथा आवृत्ति को बढ़ायें। गर्भवती महिला कर्मियों तथा रोगग्रस्त कर्मियों पर अतिरिक्त एवं विशेष ध्यान रखें। उन्होने यह भी बताया है कि धूप में खड़े वाहनों में बच्चे एवं पालतू जानवरों को धूप में न छोड़े, कड़ी धूप (खासकर दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक) के बीच सूर्य की रोशनी में जाने से बचें। आपात स्थिति में निपटने के लिये प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। गहरे रंग के भारी एवं तंग वस्त्र न पहने इससे बचें। जब गर्मी का तापमान ज्यादा हो तो श्रमसाध्य कार्य न करें। नशीले पदार्थ, शराब/अल्कोहल के सेवन से बचें। उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से बचे, बासी भोजन न करें। उन्होने लू के लक्षण के सम्बन्ध में बताया है कि गर्म, लाल शुष्क त्वचा का होना, पसीना न आना, तेज पल्स होना, उल्टे श्वास गति में तेजी, व्यवहार में परिवर्तन, भ्रम की स्थिति, सिरदर्द, मिचली, थकान और कमजोरी का होना या चक्कर आना, मूत्र न होना अथवा इसमें कमी। उन्होने बताया है कि लक्षण के चलते मनुष्यों के शरीर में उच्च तापमान से शरीर के आंतरिक अंगों, विशेष रूप से मस्तिष्क को नुकसान पहुँचाता है तथा इससे शरीर में उच्च रक्तचाप उत्पन्न हो जाता हैं। मनुष्य के हृदय के कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न होता है। जो लोग एक या दो घंटे से अधिक समय तक 40.6 डिग्री सेल्सियस से 105 डिग्री एफ0 या अधिक तापमान अथवा गर्म हवा में रहते है तो उनके मस्तिष्क में क्षति होने की सम्भावना प्रबल हो जाती है। लू कब लगती है के सम्बन्ध में बताया है कि गर्मी में शरीर के द्रव्य बॉडी फल्यूड सूखने लगते है, शरीर में पानी, नमक की कमी होने पर लू लगने का खतरा ज्यादा रहता है। विभिन्न स्थितियों में लू लगने की सम्भावना अधिक रहती है जैसे शराब की लत, हृदय रोग, पुरानी बीमारी, मोटापा, पार्किसंस रोग, अधिक उम्र, अनियंत्रित मधुमेह, ऐसी कुछ औषधियां जैसे डाययूरेटिक, एंटीस्टिमिनिक, मानसिक रोग की कुछ औषधिया है।

नगर में फागिंग करते नगर पालिका कर्मी।

शहर के तहसील वार्ड व धर्मशाला वार्ड में हुई फागिंग

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। संचारी रोग नियंत्रण माह के तहत इन दिनों रोगों से बचाव के लिये शहर में नियमित सफाई के अलावा एंटी लार्वा का छिड़काव व फागिंग भी रोस्टर के अनुसार की जा रही है। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि नगर पालिका के अधिषाषी अधिकारी राम अचल कुरील के निर्देषन में संचारी रोग नियंत्रण माह एक अप्रैल से 30 अप्रैल तक मनाया जा रहा है। इसके तहत शहर के तहसील वार्ड और धर्मषाला वार्ड में शाम को धुआं उड़ाती गाड़ियां नगर पालिका की घूमने लगी थी। बाद में पता चला कि शहर में इन दिनों का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। इस बारे में पूछे जाने पर अधिषाषी अधिकारी ने बताया कि शासन के निदेषों के अनुसार शहर की सफाई व एंटी लार्वा तथा फागिंग का छिड़काव करने का रोस्टर बनाया गया है जिसके तहत हर वार्ड में सफाई के साथ एंटी लार्वा का छिड़काव व फागिंग भी हो सके।

छात्रवृत्ति पोर्टल को खोले जाने के सम्बन्ध में संशोधित समय सारिणी जारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में अनुसूचित जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत लम्बित आवेदन पत्रों के निस्तारण हेतु पुनः छात्रवृत्ति पोर्टल को खोले जाने के सम्बन्ध में संशोधित समय-सारिणी जारी की गयी है जिसमें शिक्षण संस्थान/विश्वविद्यालय स्तर पर छात्रों के छात्रवृत्ति आवेदन पत्र अग्रसारित न होने, विश्वविद्यालय/एफिलियेटिंग एजेन्सी द्वारा छात्रों/संस्थाओं की प्रमाणिकता को सत्यापित न किये जाने आदि कारणों से छात्रों की छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति से सम्बन्धित डाटा पर कोई कार्यवाही नही की जा सकी। ऐसी स्थिति में भारत सरकार के निर्देश के क्रम में वित्तीय वर्ष 2023-24 में अनुसूचित जाति के साथ-साथ अनुसूचित जनजाति छात्रों हेतु पोर्टल खोले जाने हेतु समय सारिणी जारी की गयी है। उन्होने बताया है कि 17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक शिक्षण संस्थान आनलाइन आवेदन प्राप्त करना, अपात्र छात्रों का आवेदन निरस्त करना तथा पात्र छात्रों का आवेदन आनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जायेगा। दिनांक 20 अप्रैल से 01 मई तक जिला विद्यालय निरीक्षक (कक्षा 11-12 हेतु) एवं सम्बन्धित विश्वविद्यालय एवं एफिलियेटिंग एजेन्सी द्वारा संस्था की मान्यता, पाठ्यक्रम का वर्ष एवं अध्ययनरत वर्गवार वास्तविक छात्र संख्या की प्रमाणिकता को डिजिटल हस्ताक्षर से आनलाईन सत्यापित करना, अपात्र छात्रों, पाठ्यक्रमों, संस्थाओं को ब्लाक करना, दिनांक 20 मई से 02 मई तक पीएफएमएस साफ्टवेयर से सत्यापनोपरान्त डाटा वापस प्राप्त किया जाना एवं एनआईसी की राज्य इकाई में निर्धारित विभिन्न बिन्दुओं पर परीक्षण किया जायेगा। दिनांक 03 मई से 10 मई तक सन्देहास्पद डाटा को कारणों सहित छात्र/संस्थाओं के लागिन पर प्रदर्शित किया जाना एवं आनलाइन आवेदन में की गयी त्रुटियों को छात्र द्वारा आनलाइन ठीक करके संस्था में जमा करने हेतु प्रिन्ट निकाला जायेगा। दिनांक 03 मई से 13 मई तक छात्र/छात्राओं द्वारा आनलाईन आवेदन पत्र की हार्डकापी समस्त वांछित संलग्नकों सहित शिक्षण संस्था में जमा किया जाना तथा छात्र द्वारा जमा किये गये।

सभी कारखाने निवेश मित्र सिंगल विण्डो पोर्टल पर आनलाइन पंजीकरण कराएं

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया ने बताया है कि जनपद प्रतापगढ़ में स्थित सभी कारखानों (कारखाना, मैन्यूफैक्रिंग यूनिट्स, राइस मिल, फ्लोर मिल, दाल मिल, आटो मोबाइल सर्विस सेन्टर, कोल्ड स्टोरेज, आइस प्लान्ट इत्यादि) के मालिकों को सूचित किया है कि वे अपने कारखाने का निवेश मित्र सिंगल विण्डो पोर्टल के माध्यम से कारखाना अधिनियम-1948 के अन्तर्गत आनलाइन पंजीकरण कराते हुये लाईसेन्स प्राप्त करना सुनिश्चित करें, अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है।

डीएम-एसपी ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

अतीक व अशरफ के हत्यारों के बंद होने से प्रशासन सतर्क

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल व पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने मंगलवार को अपरान्ह में जिला कारागार का निरीक्षण किया। बता दें कि सोमवार को अतीक व अषरफ के हत्यारोपियों को प्रतापगढ़ जेल में शिफ्ट करने के बाद जिला कारागार चर्चा में आ गया है।

शासन द्वारा नैनी जेल में अतीक के पुत्र एवं उनके गुर्गों के कारण गैंगवार की आषंका के कारण तीनों हत्यारोपियों सनी सिंह, लवलेष तिवारी व अरुण मौर्या को एक वाहन से पुलिस नैनी जेल से प्रतापगढ़ जेल लाई थी जहां एक खाली बैरक में तीनों

जिला कारागार के बाहर खड़ी डीएम व एसपी की गाड़ियां।

हत्यारोपियों को रखा गया है। इसके बाद जिला कारागार की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

आज मंगलवार को एक बजे के बाद जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल व पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल की गाड़ी जिला कारागार पहुंची। दोनों आला अधिकारियों ने जिला कारागार पहुंचकर एक-एक बैरक का निरीक्षण किया। दोनों ने अतीक व अषरफ के हत्यारोपियों की बैरक को भी देखा और उसकी सुरक्षा की जानकारी ली। डीएम-एसपी के निरीक्षण के दौरान जेल पुलिस चैकी के आगे किसी को नहीं जाने दिया जा रहा था। यहां तक की मीडिया के फोटोग्राफर व पत्रकार भी आगे नहीं जा पाए। लगभग एक घंटे के निरीक्षण में डीएम-एसपी ने तीनों हत्यारोपियों की सुरक्षा एवं जेल मैनुअल का कड़ाई से पालन करने के निर्देष दिये। बता दें कि पुलिस कस्टडी में अतीक व अषरफ की हत्या कर तीनों आरोपी सुर्खियों में आ गए हैं लेकिन पुलिस व एसटीएफ अभी इन हत्यारोपियों से हत्या के पीछे मास्टरमाइंड की जानकारी लेने का प्रयास करेगी इसलिये तीनों की सुरक्षा कारागार में मुस्तैद की गई है।

जीजीआईसी में वित्तीय साक्षरता की हुई कार्यशाला, छात्राओ को दी गई जानकारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य गरिमा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वित्तीय साक्षरता की कार्यशाला डॉ. मोहम्मद अनीस के संचालन में संपन्न हुई। मुख्य अतिथि के रुप में शिशिर खरे, पूर्व प्रबंधक एवं वित्तीय सहायता सलाहकार, प्रतापगढ़ रहे। संचालन करते हुए डॉ. मोहम्मद अनीस ने बताया कि वर्तमान समय में स्कूली छात्र छात्राओं के लिए वित्तीय शिक्षा महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्हें जीवन भर सही वित्तीय निर्णय लेने के लिए आवश्यक जानकारी और वित्तीय जागरुकता की आवश्यकता है। उन्हें बजट बनाने, बचत करने और निवेश

वित्तीय साक्षरता कार्यशाला में मौजूद अतिथिगण।

करने में आसानी होती है। एफएलसी शिशिर खरे ने अपने उद्बोधन में कहा इसके लिए आरबीआई के माध्यम से छात्र छात्राओं को जागरूक किया जा रहा है और उन्हें वित्तीय साक्षरता संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एवं डॉ. ओ पी राय, जिला विद्यालय निरीक्षक के निदेर्शानुसार छात्राओं में वित्तीय साक्षरता संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एवं अखिल भारतीय शिक्षा प्रश्नोत्तरी के माध्यम से छात्रों को जागरूक कराया जा रहा है। इस कार्यशाला के माध्यम से उन्होंने वित्तीय साक्षरता के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की और महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बैंकिंग प्रणाली की महत्वपूर्ण विशेषताओं के बारे में बताया। छात्राओं से प्रश्न किया और उसका समुचित जवाब छात्राओं ने दिया। साइबर क्राइम और साइबर अटैक से सुरक्षा के बारे में भी बताया गया। उन्होंने महत्वपूर्ण ऐक्ट जैसे आरबीआई एक्ट, नेगोशियेबल ऐक्ट, उडाई, बीमा व पेंशन, कुछ महत्वपूर्ण साइबर अटैक पर सावधानी के बारे में भी बताया। इस अवसर पर डॉ. कल्पना, मंजू कुशवाहा, प्रियंका सिंह एवं समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

ननिहाल आए युवक ने रंजिश में साथियों के संग की पिटाई

पट्टी, प्रतापगढ़। लड़कियों से छेड़खानी के मामले में युवक ने जब ननिहाल आए युवक का विरोध किया तो उसने अपने साथियों के साथ युवक की जमकर पिटाई कर दी पीड़ित ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र दिया है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के रानीपुर गांव का रहने वाले सूर्या गुप्ता पुत्र जीत लाल गुप्ता ने एक शिकायती पत्र पट्टी कोतवाली में दिया जिसमें उसने बताया कि उसके गांव में गैर बिरादरी का एक लड़का आए दिन लड़कियों के साथ छेड़खानी करता था उसने जब इसका विरोध किया तो वह उससे रंजिश रखने लगा, सोमवार को जब वह अपने खेत में काम कर रहा था उसी वक्त वह अपने साथियों के साथ आया और लात घूसों से तथा उसे लाठी-डंडों से जमकर मारपीट किया पीड़ित के संबंध में शिकायती पत्र देकर आरोपी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का कराएं निस्तारण

13 मई को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 13 मई 2023 के सम्बन्ध में जनपद न्यायालय के सभागार कक्ष में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रदीप कुमार सिंह के निर्देशन में बैंक ऋण अदायगी सम्बन्धी, प्री0 लिटिगेशन वाद के निस्तारण हेतु बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुये आलोक कुमार द्विवेदी अपर सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या-02/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी बैंक अधिक से अधिक मामले चिन्हित कर निस्तारण करने का

लोक अदालत सम्बन्धी बैठक में मौजूद अधिकारीगण।

प्रयास करें ताकि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 13 मई को बैंक से सम्बन्धित अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराया जा सके। बैठक में ऋण अदायगी से सम्बन्धित प्रगति समीक्षा, अधिक से अधिक मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में चिन्हित किये जाने हेतु बैंक प्रबन्धकों को निर्देशित किया गया तथा चिन्हित मामलों का विवरण शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। बैठक का संयोजन अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार बरनवाल द्वारा किया गया। बैठक में अग्रणी जिला प्रबन्धक गोपाल शेखर झा, यूनियन इण्डियन बैंक सौरभ सागर, शैलेन्द्र कुमार, बड़ौदा ग्रामीण बैंक के जे0जे0 डोढिया, इण्डियन बैंक के दीपक, केनरा बैंक हिमांशु तिवारी, बैंक ऑफ इण्डिया के अमर सोनी, भारतीय स्टेट बैंक के ऐ0के0 अस्थाना उपस्थित रहें।

लालगंज नप चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबले के आसार

- बीजेपी के साथ सपा व बीएसपी ने उतारे प्रत्यासी
- कांग्रेस को अपनो से ही मिलेगी चुनौती

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय नप अध्यक्ष पद के चुनाव में जातीय समीकरण पर सभी दलों ने अपने-अपने प्रत्यासी उतारे है। इस दशा में त्रिकोणीय मुकाबले के आसार दिखाई दे रहे है। कांग्रेस को अपने ही गढ़ में अपनो से ही चुनौती मिलेगी।

कभी कांग्रेस के साथ चलने वाले ओमप्रकाश तिवारी ने अपनी पत्नी ममता को बीजेपी के बैनर तले चुनाव मैदान में उतारा है। वहीं पिछले बार से ही कांग्रेस से अलग होकर सैयद सफीक ने नप का चुनाव निर्दलीय लड़े थे। इस बार वह सपा का दामन थाम चुके हैं और पत्नी अफरोज को चुनाव मैदान में उतारा है। कांग्रेस के कहे जाने वाले प्रतिष्ठित व्यापारी जय कौशल भी बगावती सुर में दिख रहे है। वह भी पत्नी रागिनी को चुनाव में उतार कर सरगर्मी तेज कर दी है। इसके साथ ही बीएसपी से गीता व एआईएमआईएम से नफीसा भी किसी से कम नहीं है। अब इस हाल में इस बार के चुनाव में कांग्रेस को कहीं न कहीं से अपनो से ही चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कहीं आपसी बगावत भारी न पड़ जाए। अगर देखा जाए तो जो भी प्रत्यासी मैदान में है वह कही न कही से कांग्रेस के मतदाताओं का ही नुकसान करते दिखाई दे रहे है। अब यह बात दूसरी है कि किसका पलड़ा भारी पड़ेगा? यह तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन एक बात जरूर है इस बार अध्यक्ष पर चुनाव बड़ा ही दिलचस्प होगा।

क्षत्रिय मतदाता होंगे निर्णायक

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय नप अध्यक्ष पद पर लगभग सभी दलों ने पार्टी के वोट के साथ ही जातीय समीकरण के मुताबिक ही उम्मीदवार बनाया है। ब्राह्मण, व्यापारी, मुस्लिम व पटेल प्रत्यासी अपने भाग्य को आजमाने के लिए मैदान में डटे हुए है। मतदाता जातीयता व दल के नाम पर मतदान किए तो निश्चित तौर पर चुनाव का परिणाम चैकाने वाला हो सकता है। इस दशा में क्षत्रिय मतदाता ही निर्णायक होगा। यह जाति अधिक संख्या में जिस तरफ जायेगी उसी के सिर पर जीत का सेहरा बंधने की प्रबल संभावनाएं आंकी जा रही है।

संपत्ति में हिस्सा नहीं दे रहे भाई के विरुद्ध भाई ने दी तहरीर

पट्टी, प्रतापगढ़। सगे भाई के विरुद्ध भाई ने शिकायती पत्र दिया है जिसमें उसने आरोप लगाया है कि उसकी संपत्ति का हिस्सा उसका भाई जबरन हड़प लिया है। क्षेत्र के सलाहपुर गांव का रहने वाला राकेश यादव ने आरोप लगाया कि उसका सगा भाई तथा उसके अन्य साथी उसके घर में घुसकर उसका सामान बाहर निकाल कर फेंक दिया तथा विरोध करने पर मारने पीटने की धमकी दे रहे हैं भाई ने बताया कि संपत्ति के अन्य हिस्से में भी उसके साथ भेदभाव करके जबरन मारपीट करके उसे घर से बाहर निकाल दिया है और उसकी मां भी घर से बाहर रहने को मजबूर है इस संबंध में पुलिस को शिकायती पत्र देकर युवक ने इंसाफ की गुहार लगाई है।

बिना वाहन पास के प्रत्याशियों के वाहन होंगे जब्तः एडीएम

नगरीय निकायों के निर्वाचन में वाहनों के उपयोग हेतु दिशा निर्देश जारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि नगरीय निकायों के निर्वाचन में प्रत्याशियों द्वारा चुनाव प्रचार प्रसार एवं मतदान दिवसों तथा मतगणना के दिवसों में वाहनों का उपयोग जिला प्रशासन की अनुमति के बिना नहीं किया जायेगा।

प्रचार प्रसार दिवसों में प्रचार प्रसार हेतु तथा मतदान दिवसों एवं मतगणना दिवसों में वाहन पास निर्धारित प्रारूप पर निर्गत किये जायेगें। इस कार्य हेतु रिटर्निंग आफिसर से प्रार्थना पत्र अग्रसारित कराकर (प्रार्थना पत्र के साथ वाहन का प्रकार, रजिस्ट्रेशन के कागजात, चालक का नाम, नगरीय निकाय का नाम, प्रत्याशी का नाम, गाड़ी संख्या तथा प्रत्याशियों के राजनैतिक दलों से सम्बद्धता/निर्दलीय का विवरण देना होगा)। अग्रसारित प्रार्थना पत्रों के आधार पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नामित सम्बन्धित उपजिलाधिकारी द्वारा प्रत्याशियों को वाहन पास जारी किया जायेगा। जारी किये गये वाहन पास को मूल रूप में वाहन पर चस्पा कर प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। प्रत्याशियों द्वारा वाहन पास मूल रूप से वाहन के आगे शीशे पर चिपकाया जायेगा। वाहन पास जारी करने वाले अधिकारी द्वारा प्रतिदिन जारी किये गये वाहन पास की एक छायाप्रति (सूची सहित) पुलिस अधीक्षक के यहां भेजी जायेगी तथा पुलिस अधिकारियों द्वारा सम्बन्धित नगरीय निकाय के थाने में प्रतिदिन वाहन पास की सूचना भेजी जायेगी। यदि बिना वाहन पास के प्रत्याशियों द्वारा वाहन उपयोग किया जाता है तो जो भी वाहन पकड़े जायेगें जब्त कर लिये जायेगें। अनुमति प्राप्त वाहनों के सम्बन्ध में निर्वाचन में प्रत्याशियों या उनके समर्थकों द्वारा मोटरयान अधिनियम (एम0वी0 ऐक्ट) का उल्लंघन न हो। निर्वाचन अवधि में प्रचार प्रसार हेतु अनुमति प्राप्त वाहनों को छोड़कर किसी भी प्रत्याशी के झण्डे एवं स्टीकर अन्य वाहनों पर नहीं लगाये जायेगें। केवल प्रचार प्रसार हेतु अनुमति प्राप्त वाहन पर ही झण्डे एवं स्टीकर लगाये जा सकते है। निर्वाचन अवधि में प्रत्याशियों द्वारा प्रचार प्रसार हेतु नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार हेतु 03, नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार हेतु 02, नगर पालिका परिषद के सदस्य पद के उम्मीदवार हेतु 01 तथा नगर पंचायत के सदस्य पद के उम्मीदवार हेतु 01 वाहन (दो पहिया वाहन सहित समस्त मैकनाइज्ड/मोटोराइज्ड वाहन) का संचालन निर्वाचन के प्रचार प्रसार के लिये करा सकते है। मतदान दिवस पर नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों में अध्यक्ष पद हेतु 01 वाहन अनुमन्य होगा एवं नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत के सदस्य पद हेतु कोई वाहन अनुमन्य नहीं होगा। मतगणना के दिन नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत अध्यक्ष पद हेतु 01 वाहन की अनुमति दी जायेगी।

खबर संक्षेप

तमंचा कारतूस के साथ चार अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना मंझनपुर पुलिस बल द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान अभियुक्त नरवद पुत्र हीरा लाल निवासी टेवा थाना मंझनपुर को भरसवा चौराहा से एक अदद तमचा 12 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार थाना कोखराज पुलिस अभियुक्त रेहान अहमद पुत्र स्व0 अपसार निवासी बसेड़ी थाना संदीपनघाट को तकीपुर रहला जाने वाली रोड से एक अदद तमंचा 315 बोर व दो अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार थाना सैनी पुलिस बल द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान अभियुक्त कलीम बक्स पुत्र नइम बक्स निवासी सयारा मीठेपुर थाना सैनी को रेलवे पुल के नीचे नगिया मई मार्ग से एक अदद तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर व भइया लाल उर्फ भइयन पासी पुत्र श्री पासी निवासी धुमाई थाना सैनी को घुमाई फाटक के पास से एक अदद तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार कर गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात सभी अभियुक्तों को न्यायालय भेज दिया है।

संदिग्ध परिस्थिति में पेड़ से लटकती मिली नाबालिग बालिका का शव

अखंड भारत संदेश

रिश्तेदारी गई थी बालिका मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में मचा कोहराम

बालिका की लाश मिलने के बाद मौके पर एकत्रित भीड़

करारी कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के पिण्डरा सहावनपुर गांव की एक नाबालिग बालिका का रिश्तेदारी के गांव में दुपट्टे से बाधा शव मिला है शव मिलने की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है मामले की सूचना पुलिस को दी गई है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है मौके की परिस्थिति आत्महत्या की घटना से इंकार कर रहे हैं हालांकि बालिका के परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर बालिका के आत्महत्या किए जाने की बात कही है। घटनाक्रम के मुताबिक करारी थाना क्षेत्र के पिण्डरा सहावनपुर गांव निवासी राम बहादुर की बेटी संजना कुमारी उम्र लगभग 15 वर्ष कुछ दिनों पूर्व अपनी रिश्तेदारी में गई थी पिता का कहना है कि उसकी स्थिति ठीक नहीं चल रही थी छत से गिरने के चलते वह बीमार रहती थी सराय अकिल के एक अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था धूप में गेहूं काटने और मिर्ची तोड़ने के चलते उसकी तबीयत खराब हो गई और वह सोमवार की रात्रि 8:00 बजे शौच जाने के लिए कह कर घर से निकली थी लेकिन रात में घर वापस नहीं आई परिजनों का कहना है कि उसे बहुत खोजा गया लेकिन वह नहीं मिली है सुबह उसकी लाश प्रदीप यादव के बगीचे में पलाश के पेड़ पर दुपट्टे से बंधी हुई मिली है परिजनों को आशंका है कि बालिका ने आत्महत्या कर लिया है हालांकि मौके की परिस्थिति आत्महत्या की घटना से इंकार कर रहे हैं सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने बालिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है बालिका की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है बालिका की मौत में सूक्ष्म जांच कराए जाने की जरूरत है।

गंगा नदी के कछार क्षेत्र में मिला अधेड़ व्यक्ति का शव

शव देखने से लगता है कई दिन पूर्व अधेड़ की हुई है मौत

कोखराज कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के सकाढा गांव के पास गंगा नदी के कछार में एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिला है शव मिलने की सूचना मिलते ही आसपास गांव के तमाम ग्रामीणों की भीड़ मौके पर लग गई मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया काफी प्रयास के बाद भी अधेड़ के शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 55 वर्ष है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है शव देखने से प्रतीत होता है कि कई दिन पूर्व अधेड़ की मौत हुई है पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मृतक के संबंध में कोई जानकारी मिले तो कोखराज थाना प्रभारी के मोबाइल नंबर पर सूचित करें सवाल उठता है कि कई दिनों से इलाके में अधेड़ का शव पड़ा था और पुलिस से लेकर उनके मुखबिर को शव पड़े होने की जानकारी नहीं मिल सकी आखिर अधेड़ गंगा नदी के कछार तक कैसे पहुंचा है कहां का रहने वाला है यह तमाम सवाल लोगों के जेहन में कौंध रहे हैं जिसका उत्तर नहीं मिल सका।

न्यूज झरोखा

नलकूप जिलेदार का दोहरा मापदंड, कुछ दुकानदारों को मिली नोटिस कुछ को दिया राहत

टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी। सिराथू तहसील के टेढ़ीमोड़ अंदावा में सरकारी नलकूप 23 के लगा हुआ है जिसके आगे नलकूप की काफी जमीन छूटी हुई है। जिस पर आसपास के गांव के कई लोग गोमती रखकर कब्जा किए हैं। इन दुकानदारों के कब्जा करने से जहां एक तरफ नलकूप के कार्य में बाधा पहुंचती है वहीं हाइवे और लिंक मार्ग का मोड़ होने के कारण अक्सर जाम की स्थिति पैदा होती है। इस स्थिति से निपटने के लिए सरकारी जमीन पर कब्जा किए हुए दुकानदारों को हटाने की कवायद नलकूप जिलेदार राजा राम सिंह के द्वारा की गई। जिसमें जिलेदार ने वहां पर रखे गोमती दुकानदार रामबाबू, शिवकरन, रईस अहमद, राहुल, गुड्डू के नाम नोटिस जारी करते हुए गोमतियों को हटाने का निर्देश दिया। जिस पर सभी ने अपनी गोमती हटाते हुए जगह खाली कर दिया एवं जिलेदार पर आरोप लगाया कि अभी भी उस जमीन पर इंदल पटेल, मलखान ऋतिक सोनकर लल्ला सोनकर कब्जा किए हुए जिलेदार ने उनसे सांठगांठ कर नोटिस जारी करने में दोहरा मापदंड अपनाया है। जिस कारण यह लोग अभी भी सरकारी जमीन पर कब्जा किए हुए है।

गैर इरादतन हत्या के अभियुक्त को 07 वर्ष कारावास की सजा

कौशाम्बी। डेढ़ वर्ष पूर्व कोखराज थाना थाना क्षेत्र में युवक की मौत की सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी को 7 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है आरोपी पर अदालत ने 20 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है अर्थदंड न अदा करने पर 6 महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी थाना कोखराज अंतर्गत 29.07.2021 को वादी राहुल मुसहर पुत्र सम्भू मुसहर निवासी ग्राम कसिया पश्चिम थाना कोखराज द्वारा सूचना दी गयी कि अभियुक्त द्वारा शराब के नशे में वादी के छोटे भाई से पैसे के लेन-देन को लेकर उलझ गये जिससे वादी के भाई का गला दब जाने के कारण मृत्यू हो गयी। इस सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कर अभियुक्त सम्भू नाथ मुसहर पुत्र स्व० हीरा लाल निवासी कसिया पश्चिम थाना कोखराज को न्यायालय एडीजे-01 द्वारा शासन की प्राथमिकता के आधार पर गम्भीर एवं जघन्य अपराधों में पैरवी कर अभियुक्तों को सजा दिलाने के क्रम में प्रभावी पैरवी कराते हुए मानिटरिंग सेल के माध्यम से 07 वर्ष कारावास तथा 20 हजार रुपए के अर्थ दण्ड से दण्डित किया गया। अर्थ दण्ड न अदा करने पर 06 माह के साधारण कारावास की सजा सुनाई गयी।

एसडीएम के आदेश पर भारी पड़ी कोखराज पुलिस, कोखराज पुलिस पर विपक्षियों के साथ मिलने का लगा आरोप

टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी। कोखराज के केसौवापूर निवासी श्यामलाल पुत्र अमरनाथ व समय बहादुर पुत्र छोटेलाल की भूमिधरी जमीन पर गांव के ही रामशरण, उदितकुमार, ब्रजमोहन एवं राकेश उस जमीन पर जबरन निर्माण कार्य करा थे श्यामलाल के मना करने पर सभी मिलाकर गाली गलौज और मारपीट पर आमादा हो रहे है। कहीं शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। जबकि श्यामलाल ने बताया कि उसके काबिज जमीन पर विपक्षी मुकदमा भी दर्ज किए हुए है जिसका मामला न्यायालय में लंबित है। जमीन पर यथावत रखने के बावजूद विपक्षी जबरन निर्माण करने पर आमादा है। पीड़ित का कहना है कि पुलिस से शिकायत करने के बावजूद वह नहीं मान रहे एवं मारपीट की धमकी दे रहे है। समय बहादुर ने उप जिलाधिकारी सिराथू को प्रार्थना पत्र दिया जिस पर उपजिलाधिकारी ने एस ओ कोखराज को आदेशित किया क्षेत्रीय पुलिस पर आरोप लगा है कि लेंन देन कर भूमि धर जमीन पर मकान बनाया जा रहा विपक्षियों से सांठगांठ का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है

गांजा के साथ चार अभियुक्त किये गए गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कड़ाधाम पुलिस बल द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान अभियुक्त पवन कुमार पुत्र सुन्दर लाल निवासी सौरई बुजुर्ग थाना कड़ाधाम को भोला चौराहा सौरई बुजुर्ग से 420 ग्राम नाजायज गाजा के साथ गिरफ्तार कर गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है इसी प्रकार थाना चरवा पुलिस बल द्वारा गस्त वाहन चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तों बबलू पुत्र स्व0 नन्हे व आजाद पुत्र स्व० नन्हे निवासीगण सिरियावां कला थाना चरवा को अरई मोड़ के पास से 600 ग्राम नाजायज गांजा के साथ गिरफ्तार कर गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है इसी प्रकार थाना कोखराज पुलिस बल द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान अभियुक्त सतपाल पटेल उर्फ गोलू पुत्र ज्ञान सिंह निवासी शहजादपुर थाना कोखराज को शहजादपुर चौराहा से 01 किलो 100 ग्राम नाजायज गांजा के साथ गिरफ्तार कर गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

अलग अलग थानों से ग्यारह वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना मंझनपुर पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त मालती देवी पत्नी स्व० रतऊ निवासी कांशीराम कालोनी घना का पुरवा थाना मंझनपुर को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है इसी प्रकार थाना महेवाघाट पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त राजेश जमादार पुत्र हरीलाल निवासी निखोदा थाना महेवाघाट को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है इसी प्रकार थाना सैनी पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त लाल चन्द्र स्व० जगरूप निवासी गुलामीपुर व राम प्रकाश पुत्र धर्मराज मौर्य निवासी लोहदा थाना सैनी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है इसी प्रकार थाना सराय अकिल पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त राकेश कुमार जैन पुत्र स्व0 प्रभुदयाल जैन निवासी जैन मोहल्ला कस्बा व थाना सराय अकिल को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पकात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है इसी प्रकट थाना कोखराज पुलिस बल द्वारा छः वारंटी अभियुक्तों बच्चन पुत्र मुन्ना रज्जन पुत्र नूर मोहम्मद सतपाल पुत्र हुक्कन शानू पुत्र बच्चन मसरे पुत्र इस्तीयार व महताब पुत्र स्व0 सगीर हुसैन निवासीगण रामपुर सुहेला थाना कोखराज को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को न्यायालय भेज दिया है।

जिलाबदर अभियुक्त किया गया गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिलाधिकारी द्वारा अभियुक्त लाल बाबू सिंह उर्फ भगवत सिंह पुत्र ज्ञान सिंह निवासी डेढ़ावल थाना पश्चिम शरीरा को जिलाबदर का आदेश किया गया था। मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि अभियुक्त लाल बाबू सिंह उर्फ भगवत सिंह पुत्र ज्ञान सिंह निवासी डेढ़ावल थाना पश्चिम शरीरा उपरोक्त अपने ग्राम डेढ़ावल आया है जिलाधिकारी के आदेश के उल्लंघन करने पर थाना पश्चिम शरीरा पुलिस बल द्वारा अभियुक्त लाल बाबू उपरोक्त को एक अदद तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है

निरोधात्मक कार्यवाही मे 26 अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में थाना मंझनपुर से एक थाना संदीपनघाट से छः थाना महेवाघाट से छः थाना पिपरी से एक थाना कोखराज से नौ थाना पश्चिम शरीरा से दो थाना कड़ाधाम से एक कुल 26 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

दो वांछित अभियुक्तों को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पिपरी पुलिस बल द्वारा दो वांछित अभियुक्तों नीरज पुत्र मुन्ना लाल सरोज व रोहित पुत्र शिव मोहन सरोज निवासी नसीरपुर थाना पिपरी को तियरा मोड़ के पास से चोरी की 02 स्टील की बाल्टी 02 प्लास्टिक की कुर्सी व 600 रुपए के साथ गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को न्यायालय भेज दिया है।

190 लीटर शराब के साथ तेरह अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अवैध शराब के निर्माण एवं तस्करी के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में विभिन्न थानों द्वारा कुल तेरह अभियुक्तों को गिरफ्तार कर कब्जे से कुल 190 लीटर अवैध शराब बरामद की गयी गिरफ्तार सभी अभियुक्तों के विरुद्ध सम्बन्धित थानो पर अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तो का चालान न्यायालय कर दिया है।

सड़क दुर्घटना में सहायक अध्यापक की मौत

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग लोहदा मोड़ के पास मंगलवार की दोपहर अज्ञात वाहन की टक्कर से सहायक अध्यापक गम्भीर घायल हो गए उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सहायक अध्यापक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है घटनाक्रम के मुताबिक प्रवीण सोनकर उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्र संतोष सोनकर निवासी धारूपुर नरसिंहपुर कछुवा सैनी कौशाम्बी नगर पंचायत अझुवा स्थित हनुमान इंटर कालेज में सहायक अध्यापक पद पर तैनात थे। आज मंगलवार विद्यालय से पठन पाठन कर वह मोटरसाइकिल से घर वापस जा रहे थे जैसे ही वह लोहदा मोड़ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुचे तभी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दिया दुर्घटना के बाद वाहन चालक वाहन समेत फरार हो गया मोटरसाइकिल सवार गम्भीर घायल हो गए राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने इलाज के लिए सहायक अध्यापक को सैनी के पास अस्पताल में भर्ती कराने का प्रयास किया तब तक सहायक अध्यापक की मौत हो गयी मौत की सूचना से परिजनों में कोहराम मचा है सैनी कोतवाली पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है सहायक अध्यापक बहुत ही मिलनसार व्यक्ति थे।

सहायक अध्यापक की मौत होते ही परिजनों में मचा कोहराम, दुर्घटना के बाद वाहन चालक वाहन समेत मौके से हुआ फरार

अनियंत्रित होकर हाइवे पर पलटी सवारियों से भरी ऑटो

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। बिहार में मजदूरी करके वापस अपने घर फतेहपुर लौट रहे मजदूरों की ऑटो जिले के सैनी थाना क्षेत्र के कनवार गाव के पास एक्सल टूट जाने से सड़क पर पलट गई है जिससे ऑटो में सवार मजदूर वाहन के नीचे दब गए और कई मजदूर घायल हो गए हैं घायल मजदूरों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है हादसे की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों और पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया है,ग्रामीणों ने बताया कि चलती हुई आटो का एक्सल टूट गया, जिसके चलते वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। सभी घायल मजदूर है और बिहार से प्रयागराज ट्रेन से आए थे और फिर आटो से अपने घर फतेहपुर जा रहे थे। फतेहपुर

बिहार से मजदूरी कर वापस फतेहपुर लौट रहे थे हादसे में शिकार हुए मजदूर

जिले के हथगांव थाना निवासी नफीस अहमद, रिजवान, शकील, किबला, अमर सिंह, सिब्बी बिहार मे रहकर मेहनत मजदूरी कर अपना जीवन यापन करते है। 3 दिन बाद ईद पर्व के मद्देनजर सभी लोग बिहार से फतेहपुर अपने पैतृक घर खुशिया मनाने आ रहे थे। मंगलवार की सुबह ट्रेन से प्रयागराज उतर कर सभी ने एक आटो बुक कर अपने घर फतेहपुर के चक भुनगापुर के लिए निकले। तभी कनवार गांव के पास एक्सल टूट जाने से ऑटो सड़क पर पलट गया जिससे मजदूर घायल हो गए हैं।

शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं त्यौहार : क्षेत्राधिकारी

अखंड भारत संदेश

कोखराज कौशाम्बी। आगामी त्यौहार और नगर निकाय के चुनाव को लेकर कोखराज थाने में क्षेत्राधिकारी सिराथू अवधेश विश्वकर्मा ने इलाके के ग्राम प्रधान संभ्रांत लोगों के साथ मंगलवार को पीस कमेटी की बैठक की बैठक में उन्होंने उपस्थित लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्यौहार मनाने और नगर निकाय के चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने की अपील की है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि यदि किसी ने नगर निकाय के चुनाव में और आगामी त्योहारों में स्थिति को खराब करने की कोशिश की तो पुलिस उस पर कठोर कार्रवाई करेगी कोखराज थाना में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में एसओ कोखराज विनोद कुमार मौर्य के साथ कोखराज थाने के कई उपनिरीक्षक चौकी इंचार्ज सिपाहियों के अलावा इलाके के गणमान्य लोग और ग्राम प्रधान उपस्थित रहे पुलिस ने उपस्थित लोगों से क्षेत्र के कानून व्यवस्था की जानकारी ली और उन्हें आश्वासन दिलाया कि त्यौहार के साथ-साथ नगर निकाय के चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जाएगा उन्होंने लोगों से अपील की कि स्थितियों की जानकारी लगातार पुलिस को अवगत कराते रहे।

नगर निकाय के चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सीओ ने लोगों से की अपील

डीएम ने की जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी ने परिवार कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत 20 अप्रैल को सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में कैम्प का आयोजन किया जायेंगा। जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना के तहत संस्थागत प्रसव की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों एवं आशाओं के भुगतान में भी प्रगति लाने के निर्देश दियें। उन्होंने कहा कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला अस्पताल में स्वयं सहायता समूह के तहत प्रेरणा कैन्टीन खोला जाय उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि ठीक प्रकार से कार्य न करने वाली

जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों के साथ मुख्य चिकित्साधिकारी सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की हुई समीक्षा बैठक

आशाओं को चिन्हित कर सूची उपलब्ध कराया जाय, जिससे उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही किया जा सकें। उन्होंने आकांक्षात्मक विकास खण्ड कौशाम्बी एवं मंझनपुर में सभी योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने तथा नियमित टीकाकरण में भी प्रगति लाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा के दौरान गोल्डेन कार्ड बनाये जाने के कार्य में और तेजी से प्रगति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि कार्ययोजना बनाकर अन्त्योदय कार्डधारकों के गोल्डेन कार्ड बनाने में भी तेजी से प्रगति लायी जाय। उन्होंने निमार्णाधीन हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर के निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने के भी निर्देश दियें। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत अब माह में 04 बार-प्रत्येक माह के 01, 09, एवं 16 को सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में कार्यक्रम किये जायेंगे तथा दिनांक 24 को जनपद के एफआरयू में कार्यक्रम किया जायेगा। जिलाधिकारी द्वारा राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर, मातृ-मृत्यु सूचना एंव आडिट, प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान, राष्ट्रीय कुष्ठ रोग कार्यक्रम एवं क्षय रोग नियन्त्रण कार्यक्रम आदि की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान की समीक्षा के दौरान बताया गया कि दस्तक अभियान के तहत 17 अप्रैल से 30 अप्रैल तक आशा एवं ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा घर-घर जाकर बुखार व टीबी के मरीजों एवं सैम बच्चों का चिन्हीकरण किया जायेंगा, इसके साथ ही लू से बचाव एवं स्कूल न जाने वाले बच्चों को चिन्हित कर अग्रिम कार्यवाही करायी जायेगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुषेन्द्र कुमार एवं सी0एम0एस0 सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

भागवत कथा सप्ताह महायज्ञ में उमड़ रही श्रोताओं की भीड़

अखंड भारत संदेश

कथा आयोजन के पूर्ण सिर पर कलश रखकर महिला पुरुष भक्तों ने क्षेत्र में निकाली कलश यात्रा, 20 अप्रैल को आयोजकों द्वारा किया गया है विशाल भंडारे का आयोजन

भगवत कथा सुनाते कथा वाचक

भागवत कथा में उपस्थित भक्त

कौशांबी। भरवारी कस्बे के पास महेश नगर में आयोजित साप्ताहिक भागवत कथा महायज्ञ के आयोजन में वृंदावन से पधारे कथावाचक वक्ता सुनील शास्त्री महाराज के मुखारविंद से भागवत कथा सुनने के लिए प्रतिदिन पांडाल में भक्तों की भारी भीड़ लग रही है कथा आयोजक श्री प्रकाश त्रिपाठी और उनके परिजनों को भागवत कथा का श्रवण अनुष्ठान का अनुभव संयोग प्रतिदिन प्राप्त हो रहा है भागवत कथा के प्रारंभ में 13 अप्रैल को महिला पुरुष भक्तों ने कलश में गंगा नदी का पवित्र जल रखकर कलश की पूजा करने के बाद सिर पर कलश रखकर प्रभु का जयकारा लगाते हुए इलाके में क्षेत्र भ्रमण किया। भागवत कथा के आयोजन में 13 अप्रैल को कथा वाचक कथा व्यास वक्ता सुनील शास्त्री ने भागवत महातम पर चर्चा की 14 अप्रैल को भीष्म स्तुति परीक्षित जन्म और 15 अप्रैल को सती चरित्र ध्रुव चरित्र पर कथा व्यास ने चर्चा कर श्रोताओं का मन मोह लिया भागवत कथा के आयोजन के दौरान प्रतिदिन पूरा पांडाल प्रभु के जयकारे से गूंज रहा है 16 अप्रैल को राम कथा नंद महोत्सव और 17 अप्रैल को प्रभु श्री कृष्ण की माखन चोरी की लीला गोवर्धन पूजा की कथा सुनकर भक्त भावविभोर हो गए 18 अप्रैल को महारास रुकमणी विवाह पर कथा व्यास ने चर्चा कर रुक्मणी के विवाह के संदर्भ में विस्तार से प्रकाश डाला कार्यक्रम के 19 अप्रैल को भी भागवत कथा के आयोजन पर कथा व्यास द्वारा भक्ति की चर्चा की जाएगी 20 अप्रैल को विशाल भंडारे का आयोजन कथा आयोजक परिवार द्वारा किया गया है कार्यक्रम में श्रवणा अनुष्ठान का अनुपम संयोग लेने वालों में श्री प्रकाश त्रिपाठी उनकी पत्नी दुर्गा देवी त्रिपाठी ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी उनकी पत्नी सुशीला देवी और सूर्य प्रकाश त्रिपाठी उनकी पत्नी लीलावती त्रिपाठी के साथ-साथ भागवत कथा सुनने के लिए उनके परिवार के नरेंद्र कुमार त्रिपाठी जगदीश त्रिपाठी ओम प्रकाश द्विवेदी प्रेम चंद्र दुबे अजय त्रिपाठी वीरेंद्र त्रिपाठी धीरेंद्र त्रिपाठी विजय त्रिपाठी नितेंद्र त्रिपाठी अनूप त्रिपाठी शुभम पांडे शिवांशु त्रिपाठी राज त्रिपाठी सहित अन्य लोग भी कथा स्थल पर प्रतिदिन पहुंचकर भागवत कथा के महत्व को बड़े ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।

जन संपादकीय

भाजपा को उम्मीदें हैं राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के एजेंडे से

विपक्ष जिस समस्या का सामना कर रहा है वह यह है कि भाजपा की एकमात्र दृष्टि की स्पष्ट अभिव्यक्ति के विपरीत, विपक्ष की दृष्टि एक अस्पष्ट, असम्बद्ध सूत्रीकरण है। यह अनिवार्य रूप से उसकी गलती नहीं है- लोकतंत्र स्वाभाविक रूप से एक बहु-मूल्यवान अवधारणा है जो स्वयं को कई अर्थों, अभिव्यक्तियों को जगह देता है। उदाहरण के लिए, भजापा अपनी खुद की लोकतांत्रिक दृष्टि को सशक्तिकरण के रूप में प्रस्तुत करती है। हाल ही में देश भर में कांग्रेस के दिन भर के विरोध के साथ, संसद से राहुल गांधी की अयोग्यता ने राजनीतिक शतरंज की बिसात को आकार दिया है, जो 2024 की चुनावी लड़ाई के शुरूआती टुकड़ों को स्थापित कर रहा है। घटनाएं कैसे आगे बढ़ती हैं यह विभिन्न नायकों की बाद की चालों पर निर्भर करेगा। हालांकि, हम प्रारंभिक अवलोकन कर सकते हैं। पहला यह कि अगला राष्ट्रीय चुनाव पिछले दो आम चुनावों से बहुत भिन्न नहीं होगा जो 'मोदी बनाम कांग्रेस' और 'मोदी बनाम गांधी' जैसे मुद्दों के आसपास ही केन्द्रित रहेंगे। भारत जोड़ो यात्रा अभियान के बाद कांग्रेस ने विपक्ष की बढ़ती जगह पर कब्जा कर लिया है। इस बीच,पिछले साल राष्ट्रीय मंच पर टीएमसी और आप जैसे क्षेत्रीय दलों का संक्षिप्त उछाल चुनावी उलटफेर और भ्रष्टाचार की जांच के कारण कट गया। भारत जोड़ो यात्रा के बाद की राजनीतिक सुर्खियां, सभी राहुल गांधी की हैं। गांधी वंशज की अयोग्यता, जिसने महाराष्ट्र और बिहार की राज्य विधानसभाओं में क्रॉस पार्टी वॉकआउट को प्रेरित किया, केवल विपक्षी स्थान के भीतर उनकी राजनीतिक स्थिति को बढ़ावा देते दिखाई दिया। यहां तक कि बीआरएस, टीएमसी और आप जैसे पारंपरिक कांग्रेस विरोधी भी इसकी कड़ी निंदा करने लगे- अरविंद केजरीवाल ने भाजपा सरकार को ब्रिटिश शासन की तुलना में अधिक 'दमनकारी' करार दिया - सभी लोकतांत्रिक संस्थानों को कमजोर करने की कहनी को ही दोहरा रहे थे जो राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का केंद्रीय मुद्दा था। बेशक, कांग्रेस ने जोरदार आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'तानाशाही' कदमों ने न केवल राहुल गांधी को आरोपों की पुष्टि की है बल्कि यह भी कि राहुल गांधी की कड़ी आलोचना के हमले से सरकार भयभीत है। भाजपा को शायद कर्नाटक और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के चुनावों से पहले 'मोदी बनाम गांधी' की कहानी को हवा देने से परहेज नहीं है, जहां उसे काफी सत्ताविरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है। इसके कुछ चुनावी तर्क हैं क्योंकि नरेंद्र मोदी अभी भी गांधी की तुलना में बहुत अधिक लोकप्रिय हैं– हाल ही में इंडिया टुडे के राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार, राहुल गांधी के लिए 43 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने ही प्रधानमंत्री पद के लिए अपने मत दिये जबकि नरेन्द्र मोदी को 53 प्रतिशत ने पसंद किया। दूसरा, अगले साल के चुनाव के लिए नेताओं के कथन तेजी से सत्तारूढ़ भाजपा के 'राष्ट्रवादी' दृष्टिकोण तथा विपक्षी दलों के 'लोकतांत्रिक' दृष्टिकोण के गिर्द ही घूम रहे हैं। दोनों पक्ष अपने-अपने दृष्टिकोणों के स्वर को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय गौरव की तख्ती पर भाजपा के राजनीतिक अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं, तथा जी 20 शिखर सम्मेलन को भारत के 'चमकदार' उत्थान के लिए 'महान शक्ति' के रूप में दिखाते हैं। महामारी के बाद जहां आर्थिक सुधार भारी विपरीत परिस्थितियों का सामना कर रहा है, वहां वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक लो प्रोफाइल रख रही हैं। इसके विपरीत विदेश मंत्री जयशंकर सरकार के पक्ष को आगे बढ़ाने का नेतृत्व कर रहे हैं। इस बीच, विपक्ष को न केवल 'भ्रष्ट' के रूप में चित्रित किया जा रहा है, बल्कि अक्सर इस राष्ट्रीय प्रगति का विरोध करने वाली 'राष्ट्र-विरोधी' ताकतों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया जा रहा है। यूके में गांधी की टिप्पणियों पर राजनीतिक तूफान इस उभरते आख्यान का एक उदाहरण था। विपक्ष जिस समस्या का सामना कर रहा है वह यह है कि भाजपा की एकमात्र दृष्टि की स्पष्ट अभिव्यक्ति के विपरीत, विपक्ष की दृष्टि एक अस्पष्ट, असम्बद्ध सूत्रीकरण है। यह अनिवार्य रूप से उसकी गलती नहीं है- लोकतंत्र स्वाभाविक रूप से एक बहु-मूल्यवान अवधारणा है जो स्वयं को कई अर्थों, अभिव्यक्तियों को जगह देता है। उदाहरण के लिए, भजापा अपनी खुद की लोकतांत्रिक दृष्टि को सशक्तिकरण के रूप में प्रस्तुत करती है, जैसे कि एक आदिवासी राष्ट्रपति का उत्सव, और राष्ट्रीय गौरव भारत को 'लोकतंत्र की माता' के रूप में प्रस्तुत करता है। कहना न होगा कि एक लोकतांत्रिक आख्यान राजनीतिक रूप से निरर्थक है, विशेष रूप से सत्तारूढ़ दल के सामने जो कठोर राष्ट्रवाद का ढिंढोरा पीटता है। 1977 और 1989 में कांग्रेस की चुनावी हार इसे साबित करती है। 1977 में, कांग्रेस ने आपातकाल का बचाव करते हुए दावा किया कि विपक्षी रैंकों में अराजकतावादी तत्व हैं जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। 1989 के चुनावों से पहले, कांग्रेस ने राजीव गांधी के तहत एक आक्रामक विदेश नीति के साथ एक आधुनिक भारत के उदय का जश्न मनाया, जबकि अवसरवादी कश्मीर और पंजाब में राष्ट्रीय अखंडता के लिए 'गंभीर चुनौतियों' से निपटने के लिए बिलकुल योग्य नहीं थे। एक विशेष हमले के अभियान के तहत कांग्रेस ने एक पूरे पृष्ठ के विज्ञापन में एक टूटी हुई गुड़िया दिखाई थी, जिसका शीर्षक था-'मेरा दिल भारत के लिए धड़कता है! और मैं किसी को भी इसके टुकड़े-टुकड़े नहीं करने दूंगा।'

पुलवामा त्रासदी और उसका चुनावी एडवांटेज

राजेंद्र शर्मा

पुलवामा की "जिम्मेदारी" का सवाल तो अब भी अपनी जगह खड़ा है? सत्यपाल मलिक ने पुलवामा के चार साल बाद, इस सवाल को फिर उकेर दिया है। उन्होंने उजागर कर दिया है कि पुलवामा की खबर मिलने के बाद से ही मोदी राज उसका "एडवांटेज" लेने की कोशिशों में जुटा हुआ था। और यह भी सभी जानते ही हैं कि मोदी राज ने उसका भरपूर चुनावी एडवांटेज लिया भी था। पुलवामा की त्रासदी का भूत, चार साल बाद एक बार फिर परेशान करने के लिए, मोदी सरकार के सामने आ खड़ा हुआ है। पुलवामा की त्रासदी और उसके साल भर बाद, जम्मू–कश्मीर के विभाजन, उसका दर्जा घटाए जाने तथा धारा–370 के पूरी तरह से इकतरफा तरीके से खत्म किए जाने के समय, जम्मू–कश्मीर के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक के, हिंदी के एक यू–ट्यूब चैनल और वरिष्ठद्द पत्रकार, करण थापर को हाल में दिए गए साक्षात्कारों ने, पुलवामा के सिलसिले में अब तक अनुत्तरित बने रहे कड़ुए सवालों को, फिर से सामने लाकर खड़ा कर दिया है। सत्यपाल मलिक ने, जिन्हें मोदी निजाम ने खुद छांटकर और जम्मू–कश्मीर के लिए अपना सबसे उपयुक्त प्रतिनिधि मानकर, इस संवेदनशील सीमावर्ती राज्य का राज्यपाल बनाकर भेजा था, जाहिर है कि इस आम तौर पर स्वीकार की जा चुकी सच्चाई को एक बार फिर रेखांकित किया है कि यह त्रासदी, जिसमें सीआइआरपीएफ के काफिले पर कार–बम से किए गए आतंकी आत्मघाती हमले में, सीआरपीएफ के 40 जवान मारे गए थे, इस आतंकवाद–प्रभावित क्षेत्र में, सुरक्षा बलों के इतने विशाल काफिले को, गाड़ियों से सड़क मार्ग से ले जाए जाने का ही नतीजा था। यानी अगर करीब 2,500 जवानों का, अस्सी से ज्यादा वाहनों का विशाल काफिला, सड़क मार्ग से नहीं भेजा जा रहा होता, जबकि ऐसा काफिला अपने आप में अभूतपूर्व ही था, तो चालीस जवानों की अकारण शहादत की इस त्रासदी से बचा जा सकता था। वास्तव में सीआरपीएफ द्वारा बाद में कराई गई इस पूरे प्रकरण की जांच में भी, इसी सच्चाई को रेखांकित किया गया है। पूर्व–सेना अध्यक्ष, जनरल शंकर रायचौधुरी ने भी टेलीग्राफ से एक बातचीत में यह रेखांकित किया है कि सड़क मार्ग से रक्षा बलों के इतने विशाल काफिले को भेजा जाना, अपने आप में वह घातक गलती थी, जो इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार थी। तत्कालीन राज्यपाल मलिक, जिन्हें साफ तौर पर इस सब के संबंध में अंधेरे में ही रखा गया था, प्रामाणिक रूप से इस त्रासदी के घट जाने के बाद हासिल हुई यह जानकारी देते हैं कि सीआरफएफ ने अपने जवानों को हवाई मार्ग से ले जाने का अनुरोध किया था और इसके लिए पांच हवाई जहाजों

की जरूरत होती। लेकिन, गृहमंत्रालय ने जिसकी कमान उस समय राजनाथ सिंह के हाथों में थी, सीआरपीएफ की इस मांग को खारिज कर दिया था। इसके साथ ही मलिक, दो–टूक शब्दों में यह कहकर कि अगर यह मांग राज्यपाल के रूप में उनके सामने आई होती, तो उन्होंने जरूर कुछ न कुछ कर के उनकी यह मांग पूरी कर दी होती, कम से कम इतना तो साफ कर ही देते हैं कि जवानों के इस काफिले को हवाई मार्ग से ले जाने की मांग, कोई ऐसी मांग नहीं थी जिसे साधनों की किसी वास्तविक सीमा के चलते, पूरा किया ही नहीं जा सकता था। पुन: यह दोहरा दें कि सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए, जवानों की इस बड़ी संख्या को हवाई मार्ग से ले जाने की मांग तथा उसके खारिज किए जाने के तथ्य, घटना के फौरन बाद के दौर में भी सामने आए थे। बहरहाल, तत्कालीन राज्यपाल ने इस मांग को खारिज करने के निर्णय और इसके जरिए, सीआरपीएफ को इतना बड़ा काफिला सड़क मार्ग से ले जाने के लिए मजबूर करने के निर्णय की जिम्मेदारी और इस तरह पुलवामा में हुई चालीस वदीर्धारी जवानों की मौतों के पीछे शासन की लापरवाही के दबा दिए गए सवाल को, फिर से उकेर कर सामने ला खड़ा किया है। लेकिन, सत्यपाल मलिक याद दिलाते हैं कि इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार लापरवाही, सिर्फ इतने बड़े काफिले को सड़क मार्ग पर धकेलने तक ही सीमित नहीं थी, जिसने इस काफिले को आतंकी कार्रवाई का बहुत ही आसान निशाना बना दिया था। इसके साथ ही साथ, इस पहले ही वेध्य काफिले के मार्ग को, किसी भी तरह के हमले से सुरक्षित करने के बंदोबस्त में भी, सरासर लापरवाही बरती गई थी। मलिक अपने साक्षात्कार में बताते हैं कि घटना के बाद, उन्होंने खुद काफिले के मार्ग का मुआयना किया था और यह पाया था कि इस मार्ग पर, आठ से दस तक उप–मार्ग भीतरी इलाकों से आकर मिलते थे, लेकिन इन रास्तों को काफिले के गुजरने के दौरान नियंत्रित करने का, कोई प्रयास तक नहीं किया गया था। इसी का नतीजा था कि विस्फोटक से लदी कार, काफिले के रास्ते पर बिना किसी रोक–टोक के चली आई और जवानों से भरे वाहनों से उसे टकरा दिया गया। जम्मू–कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल, मलिक इस समूची सुरक्षा चूक के साथ ही, समूची खुफिया व्यवस्था की इस चूक की ओर भी ध्यान खींचते हैं कि 300 किलोग्राम के करीब विस्फोटक से लदी कार, आठ–दस दिन से ग्रामीण तथा अन्य भीतरी इलाकों में घूम रही थी, लेकिन इतने अत्यधिक निगरानी वाले इलाके में भी, उस पर किसी की नजर ही नहीं पड़ी। फिर भी एक ऐसे राज में जो "सुरक्षा" के लिए अपनी मुस्तैदी का न सिर्फ सबसे ज्यादा ढोल पीटता हो बल्कि हर वक्त अपने इस ढोल की आवाज के बल पर, दूसरे सब को कमतर देशभक्त से लेकर गैर–देशभक्त साबित करने में लगा रहता है, ऐसी घोर लापरवाही के लिए किसी को भी न जवाबदेह ठहराया गया और न किसी प्रकार की सजा दी गई। उल्टे मलिक के बयान के मुताबिक शुरू से ही उसका पूरा जोर, जिम्मेदारी के सवालों को दबाने पर ही रहा था। इससे तो संबंधित लापरवाही या गलती के पीछे नीयत पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। सत्यपाल मलिक बताते हैं कि पुलवामा की त्रासदी के बाद, जहां उनकी पहली प्रतिक्रिया, जो उन्होंने कुछ हद तक उसी समय मीडिया से साझा भी की थी, यही थी कि सड़क मार्ग से रक्षा बलों का इतना बड़ा काफिला लाने की प्रशासनिक चूक की वजह से यह भयावह त्रासदी हुई थी, वहीं प्रधानमंत्री की पहली प्रतिक्रिया उन्हें इसका निर्देश देना था कि इस संबंध में 'चुप ही रहें। जो कहना है, दिल्ली से ही कहा जाएगा और उन्हें बताया भी जाएगा'। प्रधानमंत्री, घटना के दौरान जिम कार्बेट पार्क के जंगल में एक चर्चित विदेशी वाइल्ड लाइफ डॉक्यूमेंटरी निमार्ता के साथ फिल्म की शूटिंग कर रहे थे और कुछ घंटे के लिए शेष देश से संचार से कटे हुए थे। शूटिंग के बाद, संचार पुनः स्थापित होते ही, संभवतः किसी ढाबे या होटल से प्रधानमंत्री ने राज्यपाल मलिक से घटना की जानकारी लेने के लिए फोन से संपर्क किया था। और घटना की जानकारी मिलने के फौरन बाद प्रधानमंत्री का, वास्तविकता का सामना करने के बजाय, शासन की हरेक चूक या कमी या लापरवाही को ढांपने की ही चिंता करना, गलती को ढांपने के लिए एक और गलती करने से भी आगे का इशारा देता है। संयोग ही नहीं था कि अगले दिन, प्रधानमंत्री के सुरक्षा सलाहकार, अजीत डोवाल ने भी, जो मलिक के कालेज के सहपाठी रहे थे, याद रखकर उन्हें यह याद दिलाया था कि पुलवामा की घटना के संबंध में वह, "चुप ही रहें।" मलिक का और पुलवामा की त्रासदी की जिम्मेदारी के सवालों का चुप कराया जाना, सिर्फ असुविधाजनक सवालों से बचने की सत्ताधारियों की कोशिश का ही मामला नहीं था, यह त्रासदी के फौरन बाद आए घटनाक्रम से साफ हो गया। मलिक अपने साक्षात्कार में कहते हैं कि पुलवामा के मामले में जब उन्हें "चुप कराया गया", तभी उनको इसका आभास हो गया था कि दिल्ली में सत्ता में बैठे लोग, इस मामले को क्या रूप देना चाहते थे! सारा दोष पाकिस्तान के सिर पर मढ़ा जाना था! और ठीक यही हुआ भी। और जाहिर है कि सारा दोष पाकिस्तान के सिर मढ़ने का अर्थ, गृहमंत्रालय से लेकर रक्षा व खुफिया प्रतिष्ठद्दान तक को,ये सारी जिम्मेदारी से बरी करना तो खैर था ही। बहरहाल, अगर सत्यपाल मलिक ने वाकई इसका अनुमान लगा भी लिया हो, तब भी खुद को सारी जिम्मेदारी से बरी से करने से आगे जाकर मोदी राज ने और सबसे बढ़कर खुद प्रधानमंत्री मोदी ने जो कुछ किया, उसका अनुमान होने का उन्होंने भी कोई दावा नहीं किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बालाकोट की हवाई सर्जिकल स्ट्राइक के संदर्भ में "एडवांटेज" लेने की जो बात कही थी, चुनाव से चंद हफ्ते पहले घटी पुलवामा त्रासदी को, वैसे ही चुनावी "एडवांटेज" में बदल दिया गया। यह तो किसी से भी छुपा हुआ नहीं है कि पुलवामा के "घर में घुसकर मारने वाले बदले" के रूप में, बालाकोट हवाई हमले की "वीरता" को, 2019 के आम चुनाव की, हाथ से फिसलती लगती बाजी को पलटने के लिए कामयाबी के साथ भुनाया गया था। लेकिन, बालाकोट तो एडवांटेज लेने के इस समग्र उद्यम का क्लाइमेक्स भर था। असली खेल की शुरूआत तो, पुलवामा के शहीदों के सम्मान के बहुत ही आडम्बरपूर्ण और पूरी तरह से टेलीवाइज्ड, प्रधानमंत्री मोदी केंद्रित "शो" से ही हो चुकी थी, जो प्रधानमंत्री द्वारा श्रद्धांजलि दिए जाने के लिए, राजधानी दिल्ली में सभी शहीद जवानों के अवशेष लाए जाने से शुरू होकर, विभिन्न प्रदेशों में इन शहीदों की सुपर–टेलीवाइज्ड तथा शासन व सत्तापक्ष द्वारा हाइजैक कर ली गई अंतिम यात्राओं तक निरंतर जारी रहा। इस तरह, मोदी राज की जिम्मेदारी/लापरवाही के सारे वास्तविक सवालों को, देशभक्ति की भावनाओं के ज्वार में डुबोने के बाद, बालाकोट के क्लाइमेक्स ने पुलवामा को जबर्दस्त चुनावी एडवांटेज में तब्दील कर दिया, जिसने अधिकांश प्रेक्षकों की उम्मीदों के विपरीत, 2019 के चुनाव में मोदी राज को, 2014 से भी बड़ी जीत दिला दी। लेकिन, पुलवामा की "जिम्मेदारी" का सवाल तो अब भी अपनी जगह खड़ा है? सत्यपाल मलिक ने पुलवामा के चार साल बाद, इस सवाल को फिर उकेर दिया है। उन्होंने उजागर कर दिया है कि पुलवामा की खबर मिलने के बाद से ही मोदी राज उसका "एडवांटेज" लेने की कोशिशों में जुटा हुआ था। और यह भी सभी जानते ही हैं कि मोदी राज ने उसका भरपूर चुनावी एडवांटेज लिया भी था। पर एक प्रश्न अब भी अनुत्तरित ही है कि यह, घटना के बाद उसका "एडवांटेज" लेने का ही मामला था। या उससे आगे तक जाता था? जब तक पुलवामा की जिम्मेदारी के सवालों को दबाया जाता रहेगा, इसे लेकर भी संदेह बने रहेंगे कि पुलवामा की त्रासदी और उसका एडवांटेज लिए जाने में, कहीं कार्य–कारण का संबंध तो नहीं था!

संयोग ही नहीं था कि अगले दिन, प्रधानमंत्री के सुरक्षा सलाहकार, अजीत डोवाल ने भी, जो मलिक के कालेज के सहपाठी रहे थे, याद रखकर उन्हें यह याद दिलाया था कि पुलवामा की घटना के संबंध में वह, "चुप ही रहें।" मलिक का और पुलवामा की त्रासदी की जिम्मेदारी के सवालों का चुप कराया जाना, सिर्फ असुविधाजनक सवालों से बचने की सत्ताधारियों की कोशिश का ही मामला नहीं था, यह त्रासदी के फौरन बाद आए घटनाक्रम से साफ हो गया। मलिक अपने साक्षात्कार में कहते हैं कि पुलवामा के मामले में जब उन्हें "चुप

विपक्षी एकता-जातिगत जनगणना ही है साम्प्रदायिकता का जवाब

शकील अख्तर

अपराध पहले भी होते थे। लड़ाई झगड़े भी। मगर अब उनमें क्रूरता और घृणा ज्यादा आ गई है। खासतौर पर दलित, महिला, पिछड़ों के मामले में। नफरत का जहर जब फैलता है तो वह किसी को नहीं छोड़ता। सवर्णों के आपसी झगड़ों में भी जूते पर थूक कर चटवाना, खंबे से बांधकर मर जाने तक मारना, मध्यप्रदेश के बीजेपी अध्यक्ष, सवर्णों में टाप ब्राह्मण की पत्नी द्वारा एक मेडिकल स्टोर वाले द्वारा रात को दवा दे देने और उसके बारे में सावधानियां बताने के लिए धन्यवाद करने पर हुई भयानक ट्रोलिंग, क्योंकि मेडिकल वाला मुसलमान था, से लेकर सुषमा स्वराज केन्द्रीय मंत्री 2014 से पहले तक भाजपा की टाप नेता को बाल पकड़कर घसीटने–मारने तक की सजा का सुझाव उनके पति को देने जैसे कई उदाहरण हैं

देश कहां जाएगा बताना मुश्किल है। कश्मीर की स्थिति फिर खराब कर दी है। पंजाब में बंद हो गया खालिस्तान का मामला फिर सिर उठाने लगा है। दक्षिण में, उत्तर-पूर्व में सब जगह बैचेनी है। और बाकी देश जो शांत रहता था वहां धार्मिक और जातिगत भेदभाव बढ़ाने के रोज नए प्रयोग हो रहे हैं। उद्देश्य एक है। केवल और केवल चुनाव जीतना। बाकी सवाल आप चाहे जो करते रहो बीस हजार करोड़ या पुलवामा, उसको मीडिया जनता तक जाने ही नहीं देगा! चीन की घुसपैठ, कोरोना की मौतें, नोटबंदी,गलत जीएसटी, बेरोजगारी, महंगाई,मजदूरों का पैदल चलना, किसान आंदोलन, सेना में ठेके पर भर्ती किसका असर हुआ? सब दबा दिया गया। मगर ये विपक्षी एकता और जाति जनगणना नहीं दबा पाएंगे। विपक्ष को बस यह दो मुद्दे याद रखना चाहिए। इन्हीं दोनों से घबराकर यह सारे रिएक्शन हो रहे हैं। माफिया डान अतीक मारा जाएगा इसकी घोषणा तो टीवी एंकरों ने मुख्यमंत्री के सामने कर दी थी। बस कैसे का ही सवाल था। उसका जवाब मिल गया। टीवी पर लाइव। हथकड़ी लगाए, पुलिस से घिरे भारी खतरनाक दो अपराधियों के सिर पर हत्यारे कैसे पहुंचे। यह सवाल नहीं सवाल यह है कि क्यों पहुंचे? मारने! मरना तो तय था। मगर उसे इस तरह दिखाना था लाइव कि संदेश दूर-दूर तक जाए। क्या है संदेश! उन्माद फैलाना। ध्रुवीकरण। दोनों तरफ का। कर्नाटक में चुनाव हैं। भाजपा के लिए जितना महत्व गुजरात का है उससे कम कर्नाटक का नहीं। आर्थिक रूप से उन्नत प्रदेश तो है ही दक्षिण का द्वार भी है। और समय ऐसा है कि इसके बाद तीन और राज्यों में सीधे कांग्रेस से मुकाबला होना है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान। जो कर्नाटक जीतेगा वह यहां से निर्णायक बढ़त लेकर जाएगा। 2024 तक। लोकसभा चुनाव तक कर्नाटक का टॉनिक काम करता रहेगा। कांग्रेस यहां लाभ की स्थिति में है। भाजपा से टूट कर लोग आ रहे हैं। हालांकि कांग्रेस में इसका भारी विरोध हो रहा है। खासतौर से महिला कांग्रेस में। भाजपा के उप मुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी जो विधानसभा में ब्लू फिल्म देखते हुए पकड़े गए थे। उनके खिलाफ कर्नाटक की महिला कांग्रेस ने बड़ा प्रदर्शन किया था। उन्हें ब्लू बॉय कहा था। कांग्रेस ने न केवल उन्हें ले लिया बल्कि टिकट भी दे दिया। खैर यह अलग विषय है। मगर कर्नाटक में कांग्रेस की स्थिति काफी अच्छी है। लेकिन भाजपा के पास हिन्दू-मुसलमान का एक ऐसा तुरुप का इक्का है जो हमेशा चल जाता है। अभी भी कई दिनों से टीवी पर कब्र, एनकाउंटर, जनाजा और अब लाइव हत्या दिखाकर यही करने की कोशिश की जा रही है। कर्नाटक पहले से ही हिजाब और हलाल के मुद्दों में उलझा रखा था। और अब इसमें अतीक और उसके भाई, बेटे को इस तरह मारकर तड़का लगाने की कोशिश की जा रही है। लोगों की शांति और संयम ही इसका जवाब है। जनता अपने रोजमर्रा के सवालों काम धंधा न होने और आग लगाती महंगाई पर बात करना चाहती है। मगर सरकार टीवी के जरिए केवल हिन्दू-मुसलमान का मुद्दा चलाना चाहती है। टीवी किसी और मुद्दे को यहां तक कि पुलवामा में मारे गए हमारे वीर जवानों पर भी बात करने को तैयार नहीं है। ऐसे में विपक्ष को सोचना होगा कि वह हिन्दू-मुसलमान मुद्दे को काउंटर कैसे करे? इसका इलाज वही है कि देखें सत्ता पक्ष सबसे ज्यादा किससे घबरा रहा है। चीन, बीस हजार करोड़, नोटबंदी, किसान, पुलवामा किसी का असर नहीं हुआ। एक तो जनता तक पहुंचे नहीं। दूसरे पहुंचे भी तो वह हिन्दू-मुसलमान के नशे में इतनी चूर है कि उसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन जैसे ही वह विपक्षी एकता की बात सुनती है। उसके मन में कुलबुलाहट होने लगती है। सत्ता परिवर्तन की उम्मीद उसे दिखने लगती है। नशा टूटता है। और फिर जब जातिगत जनगणना की बात सुनती है तो धर्म का नशा पूरी तरह काफूर हो जाता है। उसे जातिगत आधार पर अपने साथ होने वाला भेदभाव याद आने लगता है। और इसमें यह भी कि भेदभाव का कोई संबंध उस मुसलमान से नहीं है जिसे अपना दुश्मन समझकर वह लड़ती जा रही थी। जातिगत जनगणना के साथ उसे मंडल आने के बाद नौकरी में और सबसे ज्यादा उसके बच्चों को उच्च शिक्षा में मिले आरक्षण के फायदे याद आने लगते हैं। और क्या-क्या सुविधाएं मिल सकती हैं जिनसे सामाजिक भेदभाव की वजह से वह और उसके पुरखे वंचित रहे यह भी याद आ जाता है। फिलहाल धर्म की राजनीति का तोड़ और कोई नहीं दिखता। यह दो मुद्दे विपक्षी एकता और जातिगत जनगणना ही ऐसे हैं जो सत्तापक्ष की हिन्दू-मुसलमान राजनीति की हवा निकाल सकते हैं। विपक्ष ने अच्छा कहा और सही कहा कि अतीक को कानून सजा देता। सब यह चाहते थे। किसी एक ने भी उसके अपराधों का समर्थन नहीं किया। लेकिन कानून व्यवस्था का यह हाल कि तीन लड़के आकर पुलिस के बीच में कनपटी पर पिस्तौल रखकर चला दें। नारे लगाएं और लगातार फायरिंग करते रहें। सवाल यही उठाए जा रहे हैं कि सत्तापक्ष के नेता जिस तरह इसका समर्थन कर रहे हैं! वह हत्या के समर्थन से ज्यादा संविधान और कानून को न मानने का ऐलान है। कौन नहीं जानता कि पिछले 9 सालो में हिंसा ज्यादा बढ़ी है। अपराध पहले भी होते थे। लड़ाई झगड़े भी। मगर अब उनमें क्रूरता और घृणा ज्यादा आ गई है। खासतौर पर दलित, महिला, पिछड़ों के मामले में। नफरत का जहर जब फैलता है तो वह किसी को नहीं छोड़ता। सवर्णों के आपसी झगड़ों में भी जूते पर थूक कर चटवाना, खंबे से बांधकर मर जाने तक मारना, मध्यप्रदेश के बीजेपी अध्यक्ष, सवर्णों में टाप ब्राह्मण की पत्नी द्वारा एक मेडिकल स्टोर वाले द्वारा रात को दवा दे देने और उसके बारे में सावधानियां बताने के लिए धन्यवाद करने पर हुई भयानक ट्रोलिंग, क्योंकि मेडिकल वाला मुसलमान था, से लेकर सुषमा स्वराज केन्द्रीय मंत्री 2014 से पहले तक भाजपा की टाप नेता को बाल पकड़कर घसीटने-मारने तक की सजा का सुझाव उनके पति को देने जैसे कई उदाहरण हैं जो क्रूरता और घृणा की हद से बाहर निकल जाने को बताते हैं। इसे रोका नहीं जा रहा। हिंसा और घृणा रोकना है तो प्रेम फैलाओ। वह अपने आप नफरत को रोक देगा। मगर टीवी, व्हाट्सएप से और ज्यादा कोशिशें हो रही हैं कि क्रूरता और बढ़े। बच्चों तक में इसका असर फैल जाए। और फैल भी गया। पहले दिल्ली के बड़े स्कूल में एक छह साल की बच्ची ने उसी उम्र की दूसरी बच्ची से उसका धर्म पूछकर उसके मुंह पर थूक दिया। दूसरे इन्दौर में एक 8-10 साल के बच्चे को इसी उम्र के उसके दोस्त पूरे कपड़े उतारकर मारते हैं और नारे लगवाते हैं। देश कहां जाएगा बताना मुश्किल है। कश्मीर की स्थिति फिर खराब कर दी है। पंजाब में बंद हो गया खालिस्तान का मामला फिर सिर उठाने लगा है। दक्षिण में, उत्तर-पूर्व में सब जगह बैचेनी है। और बाकी देश जो शांत रहता था वहां धार्मिक और जातिगत भेदभाव बढ़ाने के रोज नए प्रयोग हो रहे हैं। उद्देश्य एक है। केवल और केवल चुनाव जीतना। विपक्ष की समझ में आया कि अलग -अलग कोई नहीं लड़ सकता। और चुनाव लड़ने और जीतने की बात तो अलग, उससे पहले जेल से कौन बचेगा? वे एक हो रहे हैं। लेकिन सिर्फ एकता से काम नहीं चलेगा। चुनाव का अजेन्डा भी चाहिए। ऐसा जो धर्म के अजेन्डे का काट कर सके। धर्म के खिलाफ सामाजिक बराबरी, सम्मान और न्याय का अजेन्डा। यह दोनों ही विपक्ष को ताकतवर बनाएंगे। और इसी से भाजपा और संघ की नफरत और विभाजन की राजनीति का अंत होगा।

किसी घर में पैदा न हो अतीक

आर.के. सिन्हा

बीते कुछ दिनों के दौरान उत्तर प्रदेश के कुख्यात माफिया डॉन अतीक अहमद के पुत्र असद और उसके दोस्त का मुठभेड़ में मारा जाना और उसके कुछ ही समय बाद पुलिस पहरे में आ रहे अतीक अहमद की उसके भाई अशरफ के साथ की गई हत्या की घटनाओं से सबका दिल दहल गया है। इन दोनों सनसनीखेज घटनाओं की जांच के न्यायिक आदेश दे दिए गए हैं। बेशक, अतीक अहमद के मारे जाने के साथ ही एक दहशत के युग का अंत हुआ है । किसने सोचा होगा प्रयागराज में तांगा चलाने वाले शख्स का बेटा देखतेझ्रदेखते अपराध के संसार में खौफ का पर्याय बन जाएगा। वह जिसकी संपत्ति पर चाहेगा कब्जा जमा लेगा। अगर कोई उसे अपनी संपत्ति देने में आनाकानी करेगा तो वह उसका या उसके बहन-बेटियों का अपहरण करवा लेगा। जरूरत पड़ने पर उस शख्स को मौत के घाट भी उतरवा देना उसके लिए तो मामूली बात थी। पर अफसोस इस बात को लेकर होता है कि अतीक अहमद को मुलायम सिंह यादव और फिर अखिलेश यादव का लगातार और खुला समर्थन मिलता रहा। अपने को गांधीवादी समाजवादी कहने वाले मुलायम सिंह यादव का नाम अतीक अहमद के साथ जुड़ना साफ करता है कि भारतीय राजनीति का चेहरा कितना बदबूदार हो गया है। अभी सोशल मीडिया पर अतीक के घर पर उसके विशाल ग्रेट डेन को प्यार से सहलाते हुये समाजवादी पार्टी सुप्रीम मुलायम सिंह जी का चित्र वायरल हो रहा है क यकीन मानिए कि कोई भी इंसान अपराध के संसार में अतीक अहमद तब ही बनता है जब उसे किसी रसूखदार का राजनीतिक प्रश्रय हासिल होता है। अतीक अहमद को यह राजनीतिक प्रश्रय मिला जिसके चलते वह कानून को अपने हाथ में लेता रहा। अतीक अहमद की अब कुछ वह फोन पर की गई वार्ताएं सामने आ रही हैं जो वे फिरौती या फिर किसी की संपत्ति को कब्जाने के लिए किया करता था। उन्हें सुनने से लगता है कि वह फिरौती की रकम पूरे अधिकार के साथ मांगा करता था। उसके हुक्म को न मानने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने के बारे में भी कड़क आवाज में बता दिया करता था। अब जरा देख लें कि जनतंत्र का यह दुर्भाग्य है कि इस तरह का शख्स पांच बार उत्तर प्रदेश की विधान सभा का सदस्य रहा। वह लोकसभा की उस फूलपुर सीट से सदस्य रहा जहां से कभी पंडित जवाहरलाल नेहरू चुनाव लड़ा करते थे। इसी अतीक अहमद के वोट से 2008 में केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की सरकार बची थी। उस वक्त तत्कालीन सरकार और अमेरिका के साथ उसके परमाणु समझौते पर संकट के बादल मंडरा रहे थे, तब अतीक अहमद ने यूपीए सरकार बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तब अतीक अहमद के वोट ने ही बचाई थी यूपीए सरकार। उस वक्त अतीक अहमद समाजवादी पार्टी का सांसद था। उस वक्त परमाणु समझौते के विरोध में यूपीए सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे वामदलों ने अपने हाथ खींच लिए थे। ऐसे में विपक्ष तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ले आया था। उस वक्त अतीक अहमद सहित छह अपराधी सांसदों को विश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग से 48 घंटे पहले विभिन्न जेलों से छोड़ा गया था, ताकि वे यूपीए सरकार के पक्ष में मतदान कर सकें। अतीक अहमद भी उन छह बाहुबलियों में से एक था, जिसने यूपीए सरकार को गिरने से बचाया था। क्या तब डॉ. मनमोहन सिंह या सोनिया गाँधी को पता नहीं था कि अतीक अहमद कितने दूध के धुले हैं ? अतीक अहमद खुद ही अपराध की दुनिया में सक्रिय नहीं हुआ। उसने अपने पुत्रों को भी अपराध के संसार में लांच किया। उसने अपने पुत्र असद को बचपन से ही रिवाल्वर चलाने की ट्रेनिंग देनी शुरू कर दी थी। आपको इस तरह का पिता आसानी से नहीं मिलेगा जो अपने बच्चों को ही अपराधी बनने के लिए प्रेरित करे। आखिर उसके आतंक का अंत का हो गया। उसे अंततः मिला क्या। उसे सरेआम उसके भाई के साथ मार दिया गया। जरा सोचिए कि चार दशकों तक अपराध और राजनीति की मदद से लगभग 1400 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्तियां जब्त करने वाले का कितना खराब हश्र हुआ।

संभलकर बोलें, शब्द सार्थक और विनाशक भी हो सकते हैं

संजीव

शब्दों की महिमा को अपरंपार और अक्षर को नश्वर बताया गया है ।वैसे तो शब्दों की तीव्रता तलवार से ज्यादा नुकीली और भाले से ज्यादा चुभने वाली होती है। तलवार की धार से मनुष्य एक बार बच भी सकता है वर मुंह से बोले गए शब्द व्यक्ति को मृत्यु सा मूर्छित कर देते है। इसीलिए चिंतकों ने कहा है बोलने से पहले कई बार सोचें और बोलने के बाद सोचने वाला व्यक्ति समाज में मूर्खों की श्रेणी में गिना जाता है। राजनीति और कूटनीति में सारी जद्दोजहद शब्दावली और भाषणों की होती है कूटनीति में एक शब्द के कई अर्थ निकाले जाते हैं और उससे अपना हित अहित साधा जाता है। अकबर इलाहाबादी साहब कहते हैं,

खीचों न कमानों को, न तलवार निकालो,
जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।

मुंह से बोले गए शब्द और वाक्य बहुत सकारात्मक भी हो सकते हैं और बड़े ही भयंकर नकारात्मक भी हो सकते हैं। एक ही शब्द कहीं पर बड़े से बड़ा दंगा करवा सकते हैं और कहीं पर बोले गए प्यार के शब्द बड़े-बड़े विवादों में सुलह करा सकते हैं। शब्द की परिणति उसकी मुक्ति ही करती है। बड़े-बड़े राजनेता अभिनेता अपने मुंह से बोले गए शब्दों से लोकप्रियता के चरम पर पहुंच जाते हैं और कहीं किसी नेता के मुंह से निकला हुआ शब्द बाण समाज में विषाद और जहर भर देता है। शब्दों के जादूगर बड़ी-बड़ी आम सभाओं में सोच समझकर इस्तेमाल कर अपना सार्थक प्रभाव छोड़ते सत्ता परिवर्तन भी शब्दों के माया जाल से हि होता है। अंग्रेजी साहित्य में अरनेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना जाता था उनके शब्दों का प्रभाव सीधे पाठकों के दिल तक पहुंच जाता था इसी तरह हिंदी में तुलसीदास विश्वव्यापी कवि है उनकी वाणी में सत्य और अमृत है। आधुनिक हिंदी साहित्य मेंअज्ञेय जी को इसी श्रेणी में रखा जा सकता है उनकी शब्दावली कठिन होते हुए भी पढ़ने वालों के मर्म तक पहुंच जाती है। महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद हिंदी और देवनागरी लिपि को आत्मसात कर उपन्यास तथा कहानी और लिख कर अमृत्व को प्राप्त किया है। देवकीनंदन खत्री जी ने भी उपन्यासों खाकर चंद्रकांता संतति, भूतनाथ पढ़ने के लिए हिंदी को सीखा और मनन किया और लोकप्रिय उपन्यास की उत्पत्ति की, कबीर अपने फक्कड़पन की भाषा के कारण उत्तर भारत के सभी दिलों में समाए हुए हैं।

न्यूज झरोखा

जगद्गुरू शंकराचार्य ने रघुवीर मंदिर में किए युगल सरकार के दर्शन, ट्रस्टी डा इलेश जैन ने किया जोरदार स्वागत

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानन्द सरस्वती तीन दिवसीय भ्रमण पर चित्रकूट प्रवास पर आये। जानकीकुंड रघुवीर मन्दिर ट्रस्ट बड़ीगुफा में आगमन के दौरान रघुवीर मंदिर में विराजमान युगल सरकार व गुरुदेव रणछोड़दास महाराज के दर्शन किए।

मंगलवार को उनके आगमन पर श्री सदगुरू सेवा संघ ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ इलेश जैन, गुरुकुल के आचार्यों एवं विद्यार्थियों तथा स्थानीय साधु-संतों व सद्गुरु परिवार के सदस्यों ने उनकी भव्य अगवानी की। शंकराचार्य के आगमन पर गुरुकुल के छात्रों ने स्वस्तिवाचन एवं दिव्य शंखघोष की ध्वनि से उनका स्वागत किया।

पूज्य महाराज जगद्गुरू शंकराचार्य के प्रवास पर मन्दिर परिसर में धर्मसभा एवं संगोष्ठी का कार्यक्रम 19 अप्रैल को तय हुआ।

30 लीटर महुआ व 45 क्वार्टर देशी शराब में दो का हुआ चालान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। आगामी नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश में अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली कर्वी प्रभारी निरीक्षक गुलाब त्रिपाठी के मार्गदर्शन में दरोगा राधेश्याम सिंह की टीम ने राहुल तिवारी पुत्र स्व राधेश्याम तिवारी निवासी शंकर बाजार हाल मुकाम कांशीराम कालोनी को 30 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के खिलाफ आबकारी अधिनियम में चालान किया गया है। टीम में दरोगा राधेश्याम सिंह व सिपाही रंजीत शामिल रहे।

वहीं सरधुवा थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह के मार्गदर्शन में दरोगा सत्यमपति त्रिपाठी की टीम ने सुनीता पत्नी झुल्लन उर्फ शारदा निषाद निवासी किशोर का पुरवा मजरा सुरवल को 45 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के खिलाफ आबकारी अधिनियम में चालान किया गया है। टीम में दरोगा सत्यमपति त्रिपाठी, सिपाही राहुल पुरी, अमित सिंह, महिला सिपाही रचना प्रजापति शामिल रहीं।

शॉर्ट-सर्किट से दो बीघे की गेहूं की फसल स्वाहा, लेखपाल ने किया आंकलन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। शार्ट-सर्किट से मऊ तहसील के मंडौर गांव के एक ही परिवार के तीन किसानों की फसल आग लगने से जलकर नष्ट हो गई। लोगों ने किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक आग से फसल जलकर राख हो गई थी।

मंगलवार को मऊ तहसील के मंडौर गांव के प्रदुमचंद्र पांडेय, श्रीकांत पांडेय व रवि कुमार पांडेय के खेत में फसल कटने के बाद रखी थी। अचानक खेत में कटी पड़ी गेहूं की फसल में आग लग जाने से दो बीघे की फसल जलकर राख हो गई। जानकारी मिलने पर मौके पर मौजूद लोगों ने आसपास के नलकूपों के सहारे आग पर काबू पा लिया। पीड़ित प्रदुमचन्द्र पाण्डेय ने बताया कि खेत के ऊपर से 11 हजार की हाईटेंशन विद्युत लाइन गई है। तार में हुई स्पार्किंग से निकली चिंगारी ने खेत में पडी गेहूं की फसल पर आग लग गई। पास ही खेत में फसल काट रहे किसान खेत में आग लगी देखकर आग बुझाने में जुट गये। आग से दो बीघे की फसल जलकर राख हो गई है। मौके पर लेखपाल ने पहुंचकर पीड़ित को हर संभव मदद के लिए आश्वासन दिया है।

दुकान में लगी आग, 50 हजार रुपये की क्षति

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अज्ञात कारणों से किराने की दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग लगने से दुकान में रखा सारा सामान, नगदी और अनाज जलकर राख हो गया। बताया गया कि आग से 40-50 हजार रुपये की क्षति हुई है।

ये मामला मानिकपुर थाना क्षेत्र के खिचरी गांव के मजरा बेलहा में बीती रात हुआ। बताया गया कि कालीचरन पुत्र रामचरन जो रोज की भांति रात नौ बजे अपनी किराने की दुकान बंदकर घर चला गया था। तभी रात में दुकान में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। इससे दुकान में रखा किराने का सारा सामान व नगदी समेत अनाज जलकर राख हो गया। सुबह जब कालीचरन की मां दुकान खोलने किराने की दुकान पहुंची तो देखा कि दुकान में सारा सामान जलकर राख हो चुका था। वहीं पीड़ित दुकानदार कालीचरन ने बताया कि दुकान में आग लगने से उसका 40-50 हजार रुपये की क्षति हुई है। फिलहाल पीड़ित ने मामले की सूचना उच्चाधिकारियों को दी है। है।

डीएम-एसपी ने निकाय चुनाव बाबत बूथों का किया निरीक्षण

मतदान केंद्रों में सीसीटीवी कैमरा लगवाये जायें

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द व पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला ने आगामी नगर निकाय चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को नगर पंचायत राजापुर के तुलसी इंटर कॉलेज एवं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज का भ्रमण किया। भ्रमण में बनाये गये बूथों की मूलभूत सुविधाओं बिजली, शुद्ध पेयजल, शौचालय, रैम्प, साफ-सफाई, छाया आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मंगलवार को उन्होंने उप जिलाधिकारी व अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत से कहा कि राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में रैम्प का निर्माण कराया जाए। तुलसी इंटर कॉलेज में जो बूथ बनाए गए हैं, उसमें खिड़कियों पर पर्दे लगाए जायें। मतदान केंद्रों में सीसीटीवी कैमरा लगवाया जाये। आदर्श बूथ एवं पिंक बूथ भी बनाये

जायें। नगर पंचायत राजापुर तुलसी इंटर कॉलेज में मतगणना स्थल व स्ट्रांग रूम को देखा। उप जिलाधिकारी राजापुर तथा अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत राजापुर को निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर चारों तरफ से सीसीटीवी कैमरा से कवर किया जाए।

इसके पूर्व डीएम-एसपी ने तहसील राजापुर में पहुंचकर अध्यक्ष व सदस्य पद के नामांकन कक्ष की व्यवस्थाओं को देखा। जिसमें अध्यक्ष पद के 12 आवेदन पत्र एवं सदस्य पद के 28 आवेदन पत्र अभ्यर्थियों ने लिए थे। थानाध्यक्ष राजापुर को निर्देश दिए कि क्षेत्र के जो शस्त्र लाइसेंस धारक हैं, उनके तत्काल शस्त्र लाइसेंस थाने में जमा कराए।

निरीक्षण में उप जिलाधिकारी राजापुर प्रमोद कुमार झां, पुलिस क्षेत्राधिकारी राजापुर शीतला प्रसाद पांडेय, तहसीलदार राजापुर संजय अग्रहरि, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत राजापुर वीएन कुशवाहा समेत अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

गांव में पानी की किल्लत देख खोद डाला था कुंआ

मिट्टी में मिलती रही मेहनत और चले गए कृष्णा कोल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। यूं ही नहीं होती हाथ की लकीरों के आगे उंगलियां, रब ने भी किस्मत से पहले मेहनत लिखी है...। बुंदेलखंड के माझी कहे जाने वाले कृष्णा कोल ने कभी इन लाइनों को तो न पढ़ा होगा पर ये लाइनें उनकी जिंदगी का फलसफा जरूर बन गईं। जिस पाठा में पेयजल योजनाओं के नाम पर जाने कितनों की जेबें भर गईं पर कुंओं-तालाबों में पानी नहीं भर पाया, हैंडपंप पानी देने के नाम पर हवा निकालकर हांफते रहे, वहां एक अनपढ़ ग्रामीण ने कुआ खोद दिया, जिसने सालों तक गांववालों की प्यास बुझाई। रविवार को मेहनत की नजीर बन चुके इस शख्स ने अंतिम सांस ली। उनकी लगन को देखकर लोग उनको पाठा का दशरथ माझी भी कहा करते थे।

तमाम दावों-वादों के बीच मानिकपुर विकासखंड के गढ़चपा गांव के मजरे बड़ेहार का पुरवा तक अभी भी विकास की किरणों का उजाला नहीं पहुंचा। इसी मजरे के वाशिंदे कृष्णा कोल थे। गांव में पानी की किल्लत देखकर सरकारी योजनाओं की आस देखने की बजाय कृष्णा के मन में आया कि क्यों नहीं गांव में खुद कुआ खोदें। पाठा के पठारी इलाके में पानी निकालना साधारण बात नहीं थी। लोग उनकी इस सोच पर हंसे भी,

कुछ ने मना भी किया पर तब लगभग बीस साल के युवा और लगन के पक्के कृष्णा ने फावड़ा उठा लिया। रात-दिन एक करके लगभग साठ फीट कुआ खोद डाला और पानी की धार फूटी तो मानो उनकी मेहनत का पसीना पानी के रूप में बहने लगा। अब तो गांव में पानी के लिए कई सुविधाएं हैं। पर दो तीन दशक पहले तक यह कुआ लोगों की प्यास बुझाने के लिए एकमात्र सहारा बन गया था।

समय के साथ कृष्णा कमजोर होते गए तो उनका भागीरथी प्रयास भी देखरेख के अभाव में पहचान और अस्तित्व खोता गया। परिवार वालों ने भी इसकी कद्र नहीं की। किसी अधिकारी और जनप्रतिनिधि ने मेहनत की इस मिसाल को बचाने की कोशिश नहीं की। मरते दम तक कृष्णा को इस बात की टीस रही कि उनकी मेहनत का सिला मिलना तो दूर, किसी ने उनकी मेहनत को बचाया तक नहीं।

परहित सेवा संस्थान के संस्थापक अनुज हनुमत ने कई बार कृष्णा कोल से मिल चुके हैं। उन्होंने बताया कि कृष्णा के मन में एक टीस थी कि उनकी मेहनत का कोई सिला नहीं मिला। बताया कि तत्कालीन जिलाधिकारी शेषमणि पांडेय ने उनको सम्मानित तो किया पर उनकी धरोहर को संजाने का प्रशासन ने कोई प्रयास नहीं किया। उन्होंने कहा कि पाठा के इस दशरथ मांझी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब उनके गांव में सभी को मूलभूत सुविधाएं मिलें और ध्वस्त और लुप्त हो रही मेहनत की मिसाल कुंये को संजोया जाए।

लोगों को अग्नि सुरक्षा के उपाय बताए गए

नगीना। अग्नि सुरक्षा सप्ताह के तीसरे दिन सोमवार को फायर स्टेशन के कर्मचारियों ने कार्यक्रम आयोजित कर अपनी सुरक्षा के उपाय बताए।

जिला अग्नि शमन अधिकारी अजय कुमार शर्मा के निर्देशन पर फायर स्टेशन नगीना प्रभारी अनुराग तोमर द्वारा फायर स्टेशन नगीना पर इस वर्ष की थीम "राष्ट्रीय अवसंरचना के विकास के लिए अग्नि सुरक्षा में जागरुकता के लिए तहसील स्तर पर राश्मि गैस सर्विस धामपुर रोड नगीना, डेजी वुडन क्रॉफ्ट इंडस्ट्रियल एरिया , हुमा वुडन आर्ट इंडस्ट्रियल एरिया नगीना, नगीना इंटरनेशनल लार्जेस्ट नॉटिकल होम डिकोर कलेक्शन लाल सराय नगीना व जैन असली सिकंजी रेस्टोरेंट धामपुर रोड नगीना में कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को अग्नि सुरक्षा के उपाय बताये। कार्यक्रम को सफल बनाने में फायर स्टेशन के एफ एल एम जैय

प्रकाश शर्मा सहित सभी कर्मचारियों का सहयोग रहा।

सीसीटीवी से कंट्रोल रुम में रखें नजर: डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी नगरीय निकाय अभिषेक आनन्द ने कलेक्ट्रेट में नगरीय निकाय चुनाव कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कंट्रोल रूम प्रभारी अपर सांख्यिकी अधिकारी बीएल यादव से शिकायत रजिस्टर, कंट्रोल रूम के फोन नंबर के सक्रिय होने एवं सीसीटीवी के संचालन के बारे में विस्तृत जानकारी की।

मंगलवार को डीएम अभिषेक आनन्द के निर्देश पर अपर सांख्यिकी अधिकारी ने बताया कि शिकायत रजिस्टर बना लिया है। सभी टेलीफोन नंबर सक्रिय है। सीसीटीवी कैमरा का भी संचालन सही तरीके से किया जा रहा है। कंट्रोल रूम के संचालन में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं है।

निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कुंवर बहादुर सिंह, उप जिलाधिकारी राम जन्म यादव समेत संबंधित अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

बिजली विभाग के अधिकारियों को समस्याओं से अवगत कराया

नगीना। भारतीय किसान यूनियन के मासिक बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विचार विमर्श कर बिजली के अधिकारियों को समस्याओं से अवगत कराया गया।

सोमवार की दोपहर गन्ना समिति परिसर में भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक में विद्युत विभाग द्वारा बढ़ाकर बिल देने पर चर्चा हुई। जिन को ठीक कराने के लिए बिजली विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया गया। क्षेत्र मैं घूम रहे आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला में भिजवाना तथा गुलदारो द्वारा लगातार हमले किए जा रहे । पिंजरे लगाकर तुरंत पकड़ा जाए।

विद्युत उपकेंद्र तैयबपुर की क्षमता बढ़ाई जाए गन्ना समिति में किसानों को फर्द जमा करने व अन्य कारणों से बेवजह परेशान किया जा रहा है। उसको तुरंत बंद किया जाए। मासिक बैठक के बाद किसान यूनियन के कार्यकर्ता बिजली अधिकारियों से मिलकर उन्हें समस्याओं का निदान कराने की मांग की। बैठक की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष वीर सिंह डवास व संचालन युवा तहसील अध्यक्ष सोनू विरक ने किया। बैठक में उमेश चंद शर्मा, रेशम सिंह ,राहुल चौधरी ,योगेंद्र सिंह ,विवेक चौधरी, बलजीत सिंह ,राम भजन सिंह, प्रेम सिंह, विक्रम सिंह, राम अवतार सिंह, ओमपाल सिंह, भूदेव सिंह, प्रेम सिंह ,दिनेश कुमार ,शकील अहमद ,अरशद आदि उपस्थित रहे।

यूपी निकाय चुनाव में टिकटों के जरिए भाजपा ने दिया 2024 का संदेश

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हो रहे उत्तर प्रदेश में नगर निकाय के चुनाव में भाजपा ने कार्यकताओं को टिकट देकर एक बार बड़ा सियासी संदेश देने का काम किया है। कई जनप्रतिनिधियों के परिजनों का टिकट काट कर परिवारवाद के लगने वाले लांछन से तौबा कर ली है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो निकाय चुनाव में भाजपा ने परिवारवाद से दूरी बनाते हुए पहले चरण के दस निगमों के घोषित महापौर प्रत्याशियों में किसी सांसद, विधायक या मंत्री के परिवार के सदस्य को टिकट नहीं दिया गया है। इसके आलावा सामान्य सीटों पर पिछड़े वर्ग के प्रत्याशियों को उतारकर पिछड़े वोटबैंक को साधे रखने का प्रयास भी किया गया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता की मानें तो पार्टी ने साधारण कार्यकर्ता के साथ पुराने और जुझारू कार्यकताओं को मौका दिया है। इसका पूरा श्रेय संगठन मंत्री धर्मपाल को जाता है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के साथ मिलकर निकाय चुनाव की सुबुगाहट के पहले उम्मीदवारों के चयन पर ध्यान देना शुरू कर दिया था। हालांकि अभी पूरे टिकट घोषित नहीं हुए है। लेकिन जितने भी हुए हैं उनमें अधिकतर भाजपा के अपने मूल कार्यकताओं को ही टिकट दिया गया है।

लखनऊ में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुषमा खर्कवाल को प्रत्याशी बनाया गया है। प्रयागराज में मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी की पत्नी अभिलाषा को टिकट न देकर महानगर अध्यक्ष उमेश चंद्र गणेश केसरवानी पर पार्टी ने भरोसा किया है। ऐसे ही मथुरा-वृंदावन में भी दिग्गज दावेदारों को दरकिनार कर महानगर अध्यक्ष विनोद अग्रवाल को अवसर दिया गया है। आगरा में पूर्व विधायक हेमलता दिवाकर और झांसी में पूर्व विधायक बिहारीलाल आर्य को टिकट देकर पार्टी ने एक बड़ा संदेश दिया है।

वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक प्रसून पांडेय कहते हैं कि निकाय चुनाव के जरिए भाजपा ने आधी आबादी के साथ पिछड़ों को साधने का प्रयास किया है। सामाजिक समीकरण साधने के लिए अनारक्षित वर्ग की सीटों पर भी पिछड़े वर्ग के प्रत्याशी उतारे हैं।

पांडेय आगे कहते हैं कि मैदान में अभी लड़ाई लड़नी है। विपक्षी दल सपा ने भी मजबूत उमीदवार उतारे हैं उनकी भी रणनीति अच्छी बनी है, जातिगत समीकरण का ध्यान रखा गया है। लेकिन इस चुनाव में जीत चाहे जिसकी हो नतीजे दूरगामी परिणाम तय करेंगे।

गौरतलब है कि यूपी में निकाय चुनाव 4 और 11 मई को दो चरणों में होंगे।

अतीक अशरफ हत्याकांड ने कानपुर में निरस्त कराई धीरेंद्र शास्त्री की कथा : भक्त निराश

कानपुर प्रयागराज में गत दिवस हुए माफिया सरगना अर्थी असलम आतिफ असलम हत्याकांड ने यहां कानपुर में होने वाली बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री की कथा स्थगित करा दी है ।

यह कथा आज 17 अप्रैल से 21 अप्रैल तक सचेंडी थाना क्षेत्र के रंजीतपुर स्थित पवन तनय आश्रम परिसर में होनी थी जिसमें तकरीबन 10 लाख से अधिक लोगों के आने की संभावना थी। लेकिन जैसे ही इस कथा को स्थगित किए जाने की सूचना मिली । उनके भक्त निराश हो गए । वहीं बहुत से लोग वहां आसपास अपनी दुकानें भी लगाने की व्यवस्था कर चुके थे जो कि कथा को स्थगित किए जाने की सूचना के बाद आज अपना सामान समेटते भी नजर आए।

अवगत कराते चलें कि कानपुर में आज 17 से 21 अप्रैल तक होने वाली पंडित धीरेंद्र शास्त्री की कथा की परमीशन को रद्द कर दिया गया है। प्रशासन ने इसके लिए वर्तमान कानून व्यवस्था का हवाला दिया है। याद रहे कि इसके पहले बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने वीडियो जारी कर खुद इसकी जानकारी दी थी कि वह कानपुर में दो दिन का महा दिव्य दरबार लगाने जा रहे हैं, जिसको लेकर उनके समर्थकों में काफी खुशी थी लेकिन अब उनकी कथा के आयोजन को रद्द कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक धीरेंद्र शास्त्री की कथा को रद्द किए जाने को लेकर मैथा एसडीएम जितेंद्र कटियार की ओर से लिखित आदेश जारी किया गया है ,जिसमें कहा गया कि वर्तमान में प्रदेश की कानून व्यवस्था एवं सांप्रदायिक संवेदनशीलता, एवं उत्तर प्रदेश में धारा-144 लागू होने चलते तथा जन सामान तथा पुलिस बल की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए बागेश्वर धाम धीरेंद्र शास्त्री के प्रस्तावित हनुमंत कथा कार्यक्रम को अग्रिम आदेशों तक स्थगित किया जाता है।

आदेश में अभी लिखा है कि स्थिति अनुकूल होने पर हमुनंत कथा आयोजन के संबंध में अनुमति देने पर पुर्नविचार किया जाएगा कधीरेन शास्त्री की कथा स्थगित किए जाने से उनके समर्थक भक्त भी बहुत हताश बताए जाते हैं।

चीनी रक्षा मंत्री ने रूस के साथ संबंधों को सराहा, बोले- हमारे रिश्ते बहुत मजबूत

बीजिंग। चीनी रक्षा मंत्री ली शांगफू ने क्रेमलिन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक के दौरान मास्को के साथ संबंधों की प्रशंसा की। रूसी टीवी पर प्रसारित टिप्पणी में उन्होंने कहा कि हमारे बीच बहुत मजबूत संबंध हैं। वे शीत युद्ध के दौर के सैन्य-राजनीतिक गठजोड़ से आगे निकल गए हैं। वे बहुत स्थिर हैं। उन्होंने कहा कि रूस-चीन संबंध पहले ही एक नए युग में प्रवेश कर चुके हैं। ली ने कहा कि चीन के रक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद यह मेरी पहली विदेश यात्रा है। मैंने विशेष रूप से इसके लिए रूस को चुना ताकि हमारे द्विपक्षीय संबंधों की विशेष प्रकृति और रणनीतिक महत्व पर जोर दिया जा सके। बैठक में रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू भी शामिल हुए। पुतिन ने रूस और चीन के बीच सैन्य सहयोग का स्वागत किया। पुतिन ने कहा कि हम सैन्य विभागों के माध्यम से भी सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं, नियमित रूप से उपयोगी सूचनाओं का आदान-प्रदान कर रहे हैं और सैन्य-तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में सहयोग कर कर हैं। उन्होंने कहा कि निस्संदेह यह एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो हमारे संबंधों की विशेष रूप से भरोसेमंद, रणनीतिक प्रकृति को मजबूत करता है।

चीनी रक्षा मंत्री ली की रूस यात्रा 19 अप्रैल तक चलेगी। पिछले महीने चीन के नेता शी जिनपिंग ने भी मास्को की आधिकारिक यात्रा की थी। पुतिन और शी ने अपने संबंधों में एक नए युग की सराहना की और यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए बीजिंग के प्रस्तावों पर चर्चा की। मॉस्को और बीजिंग ने पिछले वर्षों में सहयोग बढ़ाया है, जो सीधे अमेरिका को चुनौती देने जैसा है। पुतिन द्वारा पिछले फरवरी में यूक्रेन में आक्रमण शुरू करने के बाद से चीन ने सीधे तौर पर रूस का समर्थन किया था।

चार महीने बाद अफगानिस्तान लौटे पाकिस्तान के कार्यवाहक राजदूत

काबुल। अफगानिस्तान में पाकिस्तान के कार्यवाहक राजदूत उबैदुर रहमान निजामी चार माह से अधिक समय बाद काबुल लौटे हैं। बीते वर्ष दो दिसंबर में पाकिस्तान दूतावास पर हुए हमले के बाद वे काबुल छोड़कर पाकिस्तान वापस चले गए थे। पाकिस्तान व अफगानिस्तान के शीर्ष नेतृत्व के बीच बातचीत के बाद निजामी की काबुल वापसी हुई है।

पिछले वर्ष दो दिसंबर को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में पाकिस्तानी दूतावास पर हमला हुआ था। इस हमले में अफगानिस्तान में पाकिस्तान के कार्यवाहक राजदूत उबैदुर रहमान निजामी को निशाना बनाया गया था। हालांकि वह बाल-बाल बच गए, लेकिन उनके पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी के पैरों में गोलियां लग गई थीं। पाकिस्तान ने हमले के बाद अपने राजनयिक को वापस बुला लिया था और तालिबान से पाकिस्तानी दूतावास की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की थी। इस हमले के लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) आतंकवादी समूह को जिम्मेदार ठहराया गया था। चार माह से अधिक समय बीतने के बाद अब पाकिस्तानी विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने जानकारी दी है कि काबुल स्थित पाकिस्तानी दूतावास के प्रभारी उबैदुर रहमान निजामी वापस चले गए हैं। माना जा रहा है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी और कार्यवाहक अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी के बीच फोन पर बातचीत के बाद निजामी की वापसी हुई। मुत्तकी के अगले महीने इस्लामाबाद दौरे पर जाने की संभावना है। उससे पहले पाकिस्तानी कार्यवाहक राजदूत को वापस काबुल भेजने का फैसला लिया गया है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर भूस्खलन, तीन की मौत, दर्जनों घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर स्थित शहर तोरखम के पास हुए भूस्खलन में तीन लोगों की मौत हो गयी और दर्जनों लोग घायल हो गए। मरने वालों में अफगानिस्तान के दो नागरिक शामिल हैं। अभी मलबे में दो दर्जन ट्रक दबे होने के कारण मृतकों एवं घायलों की संख्या बढ़ने का अंदेशा जताया गया है। इस दौरान वहां आग भी लग गयी, जिस पर काबू पा लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के तोरखम सीमावर्ती शहर के पास अचानक हुए भूस्खलन से आवाजाही बाधित हो गयी। कई वाहन पलट गए और चीख-पुकार सुनाई देने लगी। राहत कर्मियों ने पहुंच कर फंसे लोगों को निकाला, तो तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई। मरने वालों में दो लोग अफगानिस्तान के नागरिक हैं। दर्जनों लोग घायल हुए हैं, जिनमें से आठ की स्थिति गंभीर है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एक बार फिर फिजी की धरती कांपी, आया 6.3 तीव्रता का जोरदार भूकंप

फिजी। तुर्की और सीरिया के बाद अब फिजी की धरती कांपने की खबर आई है। हालांकि अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार फिजी में मंगलवार को 6.3 तीव्रता का भूकंप आया है।

बता दें, फिजी दक्षिण प्रशांत का एक देश है। यह 300 से अधिक द्वीपों का एक द्वीपसमूह है। एनसीएस ने बताया कि भूकंप सुबह 10 बजे के करीब आया था। इसका केंद्र धरती के नीचे 569 किलोमीटर की गहराई में है। फिलहाल अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एक सप्ताह के भीतर यह दूसरा भूकंप है। इससे पहले, गुरुवार को फिजी में रिक्टर पैमाने पर 4.3 तीव्रता

का भूकंप आया था, संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने सूचित किया था। वहीं, इससे पहले तुर्की और सीरिया में 6 फरवरी को भीषण भूकंप से तबाही मची थी। इसमें 50 हजार से अधिक लोगों की मौत हुई थी।

यूएस में चल रहा था चीन का सीक्रेट पुलिस स्टेशन, दो लोग गिरफ्तार

न्यूयॉर्क । अमेरिका के अधिकारियों ने न्यूयॉर्क शहर में दो चीनी मूल के अमेरिकी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि ये लोग सीक्रेट पुलिस स्टेशन चलाकर चीन को जानकारी पहुंचा रहे थे। अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने बताया कि चीनी मूल के दो नागरिकों 61 साल के लियू जियानवांग और 59 साल के चेन जिनपिंग को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों ने 2022 की शुरुआत में मैनहट्टन के चाइनाटाउन में गुप्त पुलिस चौकी खोली थी।

चीनी सरकार के लिए काम करने का आरोप

न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट के अमेरिकी अटार्नी ब्रियोन पीस ने बताया कि ये लोग बीजिंग के इशारे पर न्यूयॉर्क और संयुक्त राज्य अमेरिका में चीनी प्रवासियों को टारगेट करने वाले अंतरराष्ट्रीय दमन में लगे हुए थे। गिरफ्तार किए दोनों व्यक्तियों पर अमेरिकी अधिकारियों को सूचित किए बिना चीन की सरकार के एजेंट के रूप में काम करने की साजिश रचने और साथ ही न्याय में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। अधिकारियों ने कहा कि इन लोगों को जब पता चला कि इनकी जांच की जा रही है तो इन्होने चीन के सार्वजनिक मंत्रालय से हुई बातचीत की जानकारी को हटा दिया। यह लोग अमेरिका में रह रहे चीन के लोगों को भड़काने का काम कर रहे थे, जो अमेरिकी कानूनों का उल्लंघन है।

क्या है चीनी कानून

बता दें, चीनी कानून के मुताबिक, चीन के बाहर रहने वाला कोई भी चीनी नागरिक या चीन के अंदर या बाहर करने वाली कोई भी चीनी कंपनी, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी को विदेशों की सारी जानकारियां देने के लिए बाध्य हैं। किसी भी चीनी नागरिक से किसी भी वक्त, चाहे वो देश में रहते हों या विदेश में उनसे जासूसी करवाई जा सकती है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि इन पुलिस स्टेशन का भयावह उपयोग किया जा रहा था।

'बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करने की धमकी को नहीं करेंगे बर्दाश्त', जी 7 का रूस को लेकर सख्त रुख

सीरिया । नागानो के करुइजावा में जी7 के विदेश मंत्रियों के बीच बैठक चल रही है। इस दौरान सभी ने बेलारूस में रूस के हथियार तैनात करने की घोषणा की निंदा की। जी7 समूह ने कहा कि किसी भी तरह की धमकी को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बैठक में जी 7 के मंत्रियों ने यह भी फैसला लिया कि रूस पर सख्ती करने के लिए प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ अन्य देशों को भी इस पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहेंगे। इसके लिए वे समन्वय को मजबूत करेंगे। इसपर सभी ने सहमति जताई।

बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करेगा रूस

गौरतलब है, रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को शुरू हुए एक साल से अधिक हो गया है। फिलहाल इसका अंत दिखाई नहीं दे रहा है। इस बीच, कई बार रूस की तरफ से परमाणु हमले की चेतावनी भी दी जा चुकी है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में एलान किया था कि यूक्रेन से सटे बेलारूस में रूस के परमाणु हथियार तैनात किए जाएंगे।

राष्ट्रपति पुतिन ने यूरोप का जिक्र करते हुए कहा था कि अमेरिका ने यूरोप में कई जगहों पर अपने परमाणु हथियार रखे हैं, उसकी तुलना में उनका ये कदम परमाणु निरस्त्रीकरण समझौतों का उल्लंघन नहीं होगा। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि इस हथियारों का कंट्रोल रूस बेलारूस के हाथों में नहीं देगा।

पुतिन ने रूसी सरकारी टेलीविजन से कहा था कि बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लूकाशेन्को लंबे वक्त से कहते रहे हैं कि रूस को अपने परमाणु हथियार रखे बेलारूस में भी रखने चाहिए। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई अजीब बात नहीं है। दशकों से अमेरिका ऐसा करता आ रहा है। वो अपने सहयोगी देशों की जमीन पर रणनीतिक तौर पर अहम हथियार तैनात करना रहा है।'

पुतिन ने और क्या कहा?

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि रूस इस साल एक जुलाई तक बेलारूस में टैक्टिकल वीपन्स के भंडारण के लिए बनाई जा रहा स्टोरेज यूनिट का काम पूरा कर लेगा। उन्होंने आगे बताया कि रूस ने पहले ही परमाणु मिसाइलें लॉन्च करने के लिए जरूरी कुछ इस्कंदर मिसाइल सिस्टम बेलारूस भेज दिए हैं। 1990 के दशक के मध्य के बाद ये पहली बार है जब रूस अपने परमाणु हथियार अपने देश से बाहर अपने किसी मित्र देश में तैनात कर रहा है। 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस के हथियार नए स्वतंत्र हुए चार देशों में रह गए थे- रूस, यूक्रेन, बेलारूस और कजाकस्तान। इन सभी हथियारों को साल 1996 तक रूस लाने का काम पूरा कर लिया गया था।

अमेरिका और यूक्रेन ने क्या कहा?

बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करने के पुतिन की इस घोषणा के बाद अमेरिका का भी बयान सामने आया है। अमेरिका ने कहा है कि उसे यकीन है कि रूस परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के बारे में विचार नहीं कर रहा। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, 'हमें कोई वजह नहीं मिलती कि हम रणनीतिक तौर पर अहम अपने हथियारों को लेकर अपनी स्ट्रेटेजी न बदलें।' मंत्रालय ने ये आगे कहा, 'नेटो सैन्य गठबंधन में शामिल देशों की रक्षा के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।'

18 देशों ने यूक्रेन की मदद को बढ़ाया हाथ

बता दें कि इस हफ्ते की शुरुआत में ही 18 देशों ने यूक्रेन की मदद को हाथ बढ़ाया है। इन देशों ने यूक्रेन को अगले साल कम से कम दस लाख तोपों के गोलों की आपूर्ति करने का भरोसा दिलाया है। इसके लिए समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने हाल ही में एक जापानी अखबार को इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने कहा है कि देश के पूर्वी हिस्से में रूस पर जवाबी हमला यूक्रेन तब तक नहीं करेगा जब तक मित्र देशों से गोला-बारूद नहीं आ जाता।

रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़ी ये बातें भी जानें

रूसी सेना ने बाखमुट को तीन तरफ से घेर लिया है और लगातार हमले कर रहा है। मुख्य शहर पूरी तरह से बर्बाद हो चुका है। हालांकि, यूक्रेनी सेना भी मजबूती से जवाब दे रही है। यही कारण है कि तमाम कोशिशों के बावजूद रूस ने अब तक बाखमुट पर कब्जा नहीं किया है। रूसी हमले बाखमुट में दो लोगों की मौत हुई है। रूसी हमलों में खेरसान में दो लोग मारे गए हैं और छह घायल हुए हैं। यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना के साथ लड़ रहे पांच हजार से ज्यादा पूर्व अपराधियों की सजा रूस की सरकार ने माफ कर दी है। यह जानकारी सशस्त्र संगठन वैगनर ग्रुप के संस्थापक येवगेनी प्रिगोजिन ने दी है।

अश्वेत किशोर ने बजा दी गलत घर की घंटी, 85 साल के बुजुर्ग ने गोलियों से छलनी कर दिया

वाशिंगटन। अमेरिका के मिजूरी में नस्लभेद का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 85 साल के बुजुर्ग ने अश्वेत किशोर को सिर्फ इसलिए गोली मार दी, क्योंकि उसने भटकने के बाद उनके घर की घंटी बजा दी थी। बताया गया है कि गोली लगने के बाद 16 साल के राल्फ पॉल यार्ल की हालत नाजुक है।

क्या था पूरा मामला?

मिजूरी में अभियोजन पक्ष ने 85 साल के श्वेत व्यक्ति एंड्रयू लेस्टर पर फर्स्ट डिग्री असॉल्ट (हिंसा) और हथियारों का

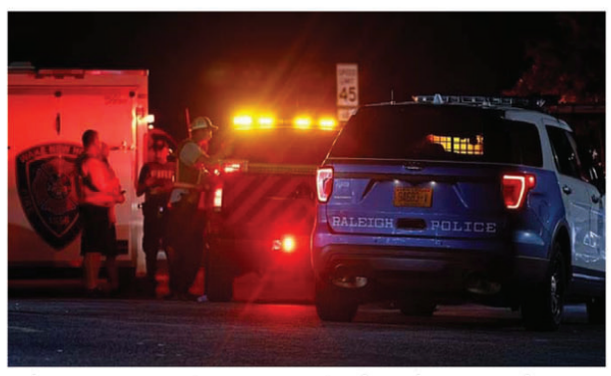

इस्तेमाल कर आपराधिक घटना को अंजाम देने का मामला दर्ज किया है। बताया गया है कि राल्फ पिछले हफ्ते जब अपने जुड़वां भाई को लेने के लिए अपने मित्र का घर ढूंढ रहा था, तब उसने गलती से बुजुर्ग के घर की घंटी बजा दी। इसके बाद बुजुर्ग बंदूक लेकर बाहर आया और उसने राल्फ को दो गोलियां मार दीं।

इस मामले पर विवाद तब शुरू हुआ, जब पुलिस ने 24 घंटे कस्टडी में रखने के बाद बिना कोई मामला दर्ज किए बुजुर्ग को रिहा कर दिया। सोशल मीडिया पर सवाल उठने के बाद सोमवार को क्ले काउंटी के अभियोजक जैखरी थॉम्पसन ने एलान किया कि बुजुर्ग पर मुकदमा दर्ज किया गया है और उनकी जमानत दो लाख डॉलर पर तय हुई है।

चीन से सटा नेपाल का तातोपानी बॉर्डर सिर्फ शिपिंग के लिए खोला जाएगा एक मई से

काठमांडू। चीन से सटा नेपाल की तातोपानी बॉर्डर एक मई से केवल दो तरफा परिवहन के लिए खोला जाएगा। नेपाल और चीन के बीच हुई सीमा बैठक में इस पर सहमति बनी। इसे सिर्फ शिपिंग के लिए खोला जाएगा। सिंधुपालचौक पुलिस अधीक्षक बलदार सिंह राणा ने बताया कि चौकी खोलने पर सहमति बन गई है। बॉर्डर सिर्फ शिपिंग के लिए खोला जाएगा। आम नागरिकों के आने-जाने की अनुमति नहीं होगी।

वर्ष 2015 के भूकंप के बाद तातोपानी क्रॉसिंग को बंद कर दिया गया था। बाद में चीन ने नेपाल को सामान बेचने के लिए एकतरफा सड़क खोल दी थी। लेकिन नेपाल से चीन को होने वाला निर्यात बंद कर दिया था। इससे पहले नेपालियों को तातोपानी क्रासिंग से खासा की ओर जाने दिया जाता था। नेपाल के विदेश सचिव भरतराज पौड्याल ने इस महीने बीजिंग में हुई सचिव स्तर की बैठक में तातोपानी क्रॉसिंग का मुद्दा उठाया था। बैठक में सीमा को खोलने के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना के निर्माण को बढ़ाने पर सहमति बनी थी। तातोपानी क्रॉसिंग को पूरी तरह से खोलने के लिए चीन ने कुछ दिन पहले क्रॉसिंग को बंद करने का नोटिस जारी किया था।

'दोस्त' से ही चालबाजी! : आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में बार-बार बंद किए जा रहे चीन के व्यापार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की ढहती अर्थव्यवस्था के बीच आतंकवाद से जुड़ी घटनाएं और सुरक्षा व्यवस्था की कमी देश की शहबाज शरीफ सरकार के लिए और बड़े संकट पैदा कर रही हैं। आलम यह है कि जहां पाकिस्तान को आईएमएफ से कर्ज लेने में बड़ी समस्याएं आ रही हैं, वहीं उसके कई मददगार साथी देशों ने बार-बार बंद कराया जा रहा है, जिसके चलते दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों में संकट आ

सकता है।

पाकिस्तान में चीनी व्यापारियों के साथ क्या हो रहा?

निक्केई एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की कराची पुलिस आतंकी हमलों से बचाव के लिए मजबूरी में बार-बार अस्थायी तौर पर चीनी नागरिकों के व्यापार को बंद करा रही है। ऐसा कर के पाकिस्तान की पुलिस पहले से आतंकी हमलों की वजह से खराब हो चुके अपने रिश्तों को संभालने की कोशिश कर रही है, हालांकि, इसका दूसरा असर चीनी व्यापारियों और दोनों देशों के आर्थिक संबंधों पर पड़ने लगा है। बीते महीने ही चीन ने इस्लामाबाद स्थित अपने दूतावास में कॉन्स्यूलर सेक्शन को बंद कर दिया था। इसके साथ ही चीन ने अपने नागरिकों को पाकिस्तान में बिगड़ते सुरक्षा हालात को लेकर भी चेतावनी जारी की थी और हर स्थिति के लिए अलर्ट रहने को कहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चीन ने कई बार पाकिस्तान को चेतावनी भी जारी की है, लेकिन इसका असर यह हुआ है कि शरीफ सरकार अब सुरक्षा व्यवस्था को लेकर छुई-मुई रवैया अपनाने लगी है और छोटे अलर्ट्स पर भी चीनी नागरिकों के व्यापारों को बंद करने लगी है।

सूडान में सेना-पैरामिलिट्री की जंग में फंसे 31 भारतीय:कर्नाटक के आदिवासी जड़ी-बूटी बेचने गए थे, कांग्रेस का आरोप- सरकार उन्हें छुड़ा नहीं रही

सूडान। सूडान में मिलिट्री और पैरामिलिट्री के बीच जारी लड़ाई में कर्नाटक के 31 आदिवासी फंस गए हैं। सभी लोग सूडानी शहर अल-फशेर में रह रहे हैं। ये लोग आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी बेचने के लिए सूडान गए थे। इनमें से 19 लोग कर्नाटक के हुनसूर, 7 शिवामोगा और 5 लोग चन्नागिरी के रहने वाले हैं।

इन्हीं में से एक एस. प्रभू ने इंडियन एक्सप्रेस से फोन पर बात की। उसने बताया कि हम पिछले 4-5 दिनों से एक किराए के मकान में फंसे हुए हैं। हमारे पास खाना या पीने के लिए कुछ भी नहीं है। बाहर से लगातार धमाकों की आवाज आ रही है। यहां कोई हमारी मदद करने को तैयार नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने मोदी सरकार पर कन्नड़ विरोधी होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा- सूडान में फंसे भारतीयों के लिए सरकार कुछ नहीं कर रही है। उन्हें उनकी किस्मत के भरोसे छोड़ दिया गया है। वहीं, सूडान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 200 हो गई है।

सोमवार को RSF के लड़ाकों ने अमेरिकी दूतावास के काफिले और श्व के ऐंबैस्डर पर भी हमला कर दिया। इसकी जानकारी अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि काफिले की गाड़ियों पर अमेरिका का झंडा लगा हुआ था। साथ ही उसकी लाइसेंस प्लेट भी दूतावास की थी। फिर भी हमला किया गया। ब्लिंकन ने बताया कि वो हमले की जांच कर रहे हैं।सूडान में सिर्फ अमेरिकी काफिले पर ही नहीं बल्कि ऋस्त्र और सेना के बीच की लड़ाई में श्व के ऐंबैस्डर एडन ओ हारा पर भी हमला हुआ। दरअसल, ऋस्त्र के कुछ लड़ाके दरवाजा तोड़कर ओ हारा के घर घुस गए। उन्हें गनपॉइंट पर रखकर उनसे सारे पैसे लूट लिए। हालांकि, इस हमले उन्हें मामूली चोट आई। ओ हारा ने हमलावरों की पहचान उनकी यूनिफॉर्म से की। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक खार्तूम की गलियों में लगातार इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। दोनों गुट टैंक, आर्टिलरी और खतरनाक हथियारों से लड़ रहे हैं। सूडान में लड़ रहे दोनों गुटों को अलग-अलग देशों का समर्थन है। अलजजीरा के मुताबिक आर्मी को मिस्र का साथ है, जबकि पैरामिलिट्री ग्रुप को श्व और सऊदी अरब से मदद मिलती रही है। हालांकि, सभी देशों ने दोनों गुटों से लड़ाई रोकने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र संघ के सेक्रेटरी जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि अगर ये लड़ाई अभी नहीं रुकी तो इससे पूरा देश तबाह हो सकता है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

प्राकृतिक खतरों से निबटने को आईआईटी रुड़की और एनसीडीआर ताइवान में समझौता

हरिद्वार। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने नेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर फॉर डिजास्टर रिडक्शन (एनसीडीआर), ताइवान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एमओयू का उद्देश्य एनसीडीआर और आईआईटी रुड़की के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन डिजास्टर मिटिगेशन एंड मैनेजमेंट (सीओईडीएमएम) के बीच संबंधों और आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक और अकादमिक सहयोग और अनुसंधान को विकसित करना है। समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य भूकंप, भूस्खलन, बाढ़, मलबे के प्रवाह और मिश्रित आपदाओं सहित प्राकृतिक खतरों के लिए पारस्परिक रूप से प्रौद्योगिकी समाधान विकसित करना है। आईआईटी रुड़की और एनसीडीआर के शोधकताओं का लक्ष्य उत्तराखंड में चयनित स्थानों पर पी-अलर्ट सेंसर से लैस एक प्रारंभिक चेतावनी सेंसर नेटवर्क को सह-स्थापित करना है।

बैठक में प्रो. एम. एल. शर्मा, डीन फाइनेंस एंड प्लानिंग, आईआईटी रुड़की; प्रोफेसर अक्षय द्विवेदी, डीन स्पॉन्सर्ड रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल

कंसल्टेंसी, आईआईटी रुड़की; प्रो. विमल चंद्र श्रीवास्तव, डीन इंटरनेशनल रिलेशंस; आईआईटी रुड़की; प्रोफेसर अमित कुमार धीमान, कार्यवाहक प्रमुख सीओईडीएमएम, आईआईटी रुड़की; प्रोफेसर महुआ मुखर्जी, महासचिव, एसएएडीआरआई, डॉ. पीयूष श्रीवास्तव और डॉ. एस. श्रीकृष्णन, आईआईटी रुड़की से सीओईडीएमएम के कोर फैकल्टी; प्रो. यिह-मिन डब्ल्यूयू, एनटीयू, ताइवान, डॉ. वेई-सेन एलआई, महासचिव, एनसीडीआर, ताइवान; डॉ. चिन-त्सांग वांग, काउंसलर एंड डायरेक्टर, ताइपे इकोनॉमिक एंड कल्चरल सेंटर इन इंडिया, नेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल ; ऐली च्यांग, सहायक निदेशक, ताइपे इकोनॉमिक एंड कल्चरल सेंटर इन इंडिया, नेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल; आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. के.के. पंत ने उभरते जलवायु परिवर्तन परिदृश्य के तहत सतत विकास लक्ष्यों और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में तेजी लाने की दिशा में आईआईटी रुड़की और एनसीडीआर की संयुक्त भूमिका पर अपना दृष्टिकोण व्यक्त किया।